दैनिक
भिंड ■ बुधवार 25 फरवरी 2026 ■ वर्ष -18 ■ अंक-237 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹04

सत्ता सुधार

जनता के साथ जनता की आवाज

सुविचार

सच्चे और अच्छे संस्कार हमें न केवल जोड़ते हैं, बल्कि हमें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देते हैं।

मध्यप्रदेश के किसानों का 'मंगल'

कैबिनेट का फैसला: 10,520 करोड़ की 5 योजनाएं 5 साल तक रहेंगी जारी

- मुख्यमंत्री का विधानसभा में ऐलान- भगोरिया उत्सव अब बनेगा राष्ट्रीय पर्व
- किसान कल्याण वर्ष-2026- जनजातीय क्षेत्रों में होगी मप्र की पहली कृषि कैबिनेट

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में किसानों के लिए बड़ा फैसला लिया गया। सरकार ने अगले पांच साल तक (1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक) पांच प्रमुख कृषि योजनाओं को जारी रखने की मंजूरी दी है। इन योजनाओं पर कुल 10,520 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। सरकार का कहना है कि किसान कल्याण वर्ष के तहत यह निर्णय लिया गया है, ताकि किसानों की आय बढ़े, खेती की लागत घटे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो। वहीं मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा कि मालवा अंचल के जनजातीय क्षेत्रों में मनाए जाने वाले भगोरिया लोकपर्व को सरकार ने राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाने का फैसला लिया है।

इसके साथ ही जनजातीय बहुल जिलों बड़वानी, धार और झाबुआ में सरकार कृषि कैबिनेट करने की तैयारी कर रही है। भगोरिया पर्व के दौरान ही कृषि कैबिनेट की बैठक की जाएगी। खनिज अन्वेषण एवं विकास के लिए भवन निर्माण के लिए 34.02 करोड़ रुपए की स्वीकृति किए गए हैं। मध्यप्रदेश प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग के प्रावधानों में बदलाव पर मुहर लगी है।

उड़द पर 600 रुपए बोनस

सीएम ने बताया कि किसानों के हित में की गई घोषणाओं को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। राज्य सरकार उड़द के उपार्जन पर 600 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देगी। वहीं, सरसों के लिए 71 लाख टन उत्पादन मानते हुए भावांतर योजना के तहत भुगतान किया जाएगा। सरसों उत्पादन 28 फीसदी बढ़ने का अनुमान है। भावांतर योजना में सरसों उपार्जन की स्वीकृति दी गई है।

राष्ट्रीय कृषि विकास: कृषि विकास के लिए संसाधन उपलब्ध कराएंगे। खेती में नई तकनीक और सुविधाओं को बढ़ावा मिलेगा। इसके लिए 2010 करोड़ मंजूर किए गए हैं।

पीएम कृषि सिंचाई: किसानों को ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी माइक्रो इरिगेशन तकनीक लगाने पर अनुदान मिलता रहेगा। योजना पर 2400 करोड़ खर्च होंगे।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन: धान, गेहूं, दलहन, मोटा अनाज और नगदी फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए किसानों को सहयोग दिया जाएगा। 3300 करोड़ आवंटित किए गए हैं।

नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग: प्रदेश में प्राकृतिक खेती का दायरा बढ़ाया जाएगा। इससे रसायन मुक्त खेती को बढ़ावा मिलेगा।1010 करोड़ सरकार खर्च करेगी।

राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन: तिलहन उत्पादन करने वालों को लाभ मिलेगा। तेल उत्पादन में बढ़ोतरी होगी। योजना की लागत 1800 करोड़ है।

किसानों की बल्ले-बल्ले

किसानों को अगले पांच साल तक योजनाओं का लगातार लाभ मिलेगा। सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा। उत्पादन बढ़ेगा और लागत घटेगी। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इन योजनाओं के जरिए खेती को ज्यादा लाभकारी और टिकाऊ बनाया जाएगा।

- मुख्यमंत्री ने कहा- सांसद राहुल गांधी पहले तिलहन-दलहन जान लें
- राहुल से पूछें -रबी में बोई जाने वाली फसल का नाम
- बिना जमीनी समझ के प्रदेश में आकर राहुल गांधी आखिर करेंगे क्या
- खाद-यूरिया के उपयोग की जानकारी नहीं, और किसानों के हित में लगा रहे महाचौपाल

तिलहन-दहलन नहीं जानते राहुल

विधानसभा में मुख्यमंत्री के संबोधन के बाद नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि किसानों के हित में की गई सरकार की घोषणाएं स्वागत योग्य हैं। उन्होंने कहा–क्या राहुल गांधी के भोपाल में होने के कारण सरकार ने यह फैसला लिया है। इस पर सीएम ने कहा–राहुल गांधी से तीन सवाल पूछे जाएं, जिनमें रबी में बोई जाने वाली फसल का नाम भी शामिल हो। राहुल गांधी से पूछा जाना चाहिए कि तिलहन और दलहन में कौन–कौन सी फसलें आती हैं।

भोपाल में कांग्रेस की किसान महाचौपाल

भारत-अमेरिका से ट्रेड डील अन्नदाताओं के खिलाफ

राहुल गांधी ने कहा-मुझे सदन में बोलने नहीं दिया गया

इधर, भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में कांग्रेस ने भोपाल के जवाहर चौक पर किसान महाचौपाल का आयोजन किया है। जहां कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा-देश के इतिहास में पहली बार लोकसभा में विपक्ष के नेता को बोलते नहीं दिया गया। मैंने अपने भाषण शुरू किया मुझे रोका गया फिर शुरू की रोका गया मैंने नरवाडे की बात उठाई उन्होंने किताब लिखी है। अमेरिका के साथ भारत ने जो ट्रेड डील की है, वो किसानों के खिलाफ है। वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि भारत में लोकतंत्र और संविधान दोनों खतरे में है। किसानों को मजदूर बनाने की कोशिश हो रही है। गुलामी में धकेला जा रहा है। देश भक्ति तो कांग्रेस में है, किसानों में है। पीएम तो नाम बदलने में माहिर है, अच्छा है अपना नाम नहीं बदल रहे हैं।

ब्रीफ न्यूज

एआई समिट में हंगामा- उदय भानु चार दिन की हिरासत में

नई दिल्ली। एआई इम्पैक्ट समिट हंगामा मामले में इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 4 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा है। उन्हें मंगलवार को गिरफ्तार किया गया था।

जालंधर में हथियारों के साथ दो आतंकवादी गिरफ्तार

नई दिल्ली। जालंधर काउंटर इंटेलिजेंस ने बीकेआई के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने रंगदारी से जुड़ी फायरिंग में शामिल दो आतंकियों सुखविंदर सिंह उर्फ सनी और रावल को गिरफ्तार किया है।

दिल्ली में एयरपोर्ट पर सोना चांदी, लग्जरी घड़ियां जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर कस्टम्स की एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने एक महिला से करोड़ों का सोना, हीरे के गहने, चांदी के बर्तन और विदेशी करेंसी जब्त की। 1.2 किलो सोने और हीरे के गहने, 10 किलो चांदी और रोलेक्स, बुल्गारी, चोपार्ड की महंगी लग्जरी घड़ियां मिलीं हैं।

भागलपुर में मजदूरों को ट्रक ने रौंदा, छह की मौत

पटना। बिहार के भागलपुर जिले में सड़क हादसा हो गया। इसमें 6 मजदूरों की मौत हो गई। हादसा एनएच-31 पर हुआ। यहां बगड़ी ओवर ब्रिज के बीज एक दर्जन के करीब मजदूर जुगाड़ गाड़ी से जा रहे थे। बस ने टक्कर मार दी। मजदूरों की गाड़ी पलट गई और वे सड़क पर गिर गए। पीछे से आ रहे ट्रक ने इन मजदूरों को रौंद दिया।

रेलवे की जमीन पर अतिक्रमणकारी शर्तें तय नहीं कर सकते

हल्द्वानी अतिक्रमण विवाद, सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उत्तराखंड विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह एक शिविर लगाए, ताकि रेलवे परियोजना के लिए आवश्यक सरकारी जमीन पर रह रहे और बेदखली का सामना कर रहे परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पुनर्वास के लिए आवेदन कर सकें। याचिकाकर्ताओं के आग्रह पर कोर्ट ने कहा कि यह शिविर 15 मार्च के बाद लगाया जाए, क्योंकि उन्होंने इसे रमजान के महीने के बाद आयोजित करने की मांग की थी। शीर्ष कोर्ट ने नैनीताल के जिला कलेक्टर और अन्य राजस्व अधिकारियों को आवश्यक सहायता देने का निर्देश दिया। यह पूरी प्रक्रिया 31 मार्च से पहले पूरी की जानी है। शीर्ष कोर्ट ने यह भी कहा कि जिला कलेक्टर हर परिवार की योजना के तहत पात्रता तय करें और अपनी रिपोर्ट कोर्ट में पेश करें।

आतंकवादी तहव्वुर राणा की नागरिकता रद्द करेगा कनाडा

नई दिल्ली। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के भारत दौरे से पहले कनाडा सरकार मुंबई हमले के मास्टरमाइंड आतंकी तहव्वुर राणा हुसैन की नागरिकता रद्द करने जा रही है। राणा पर 2008 के मुंबई आतंकी हमले में अहम भूमिका निभाने का आरोप है। 64 साल का राणा पाकिस्तान में जन्मा कनाडाई नागरिक है और 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के मुख्य साजिश करने वालों में से एक डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी का करीबी है। इमिग्रेशन अधिकारियों ने राणा को बताया है कि वे उसकी 2001 में मिली कैनेडियन नागरिकता छीनना चाहते हैं। वह 1997 में कनाडा आया था और बाद में उसे डेनमार्क के एक अखबार के स्टाफ पर हमला करने की साजिश रचने के लिए अमेरिका में दोषी ठहराया गया। 26/11 हमले के मास्टरमाइंड राणा को अप्रैल 2025 में अमेरिका से भारत लाया गया था। नई दिल्ली पहुंचते ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

अंडमान के समुद्र में हेलीकॉप्टर की क्रैश लैंडिंग

पवन हंस कंपनी के हेलीकॉप्टर में सवार सभी सात लोग सुरक्षित

- पोर्ट ब्लेयर से सुबह भरी थी उड़ान, विमान में तकनीकी खराबी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मंगलवार सुबह 9.30 बजे एक हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। घटना के समय उसमें 5 यात्री और 2 पायलट सवार थे। इनमें 3 महिला, 3 पुरुष और एक बच्चा मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि पवन हंस कंपनी के हेलीकॉप्टर ने सुबह 8.30 बजे पोर्ट ब्लेयर से अंडमान के मायाबंदर के लिए उड़ान भरी थी। हेलीकॉप्टर के मायाबंदर पहुंचने के पहले ही उसमें खराबी आ गई। इसके बाद रनवे से 300 मीटर पहले ही समुद्र में हेलीकॉप्टर की क्रैश लैंडिंग कराई गई। नागरिक उड्डयन निदेशक नितेश रावत ने बताया कि घटना में दोनों पायलट और 5 यात्री घायल हुए हैं। सभी को मायाबंदर के डॉ. राजेंद्र प्रसाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की जांच कराई जा रही है।

दिल्ली में फ्लाइट की आपात लैंडिंग

इधर, एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट के बोइंग 737 प्लेन की दिल्ली में आपात लैंडिंग हुई। फ्लाइट एसजी-121 ने मंगलवार सुबह 6.08 बजे दिल्ली के ही आईजीआई एयरपोर्ट से लेह के लिए उड़ान भरी थी। कुछ देर बाद प्लेन के इंजन-2 में खराबी आ गई और ब्रेक फेल हो गया। फ्लाइट की 6.49 बजे इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट में 150 यात्री-क्रू सवार थे। सभी यात्री सुरक्षित हैं।

झारखंड: एयर एंबुलेंस क्रैश, 7 लोगों की मौत

इससे पहले बीती देर रात रांची से दिल्ली जा रही रेडबर्ड एयरवेज कंपनी की एयर एंबुलेंस झारंखड के चतरा में कसियातु जंगल में क्रैश हुई थी। जहां प्लेन में सवार सभी 7 लोगों की मौत हो गई। एबुलेंस ने शाम 7.11 बजे रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। 7 :34 बजे कोलकाता एटीसी से संपर्क टूट गया था।

प्यू रिसर्च की रिपोर्ट: मुसलमान और ईसाइयों पर भारी हिंदू

- अमेरिका का सबसे पढ़ा-लिखा धार्मिक समूह हिंदू
- 10 में से 7 हिंदुओं के पास बैचलर या उच्च डिग्रीधारी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अमेरिका के वॉशिंगटन में स्थित मशहूर ग्लोबल थिंक टैंक प्यू रिसर्च सेंटर की ताजा स्टडी के मुताबिक, अमेरिका में रहने वाला हिंदू समुदाय वहां के सबसे शिक्षित धार्मिक समुदाय बनकर उभरा है। इस मामले में उन्होंने पारंपरिक रूप से सबसे शिक्षित माने जाने वाले यहूदी समुदाय को भी पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, उच्च शिक्षा में हिंदू समुदाय सबसे शीर्ष पर है। 10 में से 7 हिंदुओं (यानी 70 प्रतिशत) के पास बैचलर डिग्री या उससे उच्च स्तर की शिक्षा है। वहीं शिक्षा के मामले में दूसरे नंबर पर रहने वाले यहूदी समुदाय के 65 प्रतिशत लोगों के पास डिग्री है।

अन्य समुदाय में 4 के पास बैचलर डिग्री – रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि अन्य धार्मिक समूहों में मुस्लिम, बौद्ध और ऑर्थोडॉक्स क्रिश्चियन शामिल हैं। इन तीनों समुदायों में भी शिक्षा के प्रति काफी जागरुकता देखी गई है, जहां हर 10 में से 4 वयस्कों के पास कम से कम बैचलर डिग्री मौजूद है। इस दौड़ में मेनलाइन प्रोटेस्टेंट क्रिश्चियन भी पीछे नहीं रहे और उनकी शिक्षा का स्तर भी अमेरिकी राष्ट्रीय औसत (35 फीसदी) से ऊपर पाया गया है।

8वीं के बच्चे पढ़ेंगे न्यायपालिका में करप्शन का पाठ

- एनसीईआरटी ने सामाजिक विज्ञान में जोड़ा नया अध्याय
- पाठ्यक्रम में लंबित केस और पूर्व सीजेआई का जिक्र

एजेंसी ■ नई दिल्ली

एनसीईआरटी ने 8वीं क्लास की नई सोशल साइंस टेक्स्टबुक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर एक सेक्शन शुरू किया है। यह पहली बार है जब 8वीं के बच्चे ज्यूडीशियरी में करप्शन क्या होता है इसके बारे में पढ़ेंगे। इस चैप्टर में सुप्रीम कोर्ट के 81 हजार, हाईकोर्ट के 62 लाख 40 हजार, डिस्ट्रिक्ट और सबऑर्डिनेट कोर्ट के 4 करोड़ 70 लाख पेंडिंग केस की संख्या भी बताई गई है। यह पिछले बदलाव से बड़ा बदलाव है। बदले हुए चैप्टर का नाम 'हमारे समाज में ज्यूडिशियरी की भूमिका' है। इसमें कोर्ट की हायरार्की और न्याय तक पहुंच को समझाने से ज्यादा ज्यूडिशियल सिस्टम के सामने आने वाली चुनौतियों जैसे करप्शन और केस बैकलॉग को बताया गया है।

बीआर गवई का जिक्र

किताब में भारत के पूर्व चीफ जस्टिस बी आर गवई का भी जिक्र है, जिन्होंने जुलाई 2025 में कहा था कि ज्यूडिशियरी के अंदर करप्शन और गलत कामों के मामलों का पब्लिक ट्रस्ट पर बुरा असर पड़ता है।

बदलाव | मोदी कैबिनेट: रेल-मेट्रो और एयरपोर्ट प्रोजेक्ट्स के लिए 12,236 करोड़ रुपए मंजूर

सेवातीर्थ में पहला फैसला-केरल का नाम अब केरलम

- चुनावों से पहले भाषाई अस्मिता को सम्मान देने के लिए लिया गया ऐतिहासिक फैसला
- रेलवे, शहरी परिवहन और विमानन क्षेत्रों में होगा बड़ा निवेश
- जूट उद्योग को बढ़ावा और केरल का नाम बदलने का निर्णय

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी के नए ऑफिस सेवा तीर्थ में मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक हुई। इसमें कुल 12,236 करोड़ के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। कैबिनेट ने मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में तीन रेल प्रोजेक्ट समेत कुल 8 फैसले लिए हैं। बैठक में पावर सेक्टर में सुधारों पर पॉलिसी से जुड़े फैसले हुए और केरल सरकार के राज्य का नाम बदलकर केरलम करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। केरल में अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। यह कदम विधानसभा चुनावों से पहले उठाया गया है। अब राष्ट्रपति 'केरल (नाम में बदलाव) बिल, 2026' को संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत केरल विधानसभा की राय के लिए भेजेंगे। विधानसभा की राय मिलने के बाद, सरकार संसद में बिल पेश करेगी। संसद से पास होने पर राज्य का नाम आधिकारिक रूप से केरलम हो जाएगा। कैबिनेट ने तीन नए रेल प्रोजेक्ट के तहत गोंदिया-जबलपुर रेल लाइन के डबलिंग, गम्हरिया-चांडिल और पुनारख-किऊल के बीच तीसरी-चौथी रेल लाइन को मंजूरी दी है। साथ ही श्रीनगर में एक नया एयरपोर्ट टर्मिनल बनेगा और अहमदाबाद मेट्रो के फेज 2बी का एक्सटेंशन होगा।

सांस्कृतिक पहल को मिली मंजूरी

गौरतलब है कि 2024 में मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने इस प्रस्ताव को पेश करते हुए स्पष्ट किया था कि राज्य की अपनी भाषा मलयालम में इसे केरलम ही कहा जाता है। राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम के समय से ही मलयालम भाषी समुदायों के लिए एक एकीकृत केरलम बनाने की मांग उठती रही है। हालांकि, भारतीय संविधान की पहली अनुसूची में राज्य का नाम केरल दर्ज है, जिसे अब बदलने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

पॉवर सेक्टर में रिफॉर्म्स की मंजूरी

- गोंदिया–जबलपुर की रेल लाइन डबलिंग के लिए 5236 करोड़
- पुनारख–किऊल की तीसरी–चौथी रेल लाइन के लिए 2668 करोड़
- गम्हरिया–चांडिल की तीसरी–चौथी रेल लाइन के लिए 1168 करोड़
- श्रीनगर में नया इंटिग्रेटेड एयरपोर्ट टर्मिनल के लिए 1667 करोड़ रुपए
- अहमदाबाद मेट्रो के फेज 2बी के एक्सटेंशन के लिए 1067 करोड़ रुपए
- कच्चा जूट की एमएसपी के लिए 430 करोड़ रुपए।

आधी रात इमरान खान की आंख में लगा इंजेक्शन

- काली गाड़ी में अदियाला जेल प्रशासन लेकर पहुंचा अस्पताल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को आधी रात साढ़े 12 बजे अदियाला जेल से पाकिस्तान इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंस ले जाया गया। दाहिनी आंख में सेंट्रल रेटिनल वेन आक्लूजन बीमारी से जूझ रहे इमरान खान को एंटी-वीईजीएफ इंजेक्शन की दूसरी डोज लगाई गई। इमरान खान की दाहिनी आंख में इंजेक्शन की ये डोज रावलपिंडी स्थित अल शिफा आय हॉस्पिटल के डॉ. नदीम कुरैशी और डॉ. मुहम्मद आरिफ खान ने पीआईएमएस के आपरेशन थिएटर में लगाई। इमरान खान पिछले साल जुलाई से हाई ब्लड प्रेशर से जूझ रहे हैं और पाकिस्तान के सरकार पीआईएमएस ने जानकारी दी की इमरान खान का आंख में इंजेक्शन से पहले ईसीजी और ईको टेस्ट भी हुआ, जो पीआईएमएस के मुताबिक नार्मल मापा गया। पीआईएमएस ने ये जानकारी नहीं दी कि जब इमरान खान की आंख में इंजेक्शन लगना था तो क्यों उनके हृदय की जांच के लिए ईसीजी और ईको टेस्ट हुआ।

ब्रीफ न्यूज

सीएम आज करेंगे 'आजीविका विपणन क्षमतावर्धन कार्यशाला'' का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में स्व-सहायता समूहों की आजीविका मिशन क्षमतावर्धन कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे। कार्यशाला का उद्देश्य मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्व-सहायता समूहों के सदस्यों के मार्केटिंग के तहत श्रमतावर्धन के लिए प्रशिक्षण दिया जायेगा। आजीविका मिशन की सीईओ हर्षिका सिंह ने बताया है कि स्व-सहायता समूहों द्वारा उत्पादित-उत्पादों को जनसामान्य तक पहुंचाने के लिये ई-मार्केट पोर्टल एक उत्तम व्यवस्था है। इससे स्व-सहायता समूहों के उत्पादों का प्रचार-प्रसार एवं विक्रय किया जाना आसान होगा।

डायबिटीज एण्ड फुट केयर सेंटर का शुभारंभ

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने इंदौर में महर्षि विटीलिगो रिसर्च सेंटर और महर्षि डायबिटीज एण्ड फुट केयर सेंटर का फीता काटकर शुभारंभ किया। शुक्ल ने कहा कि उक्त सेंटर उच्च और आधुनिक तकनीक से लैस है, जहां सफेद दाग का संपूर्ण उपचार होने के साथ-साथ पैर के अल्सर घाव का बेहतर तरीके से उपचार होगा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने महर्षि विटीलिगो रिसर्च सेंटर और डायबिटीज एण्ड फुट केयर सेंटर का अवलोकन किया और चिकित्सकों से विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सेंटर के संचालक सफेद दाग विशेषज्ञ डॉ. संजय दुबे और मधुमेह विशेषज्ञ डॉ.अनुपमा दुबे को शुभकामना दी।

नगरीय निकायों में शेष कर वसूली के लिए आज से विशेष शिविर

भोपाल। नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय द्वारा सभी नगरीय निकायों में कर एवं अन्य राजस्व वसूली के लिये 25 फरवरी को विशेष शिविर का आयोजन किया जायेगा। विशेष शिविर में नागरिकों को ऑनलाइन माध्यम से भुगतान करने की सुविधा प्रदान की गई है। नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त संकेत भोंडवे ने निर्देश दिये कि सभी नगरीय निकाय राजस्व वसूली का लक्ष्य शीघ्र एवं निर्धारित समय में प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि बकाया कर एवं शुल्क की वसूली में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जायेगी तथा सभी निकाय चरण बद्ध रूप से निर्धारित प्रतिशत के अनुसार वसूली सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री ने उज्जैन में ग्रामीण डाक सेवक सम्मेलन में डाक नायकों का किया सम्मान

ग्रामीण डाक सेवक देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नींव

प्रसादी जन-जन तक पहुंचाने पोस्टल सेवा का हुआ शुभारंभ
दर्शनीय स्थलों के पिक्टोरियल पोस्टकार्ड का किया विमोचन

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नागरिकों के हित में भारतीय डाक व्यवस्था ने अपनी सार्थक भूमिका सिद्ध की है। ब्रिटिश काल से प्रारंभ व्यवस्थाओं को नया स्वरूप मिलता गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डाक व्यवस्था में निर्णायक परिवर्तन आये हैं और डाक विभाग की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाने की ठोस पहल हुई है। एक समय सिर्फ चिट्ठियां पहुंचाने वाला विभाग अब बाबा महाकाल के प्रसाद के वितरण के लिए नई पोस्टल सेवा लागू करने तक अपनी यात्रा तय कर चुका है। डाक घरों के माध्यम से नागरिकों को बीमा योजनाओं, बचत योजनाओं का लाभ मिल रहा है। खाते प्रारंभ करने से लेकर तीव्र गति से स्पीड पोस्ट और अन्य माध्यमों से ग्राहकों को लाभान्वित किया जा रहा है। ग्रामीण डाक सेवक भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मंगलवार को उज्जैन में शिप्रा नदी किनारे स्थित कार्तिक मेला ग्राउंड में आयोजित ग्रामीण डाक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डाक सेवकों का अभिनंदन करते हुए कहा कि अपने अथक परिश्रम से गांव-गांव तक डाक तथा अन्य जनउपयोगी सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने वाले ग्रामीण डाक सेवकों की देश के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में मध्यपद्रेश के उत्कृष्ट कार्य करने वाले ग्रामीण डाक नायकों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया के द्वारा भारतीय डाक विभाग से उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर तथा श्री ओंकारेश्वर ज्योर्तिलिंग मंदिर की प्रसादी आमजन तक पहुंचाने के लिए पोस्टल सेवा का शुभारंभ किया गया। इसके अतिरिक्त उज्जैन के प्रसिद्ध स्थानों के संकलन पर आधारित पिक्टोरियल पोस्ट कार्ड का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्रामीण डाक सेवक हमारे सैनिक तथा हमारी ताकत है। पीएम मोदी के नेतृत्व में डाक विभाग सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है। हमारे देश में प्राचीन काल से ही डाक पहुंचाने की परंपरा रही है। हमारे देश में डाक सेवकों का हृदय से सम्मान रहा है। बदलते दौर में देश के पोस्ट ऑफिस तीव्र गति से कार्य कर रहे हैं। डाक विभाग को तकनीकी रूप से दक्ष बनाया जा रहा है। सीएम ने कहा कि आमजन के हित में दिन रात अपनी भूमिका को सराहनीय रूप से निभाने के लिए हमारा डाक विभाग बधाई का पात्र है। सूचनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के अलावा अन्य कई महत्वपूर्ण जीवन उपयोगी कार्यों में भी डाक विभाग की महती भूमिका है। सिंधिया के नेतृत्व में डाक विभाग नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

भारतीय डाक सेवा को किया जा रहा है तकनीकी रूप से दक्षः सिंधिया

केंद्रीय संचार मंत्री सिंधिया ने कहा कि सभी ग्रामीण डाक सेवक मेरे परिवार के सदस्य हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में डाक विभाग देश के विकास में अपनी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहा है। डाक विभाग को तकनीकी रूप से सुदृढ बनाने के लिए कई कदम उठाए गए है। हमारा संकल्प है कि देश के डाक विभाग को विश्व की सबसे बड़ी लाजिस्टिक शक्ति के रूप में स्थापित करेंगे। सिंधिया ने कहा कि देश में ग्रामीण डाक सेवक एक सैनिक की भांती कार्य कर रहे हैं। रेगिस्तान हो या पहाड़ों की चोटियां या मैदानी क्षेत्र हर एक स्थान पर ग्रामीण डाक सेवक निर्भीक रूप से पहुंचकर आमजन की सेवा कर रहे है। दुर्गम स्थलों जहां कोई अन्य व्यक्ति जाने की हिम्मत नहीं करता है वहां भी हमारा डाक सेवक अपनी सेवाएं दे रहा है। सर्दी, गर्मी, बरसात की परवाह किए बगैर डाक सेवक अपने कर्तव्य का निर्वाह कर रहा है। ग्रामीण डाक सेवक का मान-सम्मान शासन का संकल्प है। डाक सेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि देश में 30 करोड़ पोस्ट ऑफिस बचत खातों को खुलवाने तथा उनमें लगभग 22 लाख करोड़ की रुपए की राशि जमा कराने में ग्रामीण डाक सेवक की महत्वपूर्ण भूमिका है। आज पूरे देश में 3 करोड़ 80 लाख सुकन्या समृद्धि खाते हैं, जो हमारे ग्रामीण डाक सेवकों ने खुलवाएं हैं। देश में 2 करोड़ पासपोर्ट बनवाने में तथा 15 करोड़ से अधिक आधार कार्ड वितरण में भी हमारे डाक सेवकों ने महत्वूर्ण भूमिका निभाई है। अब केंद्रीय विद्यालयों में ग्रामीण डाक सेवकों के बच्चों को भी प्रवेश मिलेगा। डाकघरों को मुनाफे का केंद्र बनाया जाएगा। पार्सल वितरण क्षेत्र में अब महत्वपूर्ण भूमिका डाक घरों द्वारा निभाई जाएगी। डाक विभाग में डिजिटल सिस्टम, ट्रैकिंग सिस्टम अपनाए जाएंगे। सामग्री वितरण शत-प्रतिशत रूप से सुनिश्चित किया जाएगा।

आठ रुपए में कैसे दूर होगा कुपोषण? विधानसभा में गूंजा राशि का मुद्दा

मध्यप्रदेश में आठ साल से नहीं बढ़ी दरें; 33 फीसदी बच्चों का वजन बेहद कम

सत्ता सुधार ■ भोपाल

कुपोषण से जंग जारी है। फिर भी प्रदेश में अब भी 33 प्रतिशत बच्चे कम वजन तथा 19 प्रतिशत बच्चे दुबलापन की कुपोषण की श्रेणी में हैं। आंगनबाड़ियों में दर्ज बच्चों के पूरक पोषण आहार के लिए पिछले आठ वर्षों से केंद्र सरकार ने राशि नहीं बढ़ाई है। आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से सामान्य पोषण स्तर श्रेणी के बच्चों को पूरक पोषण आहार के लिए अब भी आठ रुपये प्रति दिन प्रति हितग्राही तथा अति गंभीर कुपोषित बच्चों के लिए 12 रुपये प्रति दिन प्रति हितग्राही के मान से दिया जा रहा है। पूरक पोषण आहार की दर का निर्धारण भारत सरकार द्वारा किया जाता है। पिछली बार वर्ष 2017 में पूरक पोषण आहार की दर में वृद्धि की गई थी। ये जानकारी विधानसभा में चुरहट विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक अजय सिंह के सवाल के जवाब में सरकार ने दिया है। अजय सिंह ने पूछा था कि प्रदेश के आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने और उन्हें कुपोषण से बचाने के लिए सामान्य या कुपोषित होने पर पिछले दस वर्ष से कोई बढ़ोत्तरी नहीं की गई है? क्या सरकार इस राशि को बढ़ाकर कम से कम दो गुना करने पर विचार करेगी?

राशि बढ़ाने का प्रस्ताव नहीं: सवाल के

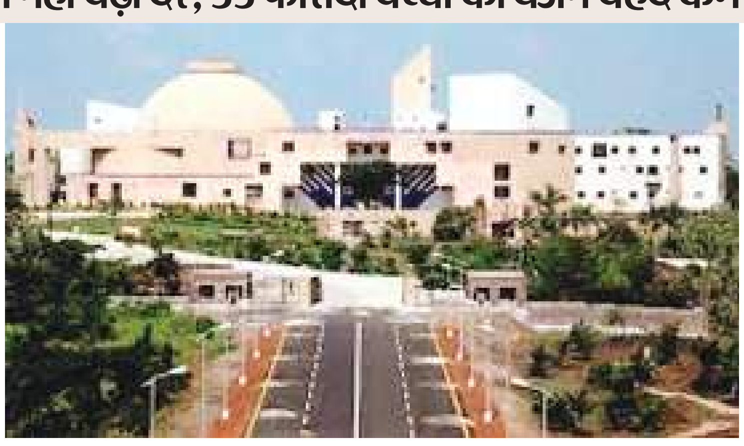

लिखित जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने बताया कि आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से सामान्य पोषण स्तर श्रेणी के बच्चों को प्रदाय किए जाने वाले पूरक पोषण आहार की दर का निर्धारण भारत सरकार द्वारा किया जाता है। राज्य सरकार स्तर पर पूरक पोषण आहार की राशि वृद्धि करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

ऐसा है कुपोषण का स्तर

इधर कुपोषण से स्तर से जुड़े कांग्रेस नेता हेमंत कटारे के सवाल के जवाब में महिला विकास मंत्री ने लिखित जवाब में बताया कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-5 अनुसार प्रदेश में 35.7 प्रतिशत बच्चे ठिगनापन, 33 प्रतिशत बच्चे कम वजन तथा 19 प्रतिशत बच्चे दुबलापन की कुपोषण की श्रेणी में हैं। हालांकि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-4 की तुलना में ठिगनापन में 1.6 प्रतिशत, कम वजन में 2.3 प्रतिशत तथा दुबलेपन में 2.6 प्रतिशत सुधार परिलक्षित हुआ है।

पाठ्यक्रमों को लेकर सदन में उठा मामला :मध्य प्रदेश विधानसभा के प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक झूमा सोलंकी ने खरगोन जिले स्थित क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय से संबद्ध संचालित महाविद्यालयों और पाठ्यक्रमों की विस्तृत जानकारी मांगी। उन्होंने विश्वविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं, पीजी कोर्स और नए पाठ्यक्रमों की स्थिति पर सरकार से स्पष्टीकरण चाहा। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने इसके जवाब में बताया कि विश्वविद्यालय में स्नातक स्तर पर कृषि, कला, वाणिज्य, कंप्यूटर तथा विज्ञान (कंप्यूटर) के पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। वहीं स्नातकोत्तर स्तर पर अर्थशास्त्र विषय का पाठ्यक्रम चल रहा है।

भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हमले को लेकर तीखी बहस

मध्यप्रदेश विधानसभा में भाजपा तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा एक-दूसरे पर किए गए हमले को लेकर तीखी बहस हुई। संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने ध्यानाकर्षण पर बोलते हुए कहा कि इंदौर और भोपाल दोनों जगह भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एक महिला कार्यकर्ता भी घायल हुई है, इसलिए इस गंभीर मामले पर चर्चा जरूरी है। सदस्य इस मुद्दे पर अपनी बात रखना चाहते हैं। वहीं कांग्रेस विधायक सचिन यादव ने पलटवार करते हुए कहा कि उनके पार्टी कार्यालय पर हमला किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने माहौल बिगाड़ने का काम किया है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना का करें बेहतर क्रियान्वयन

मंत्री शुक्ला ने 'सोलर रथ सह मोबाइल बूथ वैन' को दिखाई हरी झण्डी

सत्ता सुधार ■ भोपाल

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने प्रधानमंत्री सूर्य घर - मुफ्त बिजली योजना के बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश विभाग के अधिकारियों और वेंडर्स की बैठक में दिए। इससे पहले उन्होंने ऊर्जा भवन परिसर से 'सोलर रथ सह मोबाइल बूथ वैन' को भोपाल शहर में प्रचार-प्रसार के लिये हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर शाजापुर विधायक अरूण भीमावद सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने ऊर्जा भवन में पीएम सूर्य घर योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने योजना के क्रियान्वयन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए वेंडर्स से संवाद कर क्रियान्वयन में आ रही परेशानियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि योजना के क्रियान्वयन में वेंडर्स को आने वाली समस्याओं का निराकरण विभागीय स्तर पर किया जाएगा। इससे कार्य को गति मिलेगी, अधिकतम घरों को सौर ऊर्जा से रोशन किया जा सकेगा और उपभोक्ताओं को बिजली के अधिक बिल की समस्या से राहत मिल सकेगी।

सोलर सिस्टम लगाने करेंगे प्रोत्साहित

एमडी ऊर्जा विकास निगम बैंस ने बताया कि सोलर रथ सह मोबाइल बूथ वेन अगले 7 दिनों तक भोपाल शहर में भ्रमण कर नागरिकों को अपने घरों पर बिजली के बिल में राहत के लिये सोलर सिस्टम लगवाने को प्रोत्साहित करेगी। रथ प्रतिदिन भोपाल के दो इलाके या कॉलोनियों में बूथ स्थापित कर पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से लाभान्तिव होने की जानकारी प्रदान करेगा।

मप्र चुनाव आयोग की डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को मिली सराहना

दिल्ली में राज्यों के गोलमेज सम्मेलन में मध्यप्रदेश की प्रभावी भागीदारी

सत्ता सुधार ■ भोपाल

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आयोजित राज्यों के गोलमेज सम्मेलन में सहभागिता के लिए मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग की टीम नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम् पहुंची। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव के नेतृत्व में दल में विधि सलाहकार डॉ. प्रदीप शुक्ला तथा तकनीकी सलाहकार राकेश शुक्ला शामिल थे। सम्मेलन में मध्यप्रदेश द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया में किए गए नवाचारों, डिजिटल पहलों तथा पारदर्शिता और सशक्तिकरण की दिशा में उठाए गए प्रभावी कदमों को विस्तार से प्रस्तुत किया गया। टीम ने बताया कि किस प्रकार तकनीकी एकीकरण और सुव्यवस्थित प्रबंधन के माध्यम से निर्वाचन

प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, दक्ष और जवाबदेह बनाया जा रहा है। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ने डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग, प्रक्रियाओं के सरलीकरण तथा व्यवस्थागत सुधारों के माध्यम से निर्वाचन प्रणाली को सुदृढ़ करने के अपने प्रयासों को साझा किया। यह सहभागिता राज्य निर्वाचन आयोग की नवाचार, सुशासन और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाती है। राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश की सक्रिय भूमिका को रेखांकित करती है।

उमा भारती के परिवार को बम से उड़ाने की धमकी

बहू ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

सत्ता सुधार ■ भोपाल

टीकमगढ़ जिले में पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के परिवार को बम से उड़ाने की धमकी मिलने का गंभीर मामला सामने आया है। उनकी बहू और जिला पंचायत अध्यक्ष उमिता राहुल लोधी ने देहात थाना टीकमगढ़ में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उमिता राहुल लोधी ने 21 फरवरी को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की थी। इसके अगले दिन 22 फरवरी की रात करीब 10:30 बजे 'जीडब्ल्यू बृजेंद्र कुशवाहा' नाम की एक आईडी से उस पोस्ट पर आपत्तिजनक और धमकी भरा कमेंट किया गया। कमेंट में उन्हें, उनके पति एवं पूर्व मंत्री राहुल

लोधी को जान से मारने तथा बम से उड़ाने की धमकी दी गई। उन्होंने तुरंत उस कमेंट का स्क्रीनशॉट सुरक्षित कर लिया। शिकायत में यह भी बताया गया है कि धमकी भरे कमेंट के कुछ घंटों बाद दो अज्ञात युवक उनके देहात थाना क्षेत्र स्थित बंगले के बाहर पहुंचे। बताया गया कि उसी रात करीब 11 बजे दोनों युवक चेहरा ढककर वहां आए और बंगले के सामने खड़े होकर गाली-गलौज करने लगे। उमिता लोधी ने उन्हें अपने घर के छज्जे से देखा। आरोप है कि युवकों ने उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दोहराई। घटना के दौरान शोर-शराबा सुनकर अमर सिंह नामक व्यक्ति मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक दोनों युवक फरार हो चुके थे। चेहरा ढका होने के कारण उनकी पहचान नहीं हो सकी। इसके बाद उमिता लोधी ने तुरंत अपने पति राहुल लोधी को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

भोपाल में 'किसान महाचौपाल' में गरजे राहुल गांधी, बोले-

ट्रेड डील से किसानों, टेक्सटाइल उद्योग और अर्थव्यवस्था को होगा नुकसान

युद्ध का निर्णय सेना नहीं लेती, वह फैसला राजनीतिक होता है

सत्ता सुधार ■ भोपाल

भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील के विरोध में आज मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के जवाहर चौक पर कांग्रेस ने 'किसान महाचौपाल' बुलाई है। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सरकार पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी ने एक अंतरराष्ट्रीय समझौते के जरिए देश के किसानों के हितों से समझौता किया। उन्होंने कहा कि यह डील चार महीने तक रुकी हुई थी और कृषि से जुड़े मुद्दों पर बातचीत ठप पड़ी थी। राहुल गांधी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री ने इस

दौरान संबंधित मंत्रियों से कोई चर्चा नहीं की और अचानक फैसला ले लिया। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार नहीं चाहती थी कि अमेरिका की बड़ी कंपनियां सोया, कपास और मक्का जैसे कृषि उत्पाद भारत में बेचें, क्योंकि इससे भारतीय किसानों को नुकसान हो सकता था। उनके अनुसार, चार महीने तक बातचीत रुकी रही, लेकिन उनके भाषण के बाद प्रधानमंत्री ने बिना कैबिनेट से चर्चा किए अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन कर समझौते के लिए सहमति दे दी। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी ने देश के किसानों को कमजोर किया और उनका डेटा तक बाहर दे दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों से टेक्सटाइल इंडस्ट्री भी प्रभावित हुई है।

राहुल गांधी ने पूर्व सेना प्रमुख मनोज मुकुंद नरवणे की संस्मरण पुस्तक को लेकर टिप्पणी करते हुए कहा कि युद्ध में जाने का निर्णय सैन्य नहीं, बल्कि राजनीतिक होता है।

दबाव में लिया गया फैसला: राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि यह निर्णय दबाव में लिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने समझौते में सब कुछ दे दिया, लेकिन बदले में देश को क्या मिला, यह स्पष्ट नहीं है। उनके मुताबिक, पहले की तुलना में अब भारत को ज्यादा टैक्स देना पड़ेगा और आयात की कोई ठोस गारंटी भी नहीं मिली है।

सरकार किसानों की आय घटाने का कर रही कामः सिंघार

मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि राहुल गांधी ने हमेशा किसानों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष किया है। किसानों की आवाज को संसद से सड़क तक उठाया गया, जिसके परिणामस्वरूप केंद्र सरकार को कृषि कानून वापस लेने पड़े। यह किसानों की एकजुटता और कांग्रेस के संकल्प की जीत थी। सिंघार ने सभा में यह प्रश्न भी उठाया कि क्या सरकार विदेशी किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए भारतीय किसानों की आय घटाने की दिशा में काम कर रही है? उन्होंने आशंका जताई कि संभावित इंडिया-यूएस ट्रेड डील का सीधा प्रभाव मध्यप्रदेश की प्रमुख फसलों-सोयाबीन, मक्का, गेहूँ, सरसों और दालों-पर पड़ेगा।

---

27 फरवरी से शुरू होगी शराब दुकानों की नीलामी

इस बार 2 हजार करोड़ से अधिक की कमाई का लक्ष्य

सत्ता सुधार ■ भोपाल

शासन द्वारा घोषित नई आबकारी नीति के तहत मप्र सहित प्रदेशभर में शराब दुकानों की नीलामी की प्रक्रिया 27 फरवरी से शुरू की जा रही है। आबकारी आयुक्त द्वारा ई-टेंडर की प्रक्रिया 3 चरणों में करने के निर्देश दिए गए हैं। इस बार 20 फीसदी ठेके की राशि शासन ने नई नीति में बढ़ा दी है और साथ ही वर्तमान ठेकेदार को आगामी वर्ष के लिए ठेका फिर चलाने की सुविधा नहीं दी गई है। यानी नए के साथ पुरानों को भी टेंडर प्रक्रिया का सामना करना पड़ेगा। पिछले कई सालों से शासन वर्तमान ठेकेदार को ही यह सुविधा देता रहा कि वह 20 फीसदी अधिक राशि चुकाकर आगामी वर्ष के लिए भी दुकानों का संचालन जारी रख सकता है। मगर इस बार यह सुविधा बंद कर दी। यानी शत-प्रतिशत दुकानों के नए सिरे से ही टेंडर किए जाएंगे। इस बार बड़े ठेकेदारों के वर्चस्व को कम करने के लिए और छोटे ठेकेदारों को मौका देने के लिए अधिक से अधिक समूह बनाने और उसी के तहत ई-टेंडर बुलाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

गोहद में पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत एमएसएमई-डीएफओ ग्वालियर द्वारा गोहद जनपद पंचायत परिसर में पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला प्रशासन तथा जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र (डीटीआईसी) भिण्ड एवं ज़िला अग्रणी बैंक के संयुक्त सहयोग से सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का आयोजन एमएसएमई के उप निदेशक राजीव कुमार के समग्र मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। उनके निर्देशन में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई तथा विभिन्न विभागों के मध्य प्रभावी समन्वय सुनिश्चित किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में रामपाल बघेल, सीईओ जनपद पंचायत गोहद, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र गोहद प्रबंधक अवनीश शर्मा, सेंट्रल बैंक अधिकारी मुनेश्वर शाक्य, बैंक प्रबंधक उत्कर्ष तोमर, जन सेवा केन्द्र अधिकारी नागेन्द्र सिंह किरार का विशेष सहयोग रहा। साथ ही जगदीश यादव एवं निकुंज शर्मा का कार्यक्रम के समन्वय एवं संचालन में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम का उद्देश्य जिले के पारंपरिक कारीगरों एवं शिल्पकारों को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के प्रावधानों, पात्रता मानदंडों एवं क्रियान्वयन प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान करना था। योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को कौशल उन्नयन प्रशिक्षण, टूलकिट प्रोत्साहन, रियायती ब्याज दर पर बिना गारंटी ऋण सुविधा, डिजिटल लेनदेन प्रोत्साहन तथा विपणन सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इस अवसर पर योजना के अंतर्गत पंजीयन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, ऋण स्वीकृति प्रक्रिया तथा कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) की भूमिका के साथ ऑनलाइन विपणन, मीशो पंजीकरण संबंधी विस्तृत प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। कार्यक्रम में 180 से अधिक कारीगरों एवं संभावित लाभार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उपस्थित कारीगरों ने योजना के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की तथा इसे अपने व्यवसाय के सुदृढ़ीकरण हेतु उपयोगी बताया।

ब्रीफ न्यूज

बरेठा टोल प्लाजा पर दो अज्ञात युवक फायरिंग कर हुए फरार

मालनपुर। बरेठा टोल प्लाजा पर सोमवार शाम करीब 6 बजे में टोल परिसर में बाइक सवार दो अज्ञात युवक फायरिंग कर फरार हो गए। इस तरह से अचानक हुई घटना से टोल कर्मचारियों एवं आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। टोल प्रबंधन ने बताया कि दोनों युवक भिण्ड की ओर से बाइक से आए और दोनों ने हेलमेट पहन रखा था। जिसमें बाइक पर पीछे बैठे युवक बाइक से उतर टोल बूथ के पास कट्टा लहराते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी और तुरंत ही तेजी के साथ दोनों बाइक पर सवार हो मौके से भाग निकले। जिसकी शिकायत टोल प्रबंधन द्वारा महाराजपुर थाने में की गई। इसकी सूचना मिलते ही तुरंत पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और जांच कर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

श्रम स्टार रेटिंग प्रणाली की गई प्रारंभ

भिण्ड। श्रम विभाग म.प्र. शासन द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल, श्रम स्टार रेटिंग प्रणाली प्रारंभ की गयी है, इस प्रणाली के तहत कारखाने, दुकान एवं स्थापना पर स्टार रेटिंग हेतु अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। इस आवेदन से संस्थान कुल 10 मापदण्डों के प्रावधानों के अनुपालन की स्थिति अनुसार स्व-आंकलन कर सकेंगे। उक्त कारखाना/संस्थान को ऑनलाईन श्रम स्टार रेटिंग सर्टिफिकेट पोर्टल से प्राप्त हो सकेगा। यह पारदर्शी रेटिंग उन प्रतिष्ठानों द्वारा अपने श्रमिकों के अधिकारों एवं कल्याण को दिए जाने वाले महत्व को दर्शाती है। जिले के समस्त कारखानों, संस्थानों व स्थापनाओं को सूचित किया जाता है कि स्टार रेटिंग हेतु पोर्टल पर आवेदन कर श्रम स्टार रेटिंग सर्टिफिकेट प्राप्त करें।

एमजेएस कॉलेज में युवा संगम रोजगार मेला आज

भिण्ड। मप्र शासन के निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई तथा जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र भिण्ड द्वारा युवा संगम (रोजगार, अप्रेंटिस तथा स्वरोजगार) मेले का आयोजन 25 फरवरी को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक शा. एमजेएस महाविद्यालय भिण्ड में किया जाएगा। मेले में डिफरेंस मेनजमेंट डवलमेंट प्रालि एवं एलआईसी भिण्ड, क्विक आईटी साल्यूशन इन कंसल्टेसी ग्वालियर, गोतम सोलर भिवानी हरियाणा, एक्सिक वैक गुड़गांव, जमुना आटो पार्ट्स मालनपुर, चेकमेट सिक्यूरिटी ग्वालियर, भारत पे मर्चेन्ट चंबल संभाग भिण्ड एवं कोसमोस प्रालि गुजरात, एसआरएफ मालनपुर, आमधनी प्रालि ग्वालियर, ग्रेट आग्रेनिक डायमंड प्रालि सागर, मप्रमक्षेविविकंलि भिण्ड द्वारा निःशुल्क शिक्षित आवेदकों की भर्ती की जाएगी। आवेदक साक्षात्कार के समय 10वीं, 12वीं एवं स्नातक की मूल अंकसूची एवं अपने समस्त मूल-प्रमाण पत्र सहित एवं पासपोर्ट साइज के तीन फोटोग्राफ लेकर आएं। प्लेसमेंट ड्राइव उपस्थित होने वाले युवकों को कार्यालय द्वारा कोई यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

कलेक्टर ने हाईस्कूल की परीक्षाओं का किया निरीक्षण

गणित विषय की परीक्षा में 18784 उपस्थित, 559 छात्र रहे अनुपस्थित

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश की हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा अंतर्गत कलेक्टर भिण्ड ने गणित विषय के प्रश्न पत्र की चल रही परीक्षा में शासकीय डाइट संस्थान भिण्ड, सांदीपनि शासकीय उ.मा.विद्यालय क्रमांक-2 परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण किया।

उन्होंने परीक्षा केन्द्र का भ्रमण कर नकल रहित परीक्षा को संपन्न कराने हेतु व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान सभी केन्द्रों पर परीक्षा की व्यवस्थायें चाक-चौबंद मिलीं। परीक्षार्थियों द्वारा शांतिपूर्वक परीक्षा दी गई। उन्होंने परीक्षा केन्द्राध्यक्षों को निर्देशित किया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि परीक्षा संबंधी सभी व्यवस्था ठीक होना चाहिए, उन्होंने परीक्षा केन्द्राध्यक्षों से परीक्षा से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने परीक्षा केन्द्रों में ड्यूटी के लिए नियुक्त शासकीय सेवकों की उपस्थिति एवं अनुपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या के संबंध में भी जानकारी ली। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश की हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा अंतर्गत गणित विषय की परीक्षा में कुल 19343 छात्र-छात्राओं में से 18784 उपस्थित रहे एवं 559 अनुपस्थित रहे। हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा अंतर्गत गणित विषय की परीक्षा में कोई नकल प्रकरण दर्ज नहीं हुआ।

पिंक ड्राइविंग लाइसेंस कैम्प का हुआ आयोजन

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत लगाया कैम्प

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

कलेक्टर भिण्ड के मार्गदर्शन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी अंजू तोमर के निर्देशन में महिला बाल विकास विभाग के तहत शासन निर्देशानुसार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत पिंक ड्राइविंग लाइसेंस कैंप का आयोजन शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज भिण्ड में किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग से बाल संरक्षण अधिकारी अजय सक्सेना पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य बी.पुरोहित, जिला परिवहन अधिकारी राजेन्द्र सोनी के निर्देशन में परिवहन कार्यालय से सोनम, दीपक सिंह भदौरिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बाल संरक्षण अधिकारी अजय सक्सेना बताया कि महिला बाल विकास विभाग महिलाओं और बालिकाओं की सशक्तिकरण की हमेशा प्रयासरत है और पिंक ड्राइविंग लाइसेंस महिला सशक्तिकरण की दिशा में ही एक कदम है। बालिकाओं और महिलाओं को निशुल्क ड्राइविंग लाइसेंस पढ़ाई कर उनको सशक्त करना की प्रमुख पिंक ड्राइविंग लाइसेंस कैंप है। शासन की मंशा है कि बालिकाएं हर क्षेत्र में आगे हों।

परिवहन कार्यालय की ओर से मौजूद सोनम और दीपक सिंह द्वारा उपस्थित सभी बालिकाओं को लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस रजिस्ट्रेशन की पूरी प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया और उपस्थित बालिकाओं के मोबाइल द्वारा उनके लर्निंग लाइसेंस का रजिस्ट्रेशन कराया जाए और टेस्ट देने के तरीके भी बताए गए। जिला परिवहन कार्यालय द्वारा स्पष्ट किया गया इस आसन द्वारा बालिकाओं और महिलाओं के लिए ड्राइविंग लाइसेंस निशुल्क है, शासन की मंशा है कि बालिका एवं महिलाएं सशक्त और सक्षम हो।आरटीओ विभाग की ओर से भी बालिका और महिलाओं के लिए आगामी आयोजित होने वाले पिंक ड्राइविंग लाइसेंस की ओर से पूरे सहयोग की बात की गई।

संत कालीदास महाराज ने रजक समाज की धर्म सभा में दिलवाई धर्म युद्ध में शामिल होने की शपथ

भिण्ड। ग्वालियर-भिण्ड हाईवे पर भाजपा सरकार की वादा खिलाफी के विरोध में संत कालीदास महाराज का तूफानी दौरा शुरू हो गया है। अबकी बार संत समाज आर पार की लड़ाई के मूड में नजर आ रहा है।

हाईवे हादसे में मृतक परिवारों से मिले, 27 को मेहगांव चलने आह्वान

अखिल भारतीय संत समिति की तरफ से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि संत कालीदास महाराज ने सोमवार को भूतपूर्व सैनिक जगदीश सिंह भदौरिया के परिवार जनों से मुलाकात कर सांत्वना दी। उन्होंने रजक समाज की ओर संत गाडके महाराज की जयंती के मौके पर आयोजित धर्म सभा में मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि यह भिण्ड जिले में सनातन संस्कृति को बचाने की लड़ाई है, एक तरफ भ्रमित करने वाले कालीनेमी हैं, जिन्हें नौजवानों और गौवंश की मौतों पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा है।

संत कालीदास महाराज ने सभी जन समुदाय से 27 फरवरी महापंचायत में डाक बंगला हनुमान मन्दिर मेहगांव पहुंचने की अपील की। महाराज फूफ में जन समुदाय से मिले। इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष रामशेष बघेल के दिवंगत पिताजी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। उनके साथ संत कमलदास महाराज टीकरी, संत रामेश्वर दास महाराज, समाजसेवी वीरेन्द्र वर्मा, बसपा नेता रक्षपाल सिंह, समाजसेवी राजेश यादव गड़ूपुरा आदि शामिल रहे।

भाजपा संभागीय संगठन प्रभारी डॉ. यादव आज भिण्ड आएंगे

भिण्ड। पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान, सभी संगठनत्मक जिलों में अभियान की तैयारी को लेकर भारतीय जनता पार्टी चंबल संभाग के संगठन प्रभारी डॉ. अभय प्रताप सिंह यादव 25 से 28 फरवरी तक संभाग के प्रवास पर रहेंगे। संभागीय प्रभारी डॉ. यादव अपने निर्धारित प्रवास कार्यक्रम के अनुसार 25 फरवरी को जिला कोर कमेटी बैठक भिण्ड, 27 फरवरी को पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की जिला स्तरीय कार्यशाला में शामिल होंगे। 28 फरवरी को पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के निमित्त मुरैना एवं दतिया की जिला कार्यशाला में शामिल होंगे।

जनगणना कार्य (प्रथम चरण) का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

जनगणना 2027 का प्रथम चरण के अन्तर्गत दिनांक 23, 24 फरवरी 2026 को कार्यालय कलेक्टर सभागार भिण्ड में जिला स्तरीय और ग्रामीण क्षेत्र के चार्ज अधिकारियों व उनके जनगणना लिपिक का जनगणना कार्य (प्रथम चरण) का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिसमें जनगणना कार्य निदेशालय मध्यप्रदेश भोपाल के डॉ. कुमार रघुवंश मणि सिंह, (संभाग जगणना प्रभारी), श्री भानुप्रताप सिंह (जिला जनगणना प्रभारी) द्वारा मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। उक्त प्रशिक्षण में कलेक्टर भिण्ड (प्रमुख जनगणना अधिकारी), अपर कलेक्टर (जिला जनगणना अधिकारी), डिप्टी कलेक्टर (अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी) व समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जिला भिण्ड एवं समस्त चार्ज अधिकारी तहसीलदार जिला भिण्ड, समस्त अतिरिक्त चार्ज अधिकारी नायब तहसीलदार जिला भिण्ड एवं संबंधित चार्जों के जनगणना लिपिक उपस्थित रहे।

गरीबों की सेवा में तत्पर रहती थीं शांतिदेवी : पहलवान सिंह

समाजसेविका शांतिदेवी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

अटेर जनपद के ग्राम हमीरापुरा में स्थित सर्वोदय आश्रम में समाजसेविका स्व. शांतिदेवी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

सर्व प्रथम दीप प्रज्जवलित कर सर्वधर्म प्रार्थना की गई तत्पश्चात उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर सर्वोदय संत लल्लूदद्दा जनसेवा समिति के सचिव पहलवान सिंह भदौरिया ने स्व. शांतिदेवी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे गरीबों की सेवा में तत्पर रहती थीं। हर तबके के गरीब व्यक्ति की हर परेशानी में उसके साथ होती थीं। वे सशक्त महिला थीं और समाजसेवा में कभी भी पीछे नहीं हटती थीं, जैसे भी बने जरूरतमंद का हर संभव सहयोग किया करती थीं। श्रद्धांजलि सभा में रामलखन सिंह कुशवाह, मोहर सिंह, रिपुदमन सिंह, धर्मेन्द्र शर्मा, त्रिभुवन सिंह सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

आईटीआई में हुआ प्रेरणादायक मोटिवेशनल क्लास का आयोजन

भिण्ड। शासकीय आईटीआई भिण्ड में एक प्रेरणादायक मोटिवेशनल क्लास का आयोजन किया गया। इस क्लास में छात्रों को कौशल विकास, मेहनत और सफलता के सूत्र सिखाए गए। विशेषज्ञ वक्ताओं और प्राचार्य ने बताया कि सही प्रशिक्षण से सुनहरा भविष्य बनाया जा सकता है। इस संस्थान में 16 ट्रेड्स में आधुनिक तकनीकी शिक्षा दी जाती है। छात्रों को प्रेरित किया गया कि संघर्ष से ही महानता मिलती है। उन्होंने कहा कि कौशल ही भविष्य है, मेहनत करो तो सपने साकार होंगे। क्लास ने छात्रों में उत्साह भरा और नौकरी के लिए तैयार होने का संकल्प दिलाया। यह कार्यक्रम छात्रों के मनोबल को बढ़ाने में सफल रहा।

जनसुनवाई में 86 आवेदकों के प्रकरणों की हुई सुनवाई

जिला मुख्यालय पर कलेक्टर ने की जनसुनवाई

भिण्ड। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित हुई जनसुनवाई में कलेक्टर भिण्ड ने जिले के विभिन्न अंचलों से अपनी समस्याओं का आवेदन लेकर आये 86 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनके निराकरण करने के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर अपर कलेक्टर द्वारा भी आवेदकों की समस्याओं पर जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने गंभीर बीमारी से संबंधित इलाज, विद्युत बिलों में सुधार, हैण्डपंपों का संधारण, पेंशन, सड़क दुघर्टना सहायता, हितग्राही मूलक योजनाओं, बीपीएल राशन कार्ड एवं जमीन पर कब्जा से संबंधित आवेदनों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके संबंध में आवेदक को भी कार्यवाही से अवगत कराने के निर्देश भी दिए।

रिफाइंड ऑयल से बनाए जा रहा मिलावटी मावा

भिण्ड। होली के त्यौहार के दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर भिण्ड एवं अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रेखा सोनी एवं रीना बंसल ने विकासखण्ड मेहगांव के गोरमी क्षेत्र के ग्रामीण अंचल में दूध डेयरियों एवं मावा निर्माण इकाईयों पर छापामार कार्यवाही की। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने रमेश सिंह की डेयरी से मिश्रित दूध का नमूना, कृपाराम ओझा की डेयरी से मावा व घी के नमूने, मनोज सिंह गुर्जर की डेयरी से मावा, घी एवं रिफाइंड पामोलिन ऑयल के नमूने एकत्रित कर जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे।

नवांकुर समितियों की एक दिवसीय जिला स्तरीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

परिषद के कार्यों को लागू करना नवांकुर का पहला कार्य : सिसोदिया

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद अंतर्गत जिले भर की नवांकुर समितियों की एक दिवसीय समीक्षा बैठक का आयोजन जिला मुख्यालय पर किया गया। बैठक में जिले के सभी विकासखंडों से नवांकुर संस्थाओं एवं समन्वयकों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम का उद्देश्य नवांकुर समितियों द्वारा किए जा रहे सामाजिक, शैक्षणिक एवं जनजागरूकता संबंधी कार्यों की विस्तृत समीक्षा करना तथा आगामी कार्ययोजना को सुदृढ़ बनाना था।

बैठक के मुख्य अतिथि जन अभियान परिषद के चम्बल संभाग समन्वयक धर्मेन्द्र सिसोदिया ने कहा कि नवांकुर समितियां समाज में जागरूकता और सकारात्मक परिवर्तन लाने का सशक्त माध्यम बन रही हैं।

उन्होंने सभी समितियों से अपेक्षा की कि वे ग्राम स्तर पर जनभागीदारी बढ़ाते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करें। कार्यक्रम का संचालन कर रहे जिला समन्वयक शिवप्रताप सिंह भदौरिया ने जिले में संचालित नवांकुर गतिविधियों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि समितियां नियमित रूप से मासिक बैठक आयोजित कर स्थानीय समस्याओं पर चर्चा एवं समाधान का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने बताया कि नवांकुर समितियों द्वारा संचालित नर्सरी कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, वहीं संस्कार केन्द्रों के माध्यम से बच्चों एवं युवाओं में नैतिक शिक्षा और सामाजिक मूल्यों का विकास किया जा रहा है। संस्कार केंद्र से आदर्श ग्राम बनेगा।

बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रत्येक विकासखंड में इन गतिविधियों को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा तथा युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई जाएगी। बैठक में विकासखंड समन्वयक अटेर से सोहन सिंह भदौरिया, लहार से सुनील चतुर्वेदी, मेहगांव से जयप्रकाश शर्मा तथा गोहद से बृजेन्द्र शर्मा शामिल रहे। सभी ने अपने-अपने विकासखंडों में संचालित नवांकुर गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया और बेहतर समन्वय के लिए सुझाव दिए। आभार प्रदर्शन विकासखंड समन्वयक बृजेन्द्र शर्मा द्वारा किया गया।

श्याम श्रीवास्तव भगवान चित्रगुप्त प्रगट उत्सव 2026 के बने संयोजक

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

शहर के जाने माने अनुभवी संपादक एवं वरिष्ठ समाज सेवी श्याम श्रीवास्तव को भगवान चित्रगुप्त प्रगटउत्सव (चित्रगुप्त जयंती) 2026 (कायस्थ छात्रावास दौलतगंज ग्वालियर) का संयोजक बनाया गया है। भगवान चित्रगुप्त की जयंती पर प्रतिवर्ष पांच दिवसीय कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जिसमें कायस्थ समाज के साथ साथ अन्य वर्ग समुदाय के लोग भी हिस्सा लेते है और भगवान चित्रगुप्त की पूजा पाठ करते है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी यह आयोजन आगामी माह अप्रैल 2026 में किया जाना है। कार्यक्रम वृहद स्तर पर होता है इसलिए छात्रावास समिति द्वारा प्रतिवर्ष एक व्यक्ति को कार्यक्रम संयोजक बनाया जाता है। समिति के सचिव अरुण कुलश्रेष्ठ ने इस बार यह दायित्व मिलनसार अनुभवी समाज के कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने वाले श्याम को सौंपा है। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक श्याम श्रीवास्तव ने भी सभी वरिष्ठजन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भगवान श्री चित्रगुप्त की जयंती के अवसर पर होने वाले कार्यक्रमों को बेहतर से बेहतर बनाने के प्रयास करने का आश्वासन दिया और सभी साथी जनों से साथ मिलकर कार्य करने का प्रण भी लिया।

श्याम श्रीवास्तव को कार्यक्रम संयोजक बनाये जाने पर अरुण कुलश्रेष्ठ, आकाश श्रीवास्तव, अमित श्रीवास्तव, डॉ राजीव श्रीवास्तव, गौरव कुलश्रेष्ठ, हर्ष श्रीवास्तव, शशिकांत भटनागर, अमित सक्सैना, अविनाश भटनागर, भूपेंद्र श्रीवास्तव, एड सुरेंद्र खरे, संजीव कुलश्रेष्ठ, रवि श्रीवास्तव, संजय सक्सेना, पवन सक्सेना, तृप्ति भटनागर, नम्रता सक्सैना, वर्षा श्रीवास्तव, देव शरण श्रीवास्तव, सुरेंद्र श्रीवास्तव, अच्छेंद्र सिंह, कंचन राव, गीता सूर्यवंशी,संतोष गर्ग, शिल्पा डोगरा सहित सर्व समाज के सभी सदस्यों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

आरआई किसान से घूस लेते रंगे हाथों पकड़ा

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

मध्यप्रदेश में घूसखोरी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। आए दिन कहीं न कहीं रिश्वत लेते जिम्मेदार अधिकारी रंगे हाथ पकड़े जा रहे हैं। इसके बाद भी भ्रष्टचार पर पर लगाम नहीं लग रही है।

एसपी लोकायुक्त निरंजन शर्मा ने बताया कि चंबल अंचल के मुरैना जिले की मुरैना तहसील में पदस्थ राजस्व निरीक्षक राकेश जैन को ग्वालियर लोकायुक्त टीम ने एक हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा है। आरोपी आरआई गोपियापुरा जिला मुरैना निवासी किसान संतोष कुशवाहा से रिश्वत ले रहा था। किसान अपने बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनवाने तहसील कार्यालय पहुंचा था, जहां आरआई ने काम करने के एवज में दो हजार रुपए की मांग की।

किसान ने पहले एक हजार रुपए दिए, लेकिन शेष राशि की मांग जारी रहने पर उसने लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत का सत्यापन करने के बाद लोकायुक्त टीम ने जाल बिछाया। तय योजना के अनुसार किसान ने मंगलवार को आरआई को एक हजार रुपए दिए, तभी लोकायुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार के तहत मामला दर्ज कर आगे

की कार्रवाई शुरू कर दी है। ट्रेपदल में डीएसपी विनोद सिंह, निरीक्षक बलराम राजावत, निरीक्षक अंजली शर्मा, प्रधान आरक्षक देवेन्द्र पवैया, हेमंत शर्मा, मनोज कुशवाहा, बलवीर, आरक्षक राजेंद्र सिंह, विनोद शाक्य, राजीव तिवारी, रवि सिंह, अंकेश शर्मा और वाहन चालक विशंभर सिंह शामिल थे।

झांसी मंडल में अलार्म चेन पुलिंग पर कार्रवाई कर 37,060 का जुर्माना वसूला

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार के निर्देशानुसार झांसी मंडल में बिना उचित कारण अलार्म चेन खींचने वालों के विरुद्ध निरंतर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। 1 जनवरी से 20 फरवरी तक की अवधि में, झांसी मंडल में अलार्म चेन पुलिंग की 261 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इनमें से 261 मामलों में प्रकरण दर्ज किए गए हैं, जिनमें रेलवे सुरक्षा बल द्वारा 261 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है और एक व्यक्ति को जेल भेजा गया है। इन मामलों में कार्रवाई करते हुए कुल 37,060 का जुर्माना वसूला गया है।

रेल सुरक्षा बल द्वारा अलार्म चैन पुलिंग मामले में चिन्हित खंडों ललितपुर से बीना और हेतमपुर से मुरैना खंड में अधिक सतर्कता बरती जा रही है। रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि बिना उचित और पर्याप्त कारण अलार्म चेन न खींचें, क्योंकि यह एक दंडनीय अपराध है। अलार्म चेन पुलिंग से ट्रेनों की समयपालनता प्रभावित होती है, अन्य यात्रियों को असुविधा होती है, और रेलवे को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। रेल प्रशासन अपने सम्मानित यात्रियों से अनुरोध करता है कि अलार्म चेन का उपयोग केवल वास्तविक आपातकालीन परिस्थितियों में ही करें और जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें।

पैरा नेशनल सिटिंग वॉलीबॉल का आयोजन मेरठ में 25 से, मप्र की टीम भी शामिल

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

पैरा नेशनल सिटिंग वॉलीबॉल का आयोजन मेरठ में 25 से 28 फरवरी के बीच किया जा रहा है। जिसमें 22 राज्यों की टीम भाग ले रही हैं। यह प्रतियोगिता महिला और पुरूष दोनों वर्ग के लिये हैं। इसमें मध्य प्रदेश की पुरुष और महिला टीम भी प्रतिभाग कर रही है। जिसमें पुरुष पैरा सिटिंग वॉलीबॉल टीम की कप्तानी गोविंद सिंह भदौरिया जिला भिंड को दी गई है। मध्य प्रदेश पैरा सिटिंग वॉलीबॉल टीम इस प्रकार है गोविंद सिंह भदौरिया कप्तान (भिण्ड) संजीव कोटिया ग्वालियर, प्रताप सिंह नगर ग्वालियर, मनोज धाकड़ मुरैना, आशिक शाह ग्वालियर, धर्मवीर तोमर ग्वालियर, मनीष ग्वालियर ,अरविंद रजक ग्वालियर, निरंजन गुर्जर मुरैना, ओमप्रकाश अहिरवार छतरपुर, इंद्रसिंह परमार राजगढ़, राजेद्र माहौर ग्वालियर, मध्य प्रदेश पैरा सिटिंग वॉलीबॉल टीम का हिस्सा होंगे जिसमें कोच की

भूमिका संजीव मंडल अनूपपुर को दी गई है गोविंद सिंह भदोरिया अटल बिहारी वाजपेई स्पोर्ट्स सेंटर ग्वालियर में रिषभ यादव की देख रेख में अभ्यास कर रहे हैं।

वहीं मध्य प्रदेश महिला पैरा सिटिंग वॉलीबॉल टीम इस प्रकार है रेखा सोलंकी कप्तान (इंदौर), सोनम राठौर ग्वालियर, सपना शर्मा इंदौर, नीलम देवी इंदौर,हीरावती भोपाल करुणा इंदौर,प्रीति शर्मा इंदौर, महिला टीम मैनेजर विशाखा पाराशर खंडवा है।

जीआरएमसी में प्रथम वर्ष नर्सिंग विद्यार्थियों का शपथ ग्रहण आयोजित

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

जीआरएमसी के ऑडिटोरियम में प्रथम वर्ष के नर्सिंग छात्र-छात्राओं का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीन डॉ. आरकेएस धाकड़ उपस्थित रहे। इसके साथ ही नोडल अधिकारी डॉ. जीतेंद्र अग्रवाल और नर्सिंग अधीक्षक अंजना का स्वागत किया गया। इस अवसर पर डीन डॉ. धाकड़ ने विद्यार्थियों से कहा कि अस्पताल में मरीजों के साथ सदैव प्रेम, करुणा और त्याग की भावना से कार्य करें। उन्होंने कहा कि नर्सिंग केवल एक पेशा नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण का दायित्व है। कार्यक्रम में एसएनए एडवाइजर पुष्पा राय, शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय की प्रतिनिधि अर्चना जोशी और सूजा नायर ने छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई। समारोह में बड़ी संख्या में शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कर्मचारियों के लिए लेखा प्रशिक्षण सत्र आयोजित होगा, 15 मार्च तक आवेदन मांगे

ग्वालियर। ग्वालियर-चंबल संभाग में पदस्थ शासकीय लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिए लेखा प्रशिक्षण शाला में 1 अप्रैल से लेखा प्रशिक्षण सत्र शुरू होने जा रहा है। यह लेखा प्रशिक्षण सत्र चंद्रवदनी नाका के समीप स्थित न्यू राजस्व भवन में संचालित शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला में आयोजित होगा। इसके लिए लिपिक वर्गीय कर्मचारी निर्धारित प्रारूप में 15 मार्च तक आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन पत्र के प्रारूप लेखा प्रशिक्षण शाला से प्राप्त किए जा सकते हैं। यहीं से विस्तृत जानकारी भी प्राप्त की जा सकती है।

द जैसलमेर साहित्य महोत्सव 14 मार्च को

ग्वालियर। गोपाल किरन समाजसेवी संस्था के अध्यक्ष श्रीप्रकाश सिंह निमराजे द्वारा ने बताया गया है कि गोपाल किरन समाजसेवी संस्था जीकेएसएसएस एवं एसएएडी के संयुक्त तत्वावधान में द जैसलमेर साहित्य महोत्सव का आयोजन 14 मार्च को किया जाना प्रस्तावित है। जिसमें शिक्षा, साहित्य, समाजसेवा, महिला सशक्तिकरण, कला से जुड़े विभिन्न श्रेणी में लोगों को ग्लोबल डायमंड डिग्निटी प्राइड अवॉर्ड से सम्मानित किया जायेगा। इस दौरान एक एजुकेशन, साहित्य आर्ट एवं कल्चर पर कॉन्क्लेव आयोजित होगा। जो भी शिक्षक, प्राध्यापक, शोधार्थी , चिकित्सक, साहित्यकार, आर्ट एवं कल्चर, रंगकर्मी, सामाजिक चिंतक आदि से जुड़े प्रतिभागी इस कार्यक्रम में ऑफलाइन/ऑनलाइन/भाग लेना चाहते हैं, कृपया जल्द से जल्द अपना पंजीकरण कराएँ। कार्यक्रम में एक दिवस पूर्व पहुंचने पर रुकने कार्यक्रम दिवस ब्रेक फास्ट लंच व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। अधिक जानकारी के लिए 9425118370,9319206571,9179671309 पर संपर्क करें।

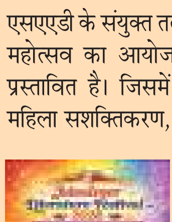

जेयू: दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ स्टडीज इन अर्थ साइंस द्वारा 25 से 26 फरवरी तक मध्य प्रदेश के भूविज्ञान और भू-विरासत स्थलों के प्रबंधन में भारतीय ज्ञान प्रणाली' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। संगोष्ठी का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा को भू-विज्ञान से जोड़ते हुए मध्यप्रदेश के भू-धरोहर स्थलों के संरक्षण, संवर्धन और प्रभावी प्रबंधन पर सार्थक विमर्श करना है। 25 फरवरी को जेयू के गालव सभागार में प्रातः 10:30 बजे उद्घाटन सत्र आयोजित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरू प्रो. राजकुमार आचार्य करेंगे। मुख्य अतिथि बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पेलियोसाइंसेज के निदेशक प्रो. महेश ठक्कर उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट अतिथि प्रो. यूसी सिंह तथा की-नोट वक्ता के रूप में पूर्व उपमहानिदेशक, भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण भारत डॉ. सतीश त्रिपाठी अपने विचार रखेंगे। 26 फरवरी को दोपहर 3 बजे विश्वविद्यालय के सीआईएफ सेमिनार हॉल में समापन सत्र आयोजित होगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा व भू-धरोहर प्रबंधन पर होगा मंथन

जीइन्क्यूब में तीन दिवसीय कॉन्क्लेव का शुभारंभ

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

ग्वालियर स्मार्ट सिटी इनक्यूबेशन सेंटर (जीइन्क्यूब) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अकादमिया इंडस्ट्री फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन कॉन्क्लेव 2026 का प्रथम दिवस सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कॉन्क्लेव के पहले दिन अकादमिक इनक्यूबेटर्स कॉन्क्लेव 2026 के अंतर्गत शहर के प्रमुख शैक्षणिक इनक्यूबेशन केंद्र एक मंच पर एकत्रित हुए। जिसमें एमिटी इनोवेशन इनक्यूबेटर ग्वालियर, प्रेस्टिज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, जीवाजी विश्वविद्यालय, एमएलबी इनक्यूबेशन सेंटर एवं कमला राजा इनोवेशन सेल के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अकादमिक संस्थानों, उद्योग जगत एवं वित्तीय संस्थानों के बीच प्रभावी तालमेल स्थापित करना, स्टार्टअप्स को आवश्यक संसाधनों एवं वित्तीय अवसरों से जोड़ना, नवाचार को व्यावसायिक रूप देने हेतु मार्ग प्रशस्त करना तथा ग्वालियर में एक सुदृढ़ एवं आत्मनिर्भर स्टार्टअप इकोसिस्टम का निर्माण करना है। कॉन्क्लेव के आगामी दो दिनों में उद्योग विशेषज्ञों के सत्र तथा वित्तीय संस्थानों के साथ संवाद एवं एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम

आयोजित किए जाएंगे। यह तीन दिवसीय पहल ग्वालियर के स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

इस अवसर पर जीइन्क्यूब के स्टार्टअप्स ने अपने समक्ष आने वाली प्रमुख चुनौतियों जैसे हायरिंग, फंडिंग, लैब एवं टेस्टिंग सुविधाओं की उपलब्धता, तकनीकी संसाधनों की कमी तथा बाजार तक पहुंच से संबंधित मुद्दों को भी साझा किया। स्टार्टअप्स ने सुझाव दिया कि अकादमिक इनक्यूबेशन केंद्रों के साथ समन्वय के माध्यम से योग्य प्रतिभाओं की पहचान, शोध आधारित समाधान, प्रयोगशाला संसाधनों का उपयोग तथा संभावित निवेशकों से संपर्क स्थापित करने में सहयोग प्राप्त किया जा सकता है। इस पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ कि आपसी साझेदारी से इन चुनौतियों का प्रभावी समाधान निकाला जा सकता है।

जीइन्क्यूब के डायरेक्टर गौरव शाक्य ने बताया कि किस प्रकार जीइन्क्यूब स्टार्टअप्स को आइडिया से लेकर स्केल-अप तक मार्गदर्शन, मेंटरशिप, नेटवर्किंग, उद्योग संपर्क एवं विभिन्न सहयोग सेवाएं प्रदान करता है। कार्यक्रम में प्रोजेक्ट मैनेजर प्रांजल चतुर्वेदी, इनक्यूबेशन मैनेजर मेघा उपाध्याय एवं रोविन वर्मा, तथा प्रोजेक्ट एसोसिएट श्रुति अग्रवाल उपस्थित रहीं।

डॉ स्नेहलता दुबे श्री सुश्रुत स्टालवर्ट अवार्ड से सम्मानित

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

चिकित्सा क्षेत्र तथा सामाजिक कार्यों में अद्वितीय योगदान के लिए स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ स्नेहलता दुबे को श्री सुश्रुत स्टालवर्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार जबलपुर में आयोजित इंडियन मेडीकल एसोसिएशनन (आईएमए) कॉन्फ्रेंस में दिया गया।

कृषि मंथन 2026 का समापन

मंथन से निकले सुझावों को मध्यप्रदेश का कृषि रोडमैप बनाने के लिये भेजा जायेगा

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

किसान कल्याण वर्ष के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय 'कृषि मंथन 2026' का मंगलवार को समापन हुआ। इस आयोजन में देशभर से आए कृषि वैज्ञानिकों, नीति-निर्माताओं, शोधकर्ताओं और किसानों ने हिस्सा लिया। साथ ही आपसी विचार मंथन कर मध्यप्रदेश की कृषि का भविष्य गढने के लिये सार्थक सुझाव दिए। ज्ञात हो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी बीते रोज कृषि विचार मंथन के प्रतिभागियों को वर्चुअल संबोधित किया था। कृषि मंथन में खासतौर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस), जलवायु परिवर्तन, उच्च तकनीकयुक्त उद्यानिकी, बीज सुधार, डिजिटल कृषि और बाजार सुधार जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। मंथन से निकले सुझावों को कृषि योजना बनाने के लिये शासन को भेजा जायेगा। कार्यक्रम के अंत मे प्रगतिशील किसान, शोधार्थी, इन्टरपेन्योर, एवं बेहतर प्रदर्शनी लगाने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया गया। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के पूर्व उपमहानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने कहा कि मंथन से निकले 'अमृत' रूपी सुझावों को शासन तक पहुंचाया जाए और विश्वविद्यालय उन्हें परियोजनाओं में बदलकर कृषि अनुसंधान व नवाचार को नई दिशा दे। इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरू डॉ. अरविन्द कुमार शुक्ला ने कहा कि यह कृषि मंथन प्रदेश के मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव की दूरदृष्टि का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन विद्यार्थियों, किसानों और वैज्ञानिकों को एक मंच पर लाकर 'आत्मनिर्भर भारत 2047' के संकल्प को साकार करने की दिशा में ठोस कदम है। उन्होंने कहा इस आयोजन में आईसीएआर के उपमहानिदेशकों से विमर्श कर देशभर के कृषि संस्थानों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंथन से निकले सुझाव शासन को तो भेजे ही जाएंगे, साथ ही इनसे विश्वविद्यालय भी शोध व नवाचार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा।

डॉ. वीके सिंह ने कहा कि समुद्र मंथन की तरह इस कृषि मंथन से जो अमृत निकला है, उसे कृषि संस्थान लागू करें। उन्होंने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय को वैज्ञानिकों की सिफारिशों के आधार पर प्रदेश के लिए एक ठोस एक्शन प्लान तैयार करना चाहिए, जिसमें शिक्षा, अनुसंधान, और प्रसार को समान महत्व दिया जाए। डॉ. सुनील कुमार तिवारी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और टिकाऊ खेती की चुनौतियों से निपटने के लिए शॉर्ट टर्म और मिड टर्म रणनीति आवश्यक है। उन्होंने युवाओं की भूमिका को भविष्य की कृषि के लिए निर्णायक बताया। अन्य सत्रों में डॉ. वीके सिंह, डॉ. पीएम गौर, डॉ. राहुल त्रिपाठी, डॉ. एनके. लेनका सहित विशेषज्ञों ने जलवायु अनुकूल किस्मों, फसल अवशेष प्रबंधन, एआई आधारित सटीक कृषि और एकीकृत टिकाऊ मॉडल पर विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिए।

डॉ. एनएस राठौर ने भारतीय कृषि में एआई और आईओटी की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. वीपी. चौधरी एवं डॉ. सुधीर के चक्रवर्ती ने स्मार्ट कृषि यंत्रीकरण और भविष्य की तकनीकों पर प्रस्तुति दी। विशेषज्ञों ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण डेटा, ड्रोन आधारित निगरानी, सटीक उपकरणों और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाने और जोखिम कम करने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। तीन दिनों तक चले इस कृषि मंथन ने स्पष्ट संकेत दिया कि मध्यप्रदेश की कृषि अब परंपरागत सोच से आगे बढ़कर तकनीक, नवाचार और नीति-समन्वय के नए युग में प्रवेश कर रही है। मंथन से निकले 'अमृत' सुझावों को समयबद्ध कार्ययोजना में बदलने पर प्रदेश की कृषि को निश्चित रूप से नए आयाम मिलेंगे।

कृषि विज्ञान केन्द्र ग्वालियर की प्रदर्शनी को प्रथम पुरस्कार

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मंथन 2026 में राज्य के विभिन्न जिलों के कृषि विज्ञान केन्द्रों, कृषि एवं उद्यानिकी महाविद्यालयों तथा अन्य संस्थानों द्वारा प्रदर्शनी भी लगाई गईं। कृषि विज्ञान केन्द्र ग्वालियर की प्रदर्शनी को प्रथम पुरस्कार मिला। अतिथियों ने वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. शैलेन्द्र सिंह कुशवाह सहित कृषि विज्ञान केन्द्र की पूरी टीम को प्रथम पुरूस्कार से नवाजा गया। कृषि विज्ञान केन्द्र ग्वालियर द्वारा प्रदर्शनी के माध्यम से मुर्गी पालन, प्राकृतिक तकनीकी संसाधन, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन एवं अन्य उद्यानिकी व कृषि की उन्नत तकनीकियों को दर्शाया गया था।

ब्रीफ न्यूज

विमान हादसे में चमत्कारिक रूप से बचा पालतू कुत्ता

टेक्सास। बीती 11 फरवरी को टेक्सास के ईस्ट क्षेत्र में एक छोटा विमान इमरजेंसी लैंडिंग की कोशिश के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान हादसे में एक दंपति की मौत हो गई लेकिन उनका पालतू कुत्ता चमत्कारिक रूप से सुरक्षित बच गया। विमान दुर्घटना में फ्लोरिडा के दंपति रॉन जे. टिमरमैन और उनकी पत्नी बारबरा टिमरमैन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका छोटा पालतू कुत्ता सुरक्षित निकल आया। यह घटना ब्राउनस्बोरो के पास मर्चिसन इलाके में शाम करीब 5:13 बजे हुई, जहां विमान घरों के नजदीक गिरने से आसपास का इलाका दहशत में आ गया और बिजली भी गुल हो गई। रॉन टिमरमैन पेशे से एक अत्यंत अनुभवी और सम्मानित फ्लाइट इंस्ट्रक्टर थे। उन्हें 2021 में एफएए द्वारा नेशनल सर्टिफाइड फ्लाइट इंस्ट्रक्टर ऑफ द ईयर का सम्मान दिया गया था। 1998 से प्रशिक्षण दे रहे रॉन ऑरलैंडो स्थित अपनी एविएशन कंपनी ऐलेरॉन टीएलएलसी के भी संचालक थे। वे अपनी पत्नी के साथ सिंगल-इंजन बीचक्राफ्ट ए36 विमान उड़ा रहे थे और उनके साथ उनका लैप डॉग भी मौजूद था।

अजब कहानी: महिला ने स्वयं से शादी की और तलाक भी दे दिया

लंदन। आजकल कुछ लोग सिंगल रहने के बजाय अलग रास्ता चुन रहे हैं खुद से शादी करने का। ऐसा ही एक प्रयास किया है ब्राजीलियन कंटेंट क्रियेटर सुलेन केयरे ने। साल 2023 में कंटेंट क्रिएटर सुलेन केयरे ने लंदन में स्वयं से विवाह किया था। अपनी इस अनोखी सेल्फ-मैरिज को लेकर वे उस समय खूब चर्चा में रहीं। अब एक साल बाद उनकी कहानी फिर सुर्खियों में है, क्योंकि उन्होंने खुद को ही तलाक दे दिया था और यह बात सोशल मीडिया पर दोबारा वायरल हो गई है। सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की गई एक पोस्ट में कैरी की पूरी कहानी को फिर से सामने लाया गया है। 2023 में उन्होंने पारंपरिक दुल्हन की तरह सफेद वेडिंग गाउन, क्राउन और समारोह के साथ स्वयं से शादी की थी। इस अनोखे फैसले ने दुनिया भर में लोगों का ध्यान खींचा था।

सोशल मीडिया के झांसे में आई महिला, खराब कर लिए दांत

दुबई। इंग्लैंड के लिवरपूल की रहने वाली 36 वर्षीय महिला जेड मॉर्गन सोशल मीडिया पर विज्ञापन देखकर लालच में आ गई और अपने दांत का इलाज कराने दुबई पहुंची गई। महिला के साथ वहां जैसा इलाज महिला को मिला उसने जिंदगी भर का दर्द दे दिया। तीन बच्चों की मां जेड ने इंस्टाग्राम पर दुबई के एक डेंटल क्लिनिक का आकर्षक विज्ञापन देखा था, जिसमें पोरसेलिन विनीयर्स का खर्च मात्र 2,800 पाउंड बताया गया था। उन्हें लगा यह एक शानदार अवसर है, लेकिन फ्लाइट और होटल के खर्च इसमें शामिल नहीं थे। दुबई पहुंचकर जेड हैरान रह गईं। जिस डॉक्टर से उन्होंने अपॉइंटमेंट लिया था, उससे उनकी मुलाकात तक नहीं हुई। शुरुआती प्रक्रियाएं डॉक्टर के एक असिस्टेंट ने ही पूरी कीं, जिनमें दांतों की सफाई और नाप लेना शामिल था।

अमेरिका के शस्त्र नियंत्रण और अप्रसार ब्यूरो के सहायक ने दी नई जानकारी

चीन ने जानबूझकर और बेरोक-टोक अपने परमाणु हथियार भंडार का विस्तार किया

एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिका के शस्त्र नियंत्रण और अप्रसार ब्यूरो के सहायक विदेश मंत्री क्रिस्टोफर यिआव ने करीब छह साल पहले चीन द्वारा किए गए गुप्त परमाणु परीक्षण के बारे में नई जानकारी साझा की और अन्य देशों से आग्रह किया कि वे चीन और रूस पर परमाणु निरस्त्रीकरण करने के लिए कदम उठाने का दबाव बनाएं। यह घटना ऐसे समय पर सामने आई है, जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर है। इस महीने अमेरिका और रूस के बीच आखिरी परमाणु हथियार समझौते की समाप्ति के बाद यिआव ने संयुक्त राष्ट्र समर्थित एक संस्था के सम्मेलन में यह बात कही। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि इस समझौते की अवधि खत्म होने से दुनिया की सबसे बड़ी परमाणु शक्तियों के हथियारों पर लगी सीमाएं समाप्त हो गई हैं। यिआव ने चीन से ज्यादा पारदर्शिता की मांग की और न्यू स्टार्ट संधि की कुछ कमियों की ओर इशारा करते हुए उदाहरण दिया कि इसमें रूस के गैर-रणनीतिक परमाणु हथियारों के विशाल भंडार का कोई समाधान नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि शायद इसकी सबसे बड़ी कमी यह थी कि न्यू स्टार्ट संधि ने चीन द्वारा अभूतपूर्व, सुनियोजित और गुप्त रूप से तैयार किए गए परमाणु हथियारों को ध्यान में नहीं रखा।

रिपोर्ट के मुताबिक यिआव ने कहा कि चीन ने जानबूझकर और बेरोक-टोक अपने परमाणु हथियार भंडार में भारी विस्तार किया है, जबकि उसने ऐसा न करने का आश्वासन दिया था। उन्होंने चीन के लक्ष्य या उद्देश्यों के बारे में पारदर्शिता की कमी पर खेद जताया। उन्होंने कहा कि हम मानते हैं कि चीन अगले चार या पांच साल में बराबरी हासिल कर सकता है। यिआव ने सोमवार को जिनेवा में एक रूसी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और मंगलवार को चीनी और अन्य प्रतिनिधिमंडलों से मिले। अमेरिकी अधिकारी पहले ही अपने साझेदारों के साथ कई दौर की बैठक कर चुके हैं जिसमें परमाणु हथियार रखने वाले फ्रांस और ब्रिटेन शामिल हैं। अमेरिका ने ईरान के साथ बढ़ते तनाव और सैन्य कार्रवाई की आशंका के बीच लेबनान में तैनात अपने गैर जरूरी राजनयिकों और उनके परिवार के सदस्यों को वापस आने का आदेश दिया है। मंत्रालय के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो इस सप्ताहांत इजराइल की अपनी पूर्व निर्धारित यात्रा स्थगित कर सकते हैं। ओमान के विदेश मंत्री सैयद बद्र बिन हमद बिन हमूद अलबुसैदी ने कहा है कि अमेरिका-ईरान वार्ता का अगला दौर गुरुवार को जिनेवा में होगा। ईरान की सरकारी रविवार को ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफेल ग्रोसी के बीच फोन पर बातचीत हुई थी।

गर्लफ्रेंड बनी कार्टेल प्रमुख एल मेंचो की मौत की वजह, 20 राज्यों में भड़की हिंसा

अमेरिका ने उसकी गिरफ्तारी पर रखा था 100 करोड़ रुपए से ज्यादा के इनाम

एजेंसी ■ न्यू मेक्सिको

ड्रग माफिया एल मेंचो मेक्सिको की जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल का प्रमुख था, जिसे दुनिया के सबसे खतरनाक आपराधिक संगठनों में गिना जाता है। एल मेंचो की मौत की खबर फैलते ही उसके समर्थकों ने पूरे देश में हिंसा की। सुरक्षा मंत्री ओमर गार्सिया हारफुच के मुताबिक हिंसा में अब तक एक जेल गार्ड, राज्य अभियोजन कार्यालय का एक कर्मचारी और कार्टेल के 30 सदस्य मारे गए हैं। वहीं जलिस्को राज्य में कम से कम 25 नेशनल गार्ड जवानों की भी जान चली गई, लेकिन वह एल मेंचो, जिसे सुरक्षा एजेंसियां सालों तक पकड़ नहीं सकीं, अपनी गर्लफ्रेंड के कारण मारा गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुरक्षा एजेंसियां कई सालों से एल मेंचो को खोज रही थीं। जांच के दौरान एजेंसियों को उसकी एक गर्लफ्रेंड के बारे में जानकारी लगी। एल मेंचो अपनी गर्लफ्रेंड पर आंख मूंद कर भरोसा करता था। सुरक्षा एजेंसियां जानती थीं कि अगर वह सीधे उसकी गर्लफ्रेंड से संपर्क करेंगे तो एल मेंचो को खबर लग जाएगी। उसे एल मेंचो के ठिकाने की खबर भी रहती थी। रिपोर्ट के मुताबिक उसके ठिकाने तक पहुंचने में उसी महिला के एक भरोसेमंद करीबी शख्स से एजेंसियां जुड़ गईं उसी शख्स ने मेंचो की हर खबर एजेंसियों तक पहुंचाई।

रिपोर्ट के मुताबिक 21 फरवरी को गर्लफ्रेंड एल मेंचो से अलग होकर निकल गई, लेकिन एल मेंचो अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ वहीं रुका रहा। इसी दौरान सुरक्षा एजेंसियों ने कार्रवाई की योजना को अंतिम रूप दिया। अगले 24 घंटे के अंदर सेना, नेशनल गार्ड और वायुसेना ने संयुक्त अभियान शुरू किया। शक न हो, इसलिए मुख्य कार्रवाई जमीनी दस्तों के जरिए की गई और सीमित हवाई सहायता ली गई। रविवार सुबह सुरक्षाबलों ने तापाल्पा के बाहरी इलाके में स्थित एक केबिन परिसर को चारों तरफ से घेर लिया जैसे ही सैनिक आगे बढ़े, एल मेंचो के सुरक्षा गार्ड्स ने गोलियां चलानी शुरू कर दीं। मुठभेड़ में कम से कम 6 से 8 कार्टेल सदस्य मारे गए और तीन सैनिक घायल हुए। गोलीबारी के बीच एल मेंचो और उसके कुछ सहयोगी जंगल की ओर भागे। स्पेशल फोर्स की एक टीम ने उनका पीछा किया और घने जंगल में छिपे एल मेंचो को ढूंढ निकाला। दूसरी मुठभेड़ के बाद उसे और उसके दो गार्ड्स को गंभीर हालत में पकड़ा।

अधिकारियों के मुताबिक एल मेंचो को हेलिकॉप्टर से राजधानी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। सरकार ने पुष्टि की कि उसे पकड़ने में अमेरिका से मिली अतिरिक्त खुफिया जानकारी ने मदद की, हालांकि जमीनी कार्रवाई में कोई अमेरिकी बल शामिल नहीं था। अमेरिका ने उसकी गिरफ्तारी पर 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का इनाम रखा था। एल मेंचो की मौत की खबर फैलते ही जलिस्को समेत कम से कम 20 राज्यों में हिंसा भड़क उठी। कार्टेल के लोगों ने कई शहरों में सड़कें जाम कर दीं। दर्जनों बैंक और स्थानीय कारोबारियों की दुकानों को भी जला दिया गया।

राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाउम ने सेना की कार्रवाई की सराहना की और कहा कि देश में शांति और सुरक्षा बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता है। हालात काबू में लाने के लिए अब तक करीब 9,500 सैनिक तैनात किए जा चुके हैं, जिनमें सोमवार को पश्चिमी मेक्सिको में भेजे गए अतिरिक्त 2,500 जवान भी शामिल हैं।

देश थक चुका है, लेकिन झुकेगा नहीं, यह लड़ाई जमीन की नहीं अस्तित्व की है: जेलेंस्की

एजेंसी ■ कीव

रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने साफ कहा है कि देश थक चुका है, लेकिन झुकेगा नहीं। उन्होंने कहा कि अगर यूक्रेन ने रूस की शर्तें मान लीं तो इसका मतलब होगा कि देश अपनी संप्रभुता खो देगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक इंटरव्यू में जेलेंस्की ने माना कि लगातार युद्ध से आम लोग और सैनिक थक चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ जमीन की नहीं, बल्कि देश के अस्तित्व की है। मैदान की स्थिति पर बात करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि मौजूदा मोर्चों पर युद्ध को 'फ्रीज' करने पर विचार किया जा सकता है, लेकिन डोनेत्स्क जैसे इलाकों से सेना हटाने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा कि हम बच्चे नहीं हैं कि प्लेट में देश सजाकर दे दें। उन्होंने यह भी कहा कि जिन इलाकों में लाखों लोग रहते हैं, उनके भविष्य की जिम्मेदारी यूक्रेन की है। उन्होंने कहा कि अगर हम उसे सब कुछ दे दें जो वह चाहता है, तो हम सब कुछ खो देंगे। लोग या तो भागने को मजबूर होंगे या रूसी बन जाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर निशाना साधते हुए जेलेंस्की ने कहा कि यह एक व्यक्ति की जिद का युद्ध है। उन्होंने कहा कि पुतिन ही युद्ध है यह सब उन्हीं के बारे में है।' उन्होंने अमेरिका और खासतौर पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ज्यादा दबाव बनाने की अपील की। जब उनसे पूछा गया कि क्या ट्रंप रूस पर पर्याप्त दबाव डाल रहे हैं, तो उन्होंने सीधा जवाब दिया- 'नहीं।' जेलेंस्की ने कहा कि शांति वार्ताओं में अब तक कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। सबसे बड़ा मुद्दा सुरक्षा गारंटी का है। उनका कहना है कि यूक्रेन को साफ जवाब चाहिए कि अगर रूस दोबारा हमला करता है तो उसके सहयोगी देश क्या करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका एक साथ शांति समझौते और सुरक्षा गारंटी पर हस्ताक्षर चाहता है, लेकिन कीव चाहता है कि पहले मजबूत और कानूनी रूप से बाध्यकारी सुरक्षा गारंटी तय हो।

चीन की कॉपीकैट नीति ने बदल दी शानझाई की पहचान

अब कहलाता है औद्योगिक इलाका

एजेंसी ■ बीजिंग

चीन में 'शानझाई' शब्द का शाब्दिक अर्थ भले डकैतों के अड्डे से जुड़ा हो, लेकिन आधुनिक दौर में यह उन औद्योगिक इलाकों का प्रतीक बन गया जहां दुनियाभर के पायरेटेड या नकली उत्पाद तैयार होते रहे। भारत में जिसे आम बोलचाल में 'नो गारंटी' वाला सामान कहा जाता है। लेकिन इसी शानझाई संस्कृति ने चीन की औद्योगिक छलांग की नींव रखी। चीन की आर्थिक तरक्की लंबे समय तक दुनिया के लिए पहेली रही, पर इसकी एक बड़ी वजह उसकी 'कॉपीकैट' नीति रही है। जहां पश्चिमी देश मौलिकता पर जोर देते हैं, वहीं चीन ने 'फास्ट फॉलोअर' रणनीति अपनाई। यानी अगर कोई आइडिया दुनिया के किसी बाजार में सफल है, तो उसे शून्य से विकसित करने के बजाय तेज़ी से अपनाकर, सुधार कर और कम कीमत में उतार दो। इससे जोखिम घटता है और बाजार में तेजी से पैठ बनती है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चीन में इस सोच को संस्थागत रूप देने वालों में प्रमुख नाम है प्रो. शियांग बिंग, जो च्युंग कांग ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस के संस्थापक डीन रहे हैं। उनके कई छात्र आज अलीबाबा और टिकटॉक जैसी कंपनियों में शीर्ष पदों पर हैं। बिंग का तर्क है, दौड़ने से पहले चलना सीखना पड़ता है, और उससे पहले किसी का सहारा लेकर खड़ा होना। यानी विकास के शुरुआती चरण में नकल करना व्यावहारिक रणनीति हो सकती है। मोबाइल और गैजेट उद्योग इसका बड़ा उदाहरण है। जब ऐपल ने आईफोन लॉन्च किया, तो चीनी कंपनियों ने सिर्फ फोन ही नहीं, बल्कि स्टोर डिजाइन और प्रेजेंटेशन स्टाइल तक से प्रेरणा ली। जियोमी को एक समय 'चीन का ऐपल' कहा जाता था।

अमेरिका के साथ 'अंतरिम समझौता' को तैयार ईरान

तेहरान। ट्रंप बार-बार खामेनेई को 'बुरे अंजाम' की धमकी दे रहे हैं। इस बीच परमाणु बातचीत भी चल रही है। अमेरिका अपनी सारी शर्तें मनवाने के लिए ईरान पर प्रेशर बना रहा है लेकिन ईरान ने अमेरिका को जवाब देने रेड लाइन खींच दी है। हालांकि, खामेनेई का देश तीन मुद्दों पर झुकने के लिए तैयार हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने अपने उस न्यूक्लियर पावर बनने के 'ख्वाब' को दांव पर लगा दिया है, जिसे वह अपनी 'संप्रभुता का प्रतीक' मानता था। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने खुलासा किया है कि वे अमेरिका के साथ 'अंतरिम समझौता' करने के लिए तैयार हैं। इसके लिए उन्होंने तीन प्रमुख प्रस्ताव बातचीत की मेज पर रखे हैं जिनमें यूरेनियम एक्सपोर्ट, ईरान अब तक अपने एनरिच्ड यूरेनियम को देश से बाहर भेजने के खिलाफ था लेकिन अब वो अपने भंडार का एक हिस्सा निर्यात करने पर विचार कर रहा है ताकि अमेरिका के साथ समझौते पर पहुंच सके।

पीएम मोदी खाली सदन में नहीं देंगे भाषण रिक्त सीट को पूर्व सांसदों से भरेंगे: स्पीकर

एजेंसी ■ येरुसलेम

इजराइली संसद नेसेट में विपक्षी सदस्यों द्वारा भारत के पीएम नरेंद्र मोदी के संबोधन का बहिष्कार करने की धमकियों से बेपरवाह स्पीकर अमीर ओहाना ने कहा है कि वह उनकी जगह रिक्त सीट को पूर्व सांसदों से भरेंगे। स्थानीय मीडिया के मुताबिक पीएम मोदी की इजराइल यात्रा घरेलू राजनीति में उलझती नजर आ रही है। इजराइली विपक्ष ने चेतावनी दी है कि अगर प्रोटोकॉल के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट प्रमुख को आमंत्रित नहीं किया गया तो वे भारतीय नेता के संसदीय संबोधन का बहिष्कार करेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रीय प्रसारक कान ने बताया कि विपक्षी पार्टी येस एटिड की सांसद मेइराव बेन-अरी ने इस मुद्दे पर एक बैठक में स्पीकर ओहाना को चुनौती दी। इस पर ओहाना ने सांसद से कहा कि चिंता मत करो, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि भारत के प्रधानमंत्री आधे खाली सदन में भाषण नहीं देंगे। खबरों के मुताबिक ओहाना ने कहा कि बेशक सुप्रीम कोर्ट के प्रमुख को भाषण में शामिल होने के लिए आमंत्रित नहीं किया गया था। पीएम मोदी के 25 फरवरी को दो-दिवसीय दौरे पर इजराइल पहुंचने की उम्मीद है। इस दौरान वह संभवतः नेसेट को संबोधित करेंगे और पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और राष्ट्रपति इसहाक हर्ज़ोग से मुलाकात करेंगे। विपक्ष के नेता यायर लैपिड ने रेखांकित किया कि जब मोदी सदन को संबोधित करें तो सुप्रीम कोर्ट के प्रमुख को नेसेट में आमंत्रित किया जाए।

रिपोर्ट के मुताबिक विपक्ष के सूत्रों का कहना है कि यह बहिष्कार का आह्वान नहीं है, लेकिन नेतन्याहू सरकार जानबूझकर हमें एक बुरी स्थिति में धकेलने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, यदि गठबंधन भारत के पीएम के साथ विशेष सत्र के दौरान सुप्रीम कोर्ट के प्रमुख का बहिष्कार करता है, तो हम बहस में शामिल नहीं हो पाएंगे। लैपिड ने सांसदों से कहा कि गठबंधन द्वारा सुप्रीम कोर्ट प्रमुख का एक और सार्वजनिक बहिष्कार विधायिका के लिए भारी शर्मिंदगी का कारण बनेगा।

जनरल केन की युद्ध के खिलाफ चेतावनी को ट्रंप ने बताया झूठी खबर

अगर ईरान से कोई सैन्य संघर्ष होता है, तो जीत अमेरिका की ही होगी

एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया है जिनमें दावा किया गया था कि जनरल डेनियल केन ने ईरान के साथ युद्ध के खिलाफ चेतावनी दी है। ट्रंप ने साफ कहा कि अमेरिका युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार है और अगर कोई सैन्य संघर्ष होता है, तो जीत अमेरिका की ही होगी। अपने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने इन खबरों को 100 फीसदी गलत बताया है। उन्होंने कहा कि जनरल डेनियल केन अन्य लोगों की तरह युद्ध नहीं चाहते हैं, लेकिन अगर सैन्य स्तर पर ईरान के खिलाफ जाने

का फैसला लिया जाता है, तो जनरल केन का मानना है कि इस युद्ध को आसानी से जीता जा सकता है। ट्रंप ने कहा कि जनरल डेनियल केन को राजिन भी कहा जाता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने कहा कि जनरल केन ने सीमित हमलों या ईरान पर कार्रवाई न करने जैसी कोई बात नहीं की है। उन्हें केवल एक ही बात पता है- कैसे जीतना है। अगर उन्हें आदेश दिया जाता है, तो वह सैन्य मोर्चे का नेतृत्व करेंगे। बता दें जॉन डेनियल केन शीर्ष अमेरिकी जनरल और वेंचर कैपिटलिस्ट हैं।

वे 2025 से जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के 22वें चेयरमैन के तौर पर काम कर रहे हैं। उन्होंने 2021 से 2024 तक सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी में मिलिट्री मामलों के एसोसिएट डायरेक्टर के तौर पर काम किया। ट्रंप ने ईरान को परमाणु समझौते पर सहमत होने के लिए कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अंतिम निर्णय मैं ही लेता हूं। मैं चाहता हूं कि एक डील हो, लेकिन अगर हम कोई डील नहीं करते हैं तो वहां के लोगों के लिए एक बहुत बुरा दिन होगा। वे लोग महान और अद्भुत हैं और उनके साथ ऐसा कभी नहीं होना चाहिए था। ट्रंप की यह प्रतिक्रिया उन रिपोर्ट्स के बाद आई है जिनमें कहा गया था कि जनरल डेनियल केन ने राष्ट्रपति ट्रंप और वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों को आगाह किया है कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान जोखिम भरा हो सकता है और अमेरिका एक लंबे संघर्ष में फंस सकता है। इस संभावित टकराव के बीच अमेरिका मध्य पूर्व में अपनी सैन्य ताकत लगातार बढ़ा रहा है, जिससे व्यापक युद्ध की चिंताएं तेज हो गई हैं। पेंटागन के अधिकारियों ने कतर के अल उदीद बेस से सैकड़ों सैनिकों को शिफ्ट किया है। बहरीन, इराक, सीरिया, कुवैत, सऊदी अरब, जॉर्डन और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर रणनीतिक और लॉजिस्टिक बदलाव देखे गए हैं। अमेरिकी अधिकारियों को इस बात की गहरी आशंका है कि अगर पूर्ण युद्ध छिड़ता है, तो इस क्षेत्र में तैनात करीब 30,000 से 40,000 अमेरिकी सैनिक ईरान के प्राथमिक निशाने पर हो सकते हैं।

इमरान खान को जेल से निकाल अस्पताल ले गए और इंजेक्शन लगा वापस भेजा

एजेंसी ■ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान को आंख के इलाज के लिए सोमवार को जेल से इस्लामाबाद के पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज अस्पताल लाया गया। यहां डॉक्टरों ने उनकी दाहिनी आंख में इंजेक्शन दिया और जांच के बाद उन्हें वापस जेल भेज दिया गया। अस्पताल प्रशासन के मुताबिक इमरान खान को फॉलो-अप चेकअप के लिए लाया गया था। जनवरी में उनकी आंख में राइट सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लूजन की समस्या सामने आई थी। यह एक गंभीर बीमारी है, जिसमें आंख की नस में खून का थक्का जम जाता है और रोशनी पर असर पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट में जमा मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक इमरान खान ने दावा किया है कि उनकी दाहिनी आंख में अब केवल 15 फीसदी रोशनी बची है। बता इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं। उन्हें भ्रष्टाचार मामले में 14 साल की सजा सुनाई गई है। इधर, उनकी सेहत को लेकर पाकिस्तान की राजनीति गरमाई हुई है। सोमवार को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेताओं और विपक्षी गठबंधन तहरीक-ए-तहफुज़-ए-आइन-ए-पाकिस्तान के कार्यकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट के बाहर प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि इमरान खान के खिलाफ सभी मामलों की तुरंत सुनवाई तय की जाए।

होलाष्टक से धूलिवंदन तक-चंद्रग्रहण, आस्था, ज्योतिष और व्यवहारिकता के बीच संतुलन

होली केवल भारत तक सीमित नहीं, बल्कि विश्वभर में बसे भारतीय समुदायों और विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करता है।

होलाष्टक की मान्यताएं हमें संयम, अनुशासन और आत्मचिंतन का संदेश देती हैं, जबकि होली का रंगोत्सव हमें प्रेम, क्षमा और नई शुरुआत का अवसर देता है। वैश्विक स्तरपर होली का त्योहार केवल रंगों काउत्सव नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की जीवंतता, आध्यात्मिकता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। भारत सदियों से विविध आस्थाओं, प्रथाओं और मान्यताओं का केंद्र रहा है, जहां हर पर्व को शुद्ध श्रद्धा और सांस्कृतिक अनुशासन के साथ मनाया जाता है। यही कारण है कि होली केवल भारत तक सीमित नहीं, बल्कि विश्वभर में बसे भारतीय समुदायों और विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करता है।2026 में होली का पर्व विशेष चर्चा में है, क्योंकि 24 फरवरी से होलाष्टक प्रारंभ हो रहा है, 2 मार्च को होलिका दहन होगा और 3 मार्च को रंगोत्सव मनाया जाएगा। साथ ही 3 मार्च को चंद्रग्रहण होने की चर्चा ने लोगों के मन में यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि धूलिवंदन 3 मार्च को होगा या 4 मार्च को? इस लेख में हम धार्मिक मान्यताओं, ज्योतिषीय दृष्टिकोण और व्यवहारिक तथ्यों के आधार पर इस भ्रम को दूर करने का प्रयास करेंगे।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि हम सब जानते हैं कि, पौराणिक आधार पर होली की जड़ें भगत प्रहलाद, होलिका और नरसिम्हा की कथा से जुड़ी हैं। असत्य पर सत्य की विजय और अहंकार के अंत का संदेश देने वाली यह कथा भारतीय मानस में गहराई से रची-बसी है।होलिका दहन उस प्रतीकात्मक क्षण का स्मरण है जब भक्ति और धर्म की रक्षा हुई। इसलिए होली केवल रंगों का खेल नहीं, बल्किआध्यात्मिक पुनर्जागरण का अवसर भी है इस आर्टिकल में चर्चा की गई हर बात मान्यताओं पर आधारित सटीकता से इसका कोई संबंध नहीं वह यहां लिखी हुई बातें मानी जाए यह बिलकुल जरूरी नहीं है। साथियों बात अगर हम होलाष्टक 2026: अवधि और धार्मिक मान्यता इसको समझने की करें तो, 2026 में होलिका दहन 2 मार्च को पड़ रहा है, अतः उससे आठ दिन पूर्व 24 फरवरी से होलाष्टक प्रारंभ होगा और 3 मार्च तक चलेगा। होलाष्टक का अर्थ है होली से पहले

के आठ दिन। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इन दिनों में आठ प्रमुख ग्रह उग्र अवस्था में माने जाते हैं, अष्टमी को चंद्रमा, नवमी को सूर्य, दशमी को शनि, एकादशी को शुक्र, द्वादशी को गुरु, त्रयोदशी को बुध, चतुर्दशी को मंगल और पूर्णिमा को राहु। मान्यता है कि इस अवधि में शुभ और मांगलिक कार्य करने से जीवन में बाधाएं, कलह या कष्ट आ सकते हैं।इसलिए विवाह, सगाई, गृह प्रवेश, वाहन क्रय, भूमि पूजन और नए व्यवसाय की शुरुआत से बचने की सलाह दी जाती है।

लोकतंत्र की आड़ में तमाशा
क्या राष्ट्रगौरव से बड़ा है राजनीतिक प्रदर्शन?

▪ संदेश नेमा

आज देश की राजनीति में वैचारिक मतभेदों का स्वर तेज़ है। नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी की नीतियों का विरोध करना विपक्ष का अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है। उसी प्रकार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और अन्य दलों का दायित्व है कि वे जनता के प्रश्नों को मुखरता से उठाएँ, तथ्यों के आधार पर सरकार को घेरें और विकल्प प्रस्तुत करें।

लोकतंत्र केवल मतपेटियों से नहीं चलता, वह आचरण से चलता है। सत्ता और विपक्ष – दोनों मिलकर उसकी संरचना गढ़ते हैं। एक ओर यदि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार अपनी नीतियों के माध्यम से देश की दिशा तय करती है, तो दूसरी ओर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सहित समूचा विपक्ष उन नीतियों की समीक्षा कर लोकतंत्र को संतुलित बनाता है। परंतु जब विरोध की भाषा मर्यादा छोड़कर दृश्य-प्रदर्शन की अति में बदल जाए, तब प्रश्न केवल राजनीति का नहीं, राष्ट्र की गरिमा का बन जाता है।

लोकतंत्र की आत्मा केवल सत्ता में नहीं बसती, वह उतनी ही दृढ़ता से विपक्ष की आवाज़ में भी धड़कती है। सशक्त सरकार जितनी आवश्यक है, उतना ही आवश्यक एक सजग, सक्रिय और प्रखर विपक्ष भी है। असहमति लोकतंत्र का अलंकार है, विरोध उसका स्वाभाविक स्वभाव। किंतु जब विरोध अपनी मर्यादाएँ लांघने लगे, जब राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता राष्ट्र की गरिमा से टकराने लगे, तब प्रश्न उठना स्वाभाविक है—क्या हम सरकार का विरोध कर रहे हैं या अनजाने में देश की छवि को आहत कर रहे हैं? आज देश की राजनीति में वैचारिक मतभेदों का स्वर तेज़ है। नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी की नीतियों का विरोध करना विपक्ष का अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है। उसी प्रकार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और अन्य दलों का दायित्व है कि वे जनता के प्रश्नों को मुखरता से उठाएँ, तथ्यों के आधार पर सरकार को घेरें और विकल्प प्रस्तुत करें। परंतु जब विरोध विचार से अधिक प्रदर्शन में बदल जाए, तब वह लोकतांत्रिक शक्ति नहीं, राजनीतिक अधैर्य का प्रतीक बन जाता है।

नई दिल्ली में आयोजित AI Impact Summit के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया अर्धनग्न प्रदर्शन केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं था; वह वैश्विक मंच पर प्रसारित दृश्य था। ऐसे अवसर, जहाँ विश्व समुदाय भारत की तकनीकी क्षमता, नवाचार और भविष्य-दृष्टि को देखने आता है, वहाँ इस प्रकार का प्रदर्शन क्या संदेश देता है? क्या यह परिपक्व लोकतंत्र की तस्वीर है, या क्षणिक सुर्खियाँ बटोरने की कोशिश? राजनीतिक संदेश को इस रूप में प्रस्तुत करना क्या देशहित में कहा जा सकता है?

वैश्विक मंच पर नग्न राजनीति : जब विपक्ष ने लांघी शालीनता की रेखा

बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे 'अत्यंत अशोभनीय और

निंदनीय' बताया। उनका कहना था कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर इस प्रकार का आचरण देश की गरिमा और वैश्विक छवि को ठेस पहुँचाता है। प्रश्न यह नहीं कि किस दल ने क्या कहा; प्रश्न यह है कि क्या हम विरोध के नाम पर उस राष्ट्र-प्रतिष्ठा को दांव पर लगा सकते हैं, जिसे बनाने में दशकों का श्रम लगा है? भारत आज तकनीक, अर्थव्यवस्था और कूटनीति के क्षेत्र में अपनी नई पहचान गढ़ रहा है। एआई, डिजिटल नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति में विश्व भारत को संभावनाओं की भूमि के रूप में देख रहा है। ऐसे समय में जब विश्व मंच पर भारत की 'टेक पावर' की चर्चा हो, तब राजनीतिक असहमति को अर्धनग्न प्रतीकों में बदल देना क्या लोकतांत्रिक विमर्श को सशक्त करता है – या उसे हल्का बना देता है? विरोध लोकतंत्र का अधिकार है, किंतु अधिकार के साथ उत्तरदायित्व भी जुड़ा होता है। यदि किसी नीति से असहमति है, तो संसद का मंच है, प्रेस है, जनसंवाद है, तथ्यात्मक बहस है। परंतु जब तर्क की जगह तमाशा ले लेता है, तब संदेश कमजोर पड़ जाता है। दृश्य प्रभाव क्षणिक हो सकता है, पर राष्ट्र की छवि पर लगा दाग लंबे समय तक चर्चा में रहता है। राजनीति में तीखापन स्वाभाविक है, पर अशालीनता स्वीकार्य नहीं। प्रतिरोध आवश्यक है, पर राष्ट्र की गरिमा से बड़ा कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं हो सकता। विरोध यदि नीति-आधारित हो, तथ्य-समर्थित हो और वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करे, तो वह इतिहास रचता है। किंतु यदि वह केवल सनसनी पर आधारित हो, तो वह कुछ क्षणों की सुर्खियों के बाद स्वयं ही विस्मृत हो जाता है—पीछे छोड़ जाता है एक धूमिल छवि। यह भी विचारणीय है कि क्या ऐसे कदमों से जनता का विश्वास अर्जित होता है? क्या युवाओं को यह संदेश जाता है कि राजनीतिक संघर्ष इसी शैली में होना चाहिए? क्या विश्व मंच पर खड़े भारत की पहचान इस रूप में होनी चाहिए कि यहाँ असहमति संयमित संवाद के बजाय सनसनीखेज प्रतीकों में व्यक्त होती है? राष्ट्र और सरकार में स्पष्ट अंतर है। सरकारें बदलती हैं, राष्ट्र स्थायी रहता है। किसी दल या नेता का विरोध लोकतांत्रिक अधिकार है, परंतु विरोध की दिशा राष्ट्रहित के दायरे में ही रहनी चाहिए। यदि राजनीति स्वयं को राष्ट्रगौरव से ऊपर रखने लगे, तो यह लोकतंत्र की परिपक्वता पर प्रश्नचिह्न है।

आज आवश्यकता है आत्ममंथन की – सत्ता पक्ष के लिए भी और विपक्ष के लिए भी। सत्ता को आलोचना को सम्मान देना होगा, और विपक्ष को विरोध की मर्यादा का स्मरण रखना होगा। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि केवल सरकार की नहीं, 140 करोड़ नागरिकों की सामूहिक पहचान है। विरोध की ज्वाला प्रखर हो सकती है, पर उसे विवेक का दीप मार्ग दिखाए। संघर्ष हो – पर राष्ट्रहित के साथ। असहमति हो – पर गरिमा के साथ। और राजनीति हो – पर देश की प्रतिष्ठा से कभी समझौता किए बिना। यही लोकतंत्र की सच्ची परिपक्वता है। अंततः, राष्ट्र और सरकार में अंतर समझना ही लोकतंत्र की परिपक्वता है। सरकारें बदलती हैं, दल बदलते हैं, नेता बदलते हैं—पर राष्ट्र स्थायी है। असहमति सत्ता से होनी चाहिए, राष्ट्र से नहीं। समय की माँग है कि सभी दल आत्ममंथन करें। विरोध हो—पर मर्यादा के साथ। संघर्ष हो—पर राष्ट्रहित के साथ। और राजनीति हो—पर देश की प्रतिष्ठा को सर्वोपरि रखते हुए। क्योंकि यदि राजनीति राष्ट्रगौरव से ऊपर स्वयं को रखने लगे, तो यह केवल किसी एक दल की नहीं, पूरे लोकतंत्र की पराजय होगी।

कब सामने आएगी तीन बच्चियों की मौत की असली वजह?

बीती चार फरवरी को गाजियाबाद में तीन नाबालिग बहनों (निशिका 16, प्राची 14, और पाखी 12 वर्ष) की मौत की वारदात के पीछे की सच्चाई सामने नही आई है। इन तीनों ने भारत सिटी सोसाइटी की 9वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। इस मामले को आत्महत्या ही माना जा रहा है, लेकिन लड़की के पिता से जुड़े हैरान करने वाले खुलासे हो रहे हैं और उसका स्वयं का चरित्र विश्वसनीयता से परे है। आपको पता है कि बताया गया कि तीनों बच्चियां कोरियन गेम्स और ऑनलाइन कंटेंट की गंभीर लत में फंस चुकी थीं। परिवार द्वारा उन्हें इन गतिविधियों से दूर करने की कोशिश की गई, जिससे वे मानसिक रूप से टूट गई और

कथित तौर पर नौवीं मंजिल पर स्थित फ्लैट से कूदकर अपनी जान दे दी। अब वहीं, दूसरी थ्योरी भी निकलकर सामने आ रही है। अब कहा जा रहा है कि मरने वाले बच्चियों के पिता आर्थिक तंगी से परेशान था। बिजली का बिल भरना था उसके लिए पैसे नहीं थे इसलिए उन्होंने बेटियों का फोन बेंच दिया, जिसके बाद से परिवार में महौल बिगड़ गया। इसके पहले लड़कियों के पिता चेतन ने ही बयान दिया था कि तीनों लड़कियां कोरियन गेम खेल रही थीं, जिसमें लास्ट टास्क पूरा करना था और उसके लिए उन्होंने छत से कूदकर अपनी जान दे दीं। अब पुलिस को इन गोलमटोल बयानों से संदेह और गहरा हो गया है। तीन बहनों के सुसाइड मामले के पार्श्व में कुछ असहज हकीकत छिपी हैं। पुलिस जितनी गहराई से जांच कर रही है, मामला उतना ही उलझता जा रहा है। अब तक यह जानकारी सामने आई थी कि मृत बच्चियों के पिता की तीन शादियां हुई थीं और उनके पांच बच्चे थे, लेकिन अब नए तथ्य सामने आ रहे हैं।

मनोज कुमार अग्रवाल

बताया जा रहा है कि पिता के एक चौथी महिला से भी संबंध थे, जिसकी मौत भी छत से गिरने के कारण हुई थी। इतना ही नहीं, उस महिला की मौत के बाद उसके ही एक रिश्तेदार के साथ संबंध बने, जिससे वह गर्भवती हो गई। यह सारी बातें बच्चियों के पिता चेतन ने पूछताछ के दौरान कबूल की हैं। पुलिस पूछताछ में जब मृत बच्चियों के पिता चेतन से उसकी शादियों और लिव-इन पार्टनर की मौत को लेकर सवाल किए गए, तो उसने तीन शादियां करने और एक महिला की मौत की बात स्वीकार की। चेतन ने बताया कि उसकी पहली पत्नी सुजाता है, लेकिन दोनों की कोई संतान नहीं हुई। इसके बाद सुजाता की सहमति से उसने अपनी सगी साली हिना से शादी कर ली। आगे चलकर चेतन का सीलमपुर में ससुराल के पड़ोस में रहने वाली तब्बू से संबंध बन गया और करीब नौ साल पहले वह उसे राजेंद्रनगर स्थित फ्लैट में साथ रहने के लिए ले आया। इसके बाद घर में लगातार विवाद होने लगे। वर्ष 2018 में तब्बू की तीसरी मंजिल से गिरकर मौत हो गई थी। चेतन ने किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार करते हुए कहा कि घटना के वक्त वह घर पर मौजूद नहीं था और पुलिस जांच में उसे पहले ही क्लीन चिट मिल चुकी है। आपको बता दें कि तीन नाबालिग बहनों द्वारा बिल्डिंग से कूदकर आत्महत्या की गुत्थी उलझती जा रही है. एक पिता, दो मां और कुल पांच भाई बहन होने के चलते उलझे हुए रिश्ते और कोरियन गेम की लत वाली थ्योरी को लेकर बारीकी से जांच जारी है। महज 12, 14 और 16 साल की नाबालिग लड़कियों के पिता ने साफ साफ कहा कि उनकी बेटियों को कोरिया जाना था. परिवार के मुताबिक, तीनों बहनें कोई कोरियन गेम खेलने की आदि थीं. ये ऑनलाइन टास्क बेस्ड कोरियन लवर गेम खेला करती थीं. तीनों लड़कियों की आदत इस तरह हो चुकी थी कि वे नहाने, खाने, स्कूल जाने और सोने जैसे रोजमर्रा के सभी काम एक साथ किया करती थीं. इसी तरह तीनों ने एक साथ इमारत से कूदकर आत्महत्या की. इस घटना से परिवार सदमे में है. हालांकि, सच क्या है ये सवाल अभी भी सवाल ही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस जांच में यह चौंकाने वाली बात सामने आई है कि तीनों बहनों ने अपना एक यूट्यूब चैनल शुरू किया था. इस चैनल पर वे कोरियन कल्चर, कोरियन ड्रामा, म्यूजिक और वहां के रहन-सहन से जुड़े वीडियो अपलोड करती थीं. यह चैनल काफी पॉपुलर हो चुका था और इसके लगभग 2000 से ज्यादा सब्सक्राइबर्स थे. जब पिता को इस चैनल और बेटियों की कोरियन कल्चर के प्रति बढ़ती दीवानगी का पता चला, तो उन्होंने वह यूट्यूब चैनल डिलीट करवा दिया. पिता का यह कदम बेटियों को रास नहीं आया और वे उनसे नाराज रहने लगीं. बेटियों को लगा कि उनकी 'डिजिटल पहचान' छीन ली गई है.पिता ने कैमरे पर आए बिना बताया कि बच्चों ने कोरियन पर्सनैलिटी बनाई थी और अपना नाम बदल दिया था ये सच है. लॉस था मेरा 20-30 लाख का, लेकिन ये वजह खुदकुशी की नहीं हो सकती है. वे बोलते थे हम कोरिया जाएंगे, कोरिया ले चलो, इंडियन के नाम से गुस्सा आ जाता था, बच्चे तो इंडिया के नाम पर खाना तक नहीं खाते थे. उन्होंने कहा- हम चाहते हैं कोरियन ड्रामा, वीडियो जो भी चल रहे हैं जिनसे बच्चे एडिक्ट हो रहे हैं वे सभी बन्द होने चाहिए. बच्चे ऐसी चीजें तीन चार साल से देख रहे थे. वो कहते थे कि कोरिया नहीं गए तो मर जाएंगे.घर की छानबीन में पुलिस को पता चला कि लड़कियों ने अपना कमरा पूरी तरह कोरियन स्टाइल में सजा रखा था. वे अपनी सबसे छोटी बहन को 'देवु' और अन्य को 'लीनो' व 'कुइना' जैसे कोरियन नामों से बुलाती थीं। चौंकाने वाली बात यह है कि जिन बच्चों से उन्हें चिढ़ थी, उन्हें वे 'बॉलीवुड नाम' देकर संबोधित करती थीं. वे कोरिया की रीति-रिवाजों के अनुसार ही प्रभावित करना चाहती थीं और पूरी तरह उसी संस्कृति में ढल चुकी थीं।

राजस्थान में बसों के पहिए थमे, जिम्मेदारी भी ठहरी प्रशासन की सुस्ती से यात्री सड़कों पर

कांतिलाल मांडोत

राजस्थान में निजी बस ऑपरेटर्स की अनिश्चितकालीन हड़ताल ने आमजन के सामने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि जब परिवहन व्यवस्था का बड़ा हिस्सा निजी हाथों में हो और वह अचानक ठप हो जाए, तो प्रशासन की वैकल्पिक तैयारी कहाँ है। जयपुर, कोटा, अजमेर, सीकर और उदयपुर सहित कई शहरों में सोमवार रात 12 बजे से निजी बसों का संचालन रुक गया। ऑपरेटर्स का दावा है कि प्रदेश की लगभग 35 हजार कॉन्ट्रैक्ट कैरिज, स्टेज कैरिज और लोक परिवहन बसें बंद हैं, जिनसे प्रतिदिन 15 लाख से अधिक यात्री सफर करते हैं। यदि यह आंकड़ा सही है तो यह केवल हड़ताल नहीं, बल्कि प्रदेश की जीवनरेखा पर लगा ब्रेक है। राजधानी जयपुर के सिंधी कैंप बस स्टैंड पर मंगलवार सुबह से लंबी कतारें दिखाई दीं। यात्री घंटों इंतजार करते रहे, कई को बसें नहीं मिलीं। रोडवेज बसों में ठसाठस भीड़ रही। पुलिसकर्मी यात्रियों को लाइन में चढ़ाने की कोशिश करते दिखे, लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल लाइन लगवाना ही प्रशासनिक तैयारी कहलाता है। कोटा के बालाजी मार्केट बस स्टैंड से एक भी निजी बस नहीं निकली। सीकर में भी निजी बसें बंद रहीं। अजमेर में तो निजी बस ऑपरेटर्स ने 28 फरवरी को होने वाली प्रधानमंत्री की रैली के लिए भी बसें उपलब्ध न कराने की घोषणा कर दी। हालांकि जोधपुर में हड़ताल का असर सीमित रहा और कई निजी बसें सामान्य रूप से चलती रहीं, जिससे यह भी स्पष्ट होता है कि स्थिति पूरी तरह एकसमान नहीं है। हड़ताल का कारण परिवहन विभाग की कार्रवाई को बताया जा रहा है। बस संचालकों का आरोप है कि आरसी सस्पेंड की जा रही हैं, भारी-भरकम चालान काटे जा रहे हैं, पुरानी गाड़ियों पर धारा 153 लगाई जा रही है, रास्ते में सवारियों से भरी बसों को खाली कराया जा रहा है और लगेज कैरियर लगाने की अनुमति नहीं दी जा रही। यदि विभाग नियमों का पालन करवा रहा है तो पारदर्शिता के साथ संवाद क्यों नहीं हो पाया। यदि कहीं अति हो रही है तो उसका परीक्षण क्यों नहीं हुआ। सचिवालय में वार्ता के बावजूद सहमति न बन पाना प्रशासनिक संवादहीनता का संकेत है। कटाक्ष यह है कि हमारे प्रशासनिक तंत्र को अक्सर संकट के बाद सक्रिय होते देखा जाता है। जब हजारों यात्री बस स्टैंड पर भटकने लगते हैं, तब अतिरिक्त बसों की घोषणा की जाती है। रोडवेज अधिकारियों का कहना है कि जरूरत पड़ी तो राउंड बढ़ाए जाएंगे। प्रश्न यह है कि जरूरत का आकलन पहले क्यों नहीं किया गया। यदि प्रदेश में 15 लाख से अधिक लोग प्रतिदिन निजी बसों से यात्रा करते हैं तो हड़ताल की आशंका भर से एक आपात योजना तैयार हो जानी चाहिए थी। केवल बयान जारी कर देना कि व्यवस्था कर ली जाएगी, पर्याप्त नहीं है। उदयपुर में ट्रैवल्स एसोसिएशन के पदाधिकारी धरने पर बैठे हैं। उनका कहना है कि जिन बसों का रजिस्ट्रेशन विभाग ने किया, उन्हीं के परमिट निरस्त किए जा रहे हैं और फिटनेस रद्द की जा रही है। यदि यह सही है तो नीति और क्रियान्वयन में तालमेल की कमी स्पष्ट है। वहीं प्रशासन का पक्ष है कि नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोनों पक्ष अपनी-अपनी जगह पर अड़े हैं, लेकिन पीस रहा है आम यात्री। होली और खाटूश्याम मेले के कारण पहले से ही भीड़ अधिक है।

फीचर

ऊनी कपड़ों की खास देखभाल करें

ऊनी कपड़ों को रखने करने से पहले इनको साफ कर लें। कभी भी गंदे या इस्तेमाल किए हुए कपड़ों को सीधे तौर पर पैक ना करें इससे कपड़ों की खराब होने की संभावना बनी रहती है। ऊनी कपड़े धोते वक्त पानी का ध्यान रखें और गर्म पानी से धोने से बचें।

सर्दियों का मौसम समाप्त हो रहा है। ऐसे में अब सर्दियों में पहने जाने वाली ऊनी कपड़ों को सही से संभालना महिलाओं के लिए सबसे बड़ा सवाल होता है। ऊनी कपड़ों की खास देखभाल करने की जरूरत होती है। अगर उनका सही तरीके से ध्यान ना रखा जाए तो यह जल्दी ही पुराने लगने लगते हैं और अपनी रंग और चमक भी खो देते हैं। ऐस में आप कुछ आसन उपाय अपनाकर उन्हें लंबे समय तक नया बनाये रख सकती हैं। ऊनी कपड़ों को सही तरीके से स्टोर करें ताकि अगले साल भी कपड़े नए दिखें। इसके लिए इन बातों का ध्यान रखें। ऊनी कपड़ों को रखने करने से पहले इनको साफ कर लें। कभी भी गंदे या इस्तेमाल किए हुए कपड़ों को सीधे तौर पर पैक ना करें इससे कपड़ों की खराब होने की संभावना बनी रहती है। ऊनी कपड़े धोते वक्त पानी का ध्यान रखें और गर्म पानी से धोने से बचें। ऊनी कपड़ों को धोने के लिए खास तौर पर इस्तेमाल किया जाने वाला डिटर्जेंट ही उपयोग करें। कपड़ों को सूखने के लिए सीधे तेज धूप में ना डालें। ऐसा करने से इन कपड़ों के फैब्रिक पर असर पड़ता है. धूप में सूखने के कारण कपड़े बेरंग हो सकते हैं। कपड़ों को अच्छी तरह से धोने के बाद बारी आती हैं इन्हें पैक करने की. आप जिस भी जगह स्टोर करना चाहते हैं जैसे बॉक्स या अलमारी उसकी पहले से सफाई कर लें. ऊनी कपड़ों को रखते वक्त एक ही बॉक्स में ज्यादा कपड़े नहीं रखना चाहिए. कपड़ों में गैप होना चाहिए। आप ऊनी कपड़ों को नया रखने के लिए इन्हें सूती के कपड़े से लपेटकर रखें। जहां पर आप ऊनी कपड़े रख रहे हैं वहां नीम की पत्तियों को भी रखें। यह नमी और कीड़ों से कपड़ों को बचाता है। नेफ्थलीन बॉल्स का इस्तेमाल करने से कपड़ों में अच्छी महक बरकरार रहती है।

प्रेरणा

कहीं आप पाप की पूंजी तो जमा नहीं कर रहे

क्या आपने कभी किसी के ऊपर हो रहे अत्याचार के विरूद्ध आवाज उठायी है। किसी कमज़ोर और लाचार को पिटता देखकर मदद के लिए आगे आएं हैं। अगर आपने ऐसा नहीं किया है तो समझ लीजिए आपने अपने खाते में पाप की पूंजी जमा कर ली है। जिस प्रकार से पाप और पुण्य को परिभाषित किया गया है उसके अनुसार जो व्यक्ति किसी को कष्ट में देखकर उसकी मदद नहीं करता है। किसी के भय से अथवा अपने स्वार्थ के कारण झूठ बोलता है और शरण में आये व्यक्ति की रक्षा नहीं करता है वह पापी है। इस संदर्भ में एक कथा का उल्लेख पुराणों में मिलता है। एक थे राजा शिवि। इनके धार्मिक स्वभाव और दयालुता एवं परोपकार के गुण की ख्याति स्वर्ग में भी पहुंच गयी। इन्द्र और अग्नि देव ने योजना बनायी कि राशि शिवि के गुणों को परखा जाए। एक दिन अग्नि देव कबूतर बने और इन्द्र बाज। कबूतर उड़ता हुआ राजा शिवि की गोद में आकर बैठ गया और अपनी रक्षा के लिए प्रार्थना करने लगा। इसी बीज बड़ा सा बाज राजा शिवि के पास पहुंचा और कबूतर को वापस करने के मांग करने लगा। बाज ने कहा कि, कबूतर मेरा आहार है अगर आप मुझे वापस नहीं करेंगे तो आपको मुझे भूखा रखने का पाप लगेगा। बाज की बातों को सुनकर राजा शिवि ने कहा कि कबूतर मैं तुम्हें नहीं दूंगा अगर कोई अन्य उपाय है तो बताओ। बाज ने कहा कि कबूतर के मांस के बराबर मुझे मांस दे दीजिए इससे मेरा काम हो जाएगा। राजा ने विचार किया कि एक जीव को बचाने के लिए दूसरे जीव का कष्ट देना पाप होगा। यही सोच कर राजा ने कबूतर को तराजू के एक पलडे में डाल दिया और अपने शरीर से मांस काटकर दूसरे पलड़े में रखने लगे।

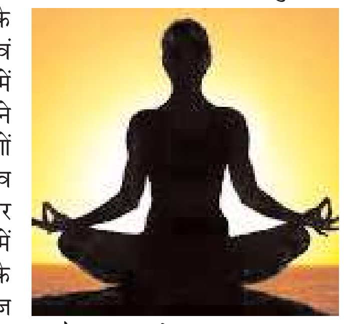

अपनी बात

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दावा किया कि पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे (सेवानिवृत्त) ने एक किताब लिखी है जिसमें उन्होंने जिक्र किया है कि जब चीनी टैंक भारतीय सीमा में घुस रहे थे, तो उन्होंने राजनाथ सिंह को आदेश लेने के लिए फोन किया, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा कि अजीत डोवाल और एस जयशंकर ने भी जवाब नहीं दिया... युद्ध का फैसला प्रधानमंत्री लेते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री ने जवाब नहीं दिया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता गौरव भाटिया ने कहा कि राहुल गांधी ने भारत को शर्मिंदा करने की यह साजिश रची है। उदय भानु चिब को एआई समिट के दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा शर्टलेस प्रदर्शन आयोजित करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, और दिल्ली पुलिस ने अदालत से उनकी 7 दिन की रिमांड मांगी थी। उदय भानु चिब को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

ब्रीफ न्यूज

बुधवार को यहां रहेगी बिजली गुल

गुना। मेंटीनेंस के चलते बुधवार को शहर के विभिन्न हिस्सो में बिजली गुल रहेगी। प्रबंधक कैंट जोन विद्युत वितरण कंपनी लिमि. द्वारा दी गई जानकारी अनुसार गुना शहर अंतर्गत 33/11 केव्ही पावर हाऊस सब स्टेशन से निकलने वाले 11 केव्ही नई सड़क फीडर पर 5 प्रतिशत सुपर विजन योजनांतर्गत कार्य होने से 25 फरवरी 26 दोपहर 01 बजे से 02 बजे तक आर्शीवाद रोड, नई सड़क, अस्पताल चौराहा तथा जैन भोजनालय का विद्युत प्रवाह बाधित रहेगा। उक्त विद्युत कटौती समयावधि को आवश्यकतानुसार घटाया अथवा बढ़ाया भी जा सकता है।

क्लब 08 बना वॉलीबॉल चैंपियन

गुना। लीडर्स इंटर-क्लब वॉलीबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में क्लब 08 ने लीडर्स क्लब को हराकर खिताबी जीत दर्ज की। इस भव्य प्रतियोगिता में गुना के 8 क्लबों ने अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। मुख्य अतिथि एसपी अंकित सोनी ने विजेता टीम के कप्तान जग्गी रघुवंशी और उनके खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। एसपी सोनी ने सभी प्रतिभागी क्लबों के खेल और उनके बीच की प्रतिस्पर्धा की जमकर सराहना की।

मोबाइल कोर्ट के माध्यम से किया जा रहा भूमि संबंधी विवाद का निराकरण

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन में मोबाईल कोर्ट के माध्यम से भूमि संबंधी विवादों का आपसी सहमति के आधार पर निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम भादौर तहसील आरोन के प्राप्त आवेदन के संबंध में मोबाइल कोर्ट की कार्यवाही के माध्यम से अनुविभागीय अधिकारी आरोन के मार्गदर्शन में ग्राम पटवारी द्वारा दल मौके पर जाकर आवेदक धर्मेश पुत्र देवीसिंह जाति रघुवंशी निवासी भादोर एवं अनावेदक राघवेंद्र पुत्र देवीसिंह रघुवंशी के मध्य ग्राम की आबादी में अनावेदक राघवेंद्र रघुवंशी द्वारा निजी मकान निर्माण के संबंध में भूमि एवं निकासी संबंधी विवाद का आवेदक एवं अनावेदक को मौके पर उपस्थित पंचानों के समक्ष मध्य विवाद का आपसी सहमति से निराकरण कराया गया। इस मोबाइल कोर्ट की कार्यवाही में नायब तहसीलदार आरोन अमित जैन, हल्का पटवारी सुनील किरार सहित आवेदक एवं अनावेदक सहित ग्राम पंचांन उपस्थित रहे।

जय स्तंभ चौराहे पर सिग्नल लगाने की मांग

गुना। शहर की बेपटरी होती यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए राष्ट्रवादी संघ ने प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। मंगलवार को संघ के सदस्यों ने कलेक्ट्रेट पहुँचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा, जिसमें जय स्तंभ चौराहे को यातायात सिग्नल (ट्रैफिक लाइट) से लैस करने का सुझाव दिया गया है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि जिस प्रकार हनुमान चौराहे पर सिग्नल लगने के बाद जाम की समस्या लगभग समाप्त हो गई है, वैसी ही व्यवस्था जय स्तंभ चौराहे पर भी आवश्यक है।

कलेक्ट्रेट में गूंजी महादेव के भक्तों की हुंकार

गुना के केदारनाथ धाम पर तालाबंदी से आक्रोश, तीन साल बाद भी नहीं खुले पट

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले की महोदरा पंचायत स्थित आस्था के प्रमुख केंद्र, महाभारत कालीन केदारनाथ धाम को पुनः खुलवाने के लिए अब साधु-संतों और जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों का स्पष्ट कहना है कि प्रशासन सुरक्षा के नाम पर पिछले तीन वर्षों से श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहा है।

चट्टान का बहाना और आस्था पर पहरा : गौरतलब है कि करीब तीन साल पहले पहाड़ी की एक चट्टान में दरार आने और उसके खिसकने की आशंका जताते हुए प्रशासन ने इस प्राचीन देव स्थल पर आम नागरिकों के प्रवेश और पूजा-अर्चना पर रोक लगा दी थी। श्रद्धालुओं का आरोप है कि इतने लंबे समय बाद भी प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने या वैकल्पिक मार्ग बनाने की जहमत नहीं उठाई। वर्तमान में मंदिर के पट बंद होने से न केवल दर्शन रुके हैं, बल्कि प्रकृति द्वारा शिवलिंग के स्वतः जलाभिषेक के अद्भुत दृश्य से भी भक्त वंचित हैं।

अस्थि विसर्जन भी रुका, प्रयागराज जैसा है महत्व : ज्ञापन सौंपने पहुँचे प्रबुद्धजनों ने बताया कि क्षेत्रवासियों के लिए केदारनाथ धाम का महत्व प्रयागराज और सोरोजी के समान है। यहाँ स्थित पवित्र कुंड में सदियों से लोग अस्थि विसर्जन करते आए हैं, लेकिन प्रशासन की पाबंदी के कारण यह धार्मिक परंपरा भी पूरी तरह ठप पड़ गई है। लोगों का कहना है कि प्रशासन की यह बेरुखी धार्मिक आस्था पर सीधा कुठाराघात है।

वन विभाग से मुक्ति और पुजारी को अनुमति की मांग : प्रदर्शनकारियों ने कलेक्टर के

समक्ष प्रमुख रूप से तीन मांगें रखी हैं। जिसमें मंदिर के महंत और पुजारी को तत्काल प्रभाव से दैनिक पूजा के लिए नीचे जाने की अनुमति दी जाए। खिसकी हुई चट्टान के अवरोध को हटाकर यात्रियों के लिए सुरक्षित वैकल्पिक रास्ता तैयार किया जाए। वहीं संपूर्ण केदारनाथ धाम परिसर को वन विभाग के नियंत्रण से मुक्त कर इसे स्वतंत्र धार्मिक न्यास के रूप में विकसित किया जाए। श्रद्धालुओं ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही भगवान भोलेनाथ के द्वार आम जनता के लिए नहीं खोले गए, तो जिले भर के शिव भक्त उग्र आंदोलन के लिए विवश होंगे।

इनका कहना है

पिछले डेढ़ दो साल से केदारनाथ धाम की जो जाने का मार्ग सीढ़ी का वहां पत्थर खिसकने की घटना हुई है। कुछ महीने पहले भी दो-तीन पत्थर ऊपर से गिरे थे। जान माल की हानि को देखते हुए वहां अंदर जाने को मना किया गया है। लेकिन प्रत्येक त्यौहार पर वहां पंचायत द्वारा बड़ी टीवी स्क्रीन के माध्यम से दर्शन कराए जाते हैं। जिससे भक्तों को दिक्कत न हो। इसमें टेक्निकल टीम द्वारा लगातार जांच और कार्रवाई की जा रही है। जैसा भी ऊपर से निर्णय आएगा उस पर अमल होगा।

-शिवानी पांडे, एसडीएम गुना

धार्मिक आस्था पर भारी मांस-मछली का बाजार गायत्री मंदिर के पास सज रही मुर्गा मंडी

स्टेशन रोड से मंदिर तक नियमों की उड़ी धज्जियाँ

सत्ता सुधार ■ गुना

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सत्ता संभालते ही सार्वजनिक स्थानों और धार्मिक स्थलों के पास खुले में मांस-मछली की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध के आदेश दिए थे। लेकिन गुना में यह आदेश महज कागजों तक सीमित नजर आ रहा है। शहर के रिहाइशी इलाकों और पवित्र मंदिरों के ठीक सामने मांस-मछली के बाजार सज रहे हैं, जिससे न केवल स्वच्छता प्रभावित हो रही है, बल्कि श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं भी बुरी तरह आहत हो रही हैं।

गायत्री मंदिर के पास मुर्गा मंडी, समाजसेवी ने उठाई आवाज : ताजा मामला शहर के प्रतिष्ठित गायत्री मंदिर का है, जहाँ प्रत्येक रविवार को मंदिर के बिल्कुल समीप मुर्गा-मुर्गी और अंडों की अवैध मंडी सज रही है। इस गंभीर मुद्दे को लेकर समाजसेवी नीलम बिंदल ने कलेक्टर के नाम आवेदन सौंपकर कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने बताया कि मंदिर एक पवित्र स्थल है, लेकिन इसके मुहाने

पर ही होने वाली मांस की बिक्री से भक्तों, महिलाओं और बुजुर्गों को दुर्गंध और गंदगी के बीच से गुजरना पड़ता है। नीलम बिंदल ने मांग की है कि इस गतिविधि को तत्काल नानाखेड़ी के आगे निर्धारित मीट मार्केट में स्थानांतरित किया जाए, ताकि मंदिर की गरिमा बनी रहे।

मुख्यमंत्री के आदेशों का मजाक : दो साल पूर्व मुख्यमंत्री मोहन यादव ने स्पष्ट निर्देश दिए थे कि किसी भी सार्वजनिक स्थान या मंदिर के 100 मीटर के दायरे में मांस की बिक्री नहीं होगी। गुना में नगर पालिका ने चंद दिनों के लिए दिखावे की कार्रवाई की, लेकिन आज फिर शहर के हर चौराहे पर अवैध ठेले लग रहे हैं। रसूख और प्रशासनिक सांठगांठ के चलते मीट मार्केट के बजाय मुख्य सड़कों को ही बूचड़खाना बना दिया गया है।

स्टेशन रोड पर नरक जैसे हालात, यात्री परेशान

शहर की सबसे शर्मनाक स्थिति रेलवे स्टेशन रोड की है। यहाँ बड़ी संख्या में मांसाहारी बिरयानी और अंडों के ठेले अवैध रूप से सड़क घेरे हुए हैं। स्टेशन से निकलने वाले सैकड़ों यात्री यहाँ फैली गंदगी और तीखी गंध के कारण नाक सिकोड़कर निकलने को मजबूर हैं। प्रशासन और नगर पालिका की लापरवाही का आलम यह है कि मुख्यमंत्री के आदेश के शुरुआती कुछ दिनों बाद यहाँ कार्रवाई पूरी तरह बंद हो गई।

मंदिरों के सामने शर्मिंदगी की दुकानें

सिर्फ गायत्री मंदिर ही नहीं, बंगला मोहल्ला स्थित शीतला माता मंदिर के सामने भी स्थिति बदतर है। यहाँ माता के मंदिर के ठीक सामने मांस-मछली की बिक्री सरेआम हो रही है। इसी तरह कैंट रोड और रपटा क्षेत्र में भी नियमों को ताक पर रखकर अवैध बूचड़खाने जैसी स्थिति बनी हुई है। प्रशासन की इस चुप्पी से आम नागरिकों में भारी आक्रोश है।

अनियंत्रित ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को मारी जोरदार टक्कर, एक युवक की मौत, तीन घायल

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले के म्याना थाना क्षेत्र अंतर्गत गत देर शाम एक भीषण सड़क हादसे में एक युवक की जान चली गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस वक्त हुआ जब भूसा बेचकर लौट रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली को एक तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी।

डीजल भरवाते समय हुआ हादसा : जानकारी के अनुसार, ग्राम पिपरिया निवासी मुन्ना भिलाला अपने साथियों के साथ ट्रैक्टर-ट्रॉली में भूसा भरकर बेचने के लिए म्याना गए थे। शाम को वापस लौटते समय चौका-चूल्हा के समीप पेट्रोल पंप पर डीजल भरवाने के दौरान पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने उनकी ट्रॉली में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मुन्ना भिलाला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

गाँव में पसरा मातम : मृतक के भाई भूरा ने बताया कि इस दुर्घटना में मुन्ना के साथ मौजूद किशन भिलाला, जितेन्द्र भिलाला और रामसिंह भी घायल हुए हैं। मृतक और सभी घायल एक ही गाँव के निवासी हैं और भूसा बेचने का काम करते थे। घटना के बाद घायलों और मृतक के शव को जिला अस्पताल गुना लाया गया। मंगलवार सुबह पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने लौटाईं मुस्कानें, 50 लाख की कीमत के 213 गुमशुदा मोबाइल मालिकों को सौंपे

सत्ता सुधार ■ गुना

मोबाइल फोन आज के दौर में केवल बातचीत का साधन नहीं, बल्कि इंसान की निजी और व्यावसायिक दुनिया का अहम हिस्सा बन चुका है। इसी संवेदनशीलता को समझते हुए गुना पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के नेतृत्व में चलाए गए विशेष अभियान के तहत पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक ने जिले भर से खोजे गए 213 मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को वापस लौटाए। बरामद किए गए इन मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत 50 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है।

तकनीकी टीम और पोर्टल का कमाल : एएसपी मान सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में पुलिस की तकनीकी और साइबर टीम ने गुम हुए मोबाइलों की रिकवरी के लिए भारत सरकार के सीईआईआर पोर्टल का प्रभावी उपयोग किया। पुलिस की इस सक्रियता और तकनीकी दक्षता के कारण ही जिले के विभिन्न थानों में दर्ज गुमशुदगी के आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई संभव हो सकी। एसपी अंकित सोनी ने बताया कि मोबाइल गुम होने पर तुरंत थाने में सूचना देना आवश्यक है, ताकि समय रहते तकनीकी ट्रैकिंग शुरू की जा सके। इस सफलता में साइबर सेल प्रभारी कुलदीप यादव और उनकी टीम के साथ जिले के सभी थानों के पुलिस कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में सीएसपी प्रियंका मिश्रा, एसडीओपी विवेक अष्ठाना, दीपा डोडवे, मनोज कुमार झा सहित जिले के कई थानों के निरीक्षक और उपनिरीक्षक मौजूद रहे।

मोबाईल पाने वाले कुछ प्रमुख फरियादी : पुलिस ने जिन लोगों को मोबाइल सौंपे उनमें मुख्य रूप से मनोज पालीबाल, प्रेमलता चौहान, सुरेन्द्र राजपूत, अवधराज यादव, रति सिंह राजपूत, पूनम केवट, नीरज भील, नितेश धाकड़, रामकृष्ण मगिया, अजय मंडेलिया, लक्ष्मीनारायण अहिरवार, सुनील यादव, बृजेश जाटव, भानू अहिरवार, राजाराम ढीमर, विष्णु प्रजापति, अशोक कुशवाह, प्रवीण सुमन, सुमित प्रजापति, विनोद मेर, दिलीप साहू, रोहित धाकड़, संजू कुशवाह, अभिषेक कुशवाह, महेश गुदेन, रामहेत मीना, पवन शर्मा, हीरालाल पाल, ज्योति जैन, भारत यादव आदि शामिल रहे।

नशे की हालत में घर लौटे युवक ने रात में लगाई फांसी, तीन मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

सत्ता सुधार ■ गुना

शहर से लगे ग्राम सकतपुर में एक व्यक्ति द्वारा फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक की पहचान 35 वर्षीय दौलतराम पटेलिया पिता पूरन सिंह पटेलिया के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

शराब के नशे में घर लौटा था युवक : मृतक की पत्नी लक्ष्मीबाई पटेलिया ने बताया कि दौलतराम बाहर मजदूरी का काम करता था। सोमवार शाम जब वह घर लौटा तो अत्यधिक शराब के नशे में था और उसके कदम लड़खड़ा रहे थे। पत्नी ने उसे सहारा देकर खाट पर सुला दिया। खाना खाने के बाद पूरा परिवार सो गया था, लेकिन आधी रात के बाद किसी समय दौलतराम ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी का फंदा बना लिया। मंगलवार तड़के करीब 3 बजे जब पत्नी की नींद खुली, तो उसने पति का शव

फंदे पर लटका देखा, जिसके बाद घर में चीख-पुकार मच गई। पत्नी ने अपने पिता खदान सिंह को सूचना दी। वो सकतपुर पहुंचे और कैंट पुलिस को भी सूचना दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारा और पीएम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम किया गया। दौलतराम के ससुर खदान सिंह ने बताया कि उनके दामाद ने कभी किसी तरह की परेशानी का जिक्र नहीं किया। सभी लोग अच्छे से रह रहे थे। उसने ये कदम क्यों उठाया, यह समझ नहीं आ रहा है।

बिखरा हुआ है परिवार : मृतक की पारिवारिक स्थिति काफी हृदयविदारक है। बताया जा रहा है कि दौलतराम के माता-पिता पिछले तीन साल से लापता हैं और उसके पांच भाइयों के बारे में भी कोई जानकारी नहीं है। मृतक अपने पीछे पत्नी और तीन छोटे बच्चों को रोता-बिलखता छोड़ गया है। मंगलवार सुबह जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस फिलहाल आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है।

शराब की लत ने ली युवक की जान, अकेलेपन में जहरीला पदार्थ खाकर की खुदकुशी

इधर शहर की भगत सिंह कॉलोनी में रहने वाले एक युवक दीपक रघुवंशी ने जहरीला पदार्थ (सेलफास) खाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार, दीपक का पूरा परिवार इंदौर के पास पीतमपुर की एक फैक्ट्री में काम करता है और वह यहाँ गुना में अकेला रहता था। बताया जा रहा है कि दीपक शराब का अत्यधिक आदी था और घर में अकेले होने के कारण तनाव या नशे की हालत में उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। घटना के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया है और परिजनों को सूचित कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

इच्छा मृत्यु दें या देश निकाला, जमीन पर कब्जे से परेशान होकर जनसुनवाई में 75 वर्षीय बुजुर्ग ने लगाई गुहार

सत्ता सुधार ■ गुना

मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में उस वक्त हृदयविदारक स्थिति निर्मित हो गई, जब ग्राम चक चेरिया निवासी 75 वर्षीय बुजुर्ग श्याम बाबू शर्मा अपने परिवार के 22 सदस्यों के साथ गुहार लगाने पहुंचे। पीड़ित बुजुर्ग ने प्रशासन को चेतावनी भरे लहजे में आवेदन सौंपकर इच्छा मृत्यु या देश निकाला देने की मांग की है। श्याम बाबू शर्मा का आरोप है कि वे पिछले लंबे समय से अपनी पुश्तैनी जमीन को बचाने के लिए दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं और अब तक सात बार जनसुनवाई में आवेदन दे चुके हैं, लेकिन नतीजा शून्य रहा है। पीड़ित के अनुसार, उनकी जमीन पर कुछ लोग अवैध रूप से कब्जा कर रहे हैं और विरोध करने पर उन्हें झूठे हरिजन एक्ट में फंसाने की धमकी दी जाती है। लगातार मिल रही धमकियों और प्रशासनिक बेरुखी से पूरा परिवार टूट चुका है। बुजुर्ग का कहना है कि जब कानून उनकी संपत्ति की रक्षा नहीं कर पा रहा, तो उन्हें सपरिवार मौत की आज्ञा दे दी जाए।

बाँसखेड़ी में गंदे पानी की निकासी बंद, जनसुनवाई में लगाई गुहार : इधर शहर के बाँसखेड़ी क्षेत्र स्थित कैलाश की बाड़ी के निवासियों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जनसुनवाई में गंदे पानी की निकासी की समस्या को लेकर गुहार लगाई। कलेक्टर के नाम सौंपे गए आवेदन में रानी यादव, सरदार खाँ और शिवराज सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले दबंगों ने ताकत के बल पर

मोहल्ले के पानी का पुराना निकास बंद कर वहां बाड़ी बना ली है। जल निकासी रुकने से पूरे क्षेत्र में गंदा पानी जमा हो रहा है, जिससे छोटे बच्चों में हैजा और अन्य गंभीर बीमारियाँ फैलने का खतरा पैदा हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि जब वे पानी निकासी की बात करते हैं, तो उन्हें जान से मारने की धमकी और गालियां दी जाती हैं। निवासियों ने प्रशासन से मौके की जांच कराकर रास्ता खुलवाने और जल निकासी बहाल करने की मांग की है।

भुल्लनपुरा के रहवासियों ने मांगी सड़क और गंदगी से निजात, पार्षदों पर लगाया अनदेखी का आरोप : इस दौरान शहर के भुल्लनपुरा स्थित बी.जी. रोड, शीतला माता मंदिर गली के रहवासियों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जनसुनवाई में अपनी बदहाली की गुहार लगाई। कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में आवेदकों ने बताया कि वे पिछले 15 वर्षों से सड़क और जल निकासी की समस्या से जूझ रहे हैं। पूरी गली में नालियों का गंदा पानी भरा रहता है, जिससे हर समय बीमारियां फैलने का डर बना रहता है। रहवासियों ने वार्ड क्रमांक 21 के पार्षद रामवीर जाटव और वार्ड क्रमांक 24 के पार्षद दिनेश कोरी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि शिकायत लेकर जाने पर जनप्रतिनिधि बात को टाल देते हैं और सफाई तक नहीं कराई जाती। दो वार्डों की सीमा में उलझी इस गली के नागरिकों ने प्रशासन से सड़क निर्माण और गंदगी से मुक्ति दिलाने की मांग की है।

वार्ड 12 में नलों से उगल रहा जहरीला पानी, 15 दिनों से वार्डवासी परेशान

इंदौर जैसी जनहानि का सता रहा डर

गुना। शहर के वार्ड क्रमांक 12 स्थित शीतला माता मंदिर और ढीमर मोहल्ला क्षेत्र में पिछले 15 दिनों से नलों में दूषित और लाल पानी आने से हाहाकार मचा हुआ है। मंगलवार को मोहल्ले की दर्जनों महिलाओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा और जल्द सुधार की मांग की।

पार्षद और प्रशासन की अनदेखी : वार्डवासी रामप्यारी, शीला और हेमलता ने बताया कि अस्वच्छ पानी की समस्या को लेकर उन्होंने कई बार नल ऑपरेटर और क्षेत्रीय पार्षद को अवगत कराया, लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई। गंदा पानी पीने से क्षेत्र में बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ गया है।

इंदौर की घटना का हवाला : ज्ञापन में महिलाओं ने इंदौर में दूषित पानी से हुई जनहानि का उदाहरण देते हुए प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि समय रहते पाइपलाइन की मरम्मत नहीं कराई गई, तो यहाँ भी बड़ी अनहोनी हो सकती है। आवेदकों ने मांग की है कि नगर पालिका की टीम तुरंत मौके पर भेजकर शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए।

सर्दियों में कैसे बचाएं अपने दिल को

बदलते लाइफ स्टाइल के इस दौर में हार्टअटैक के मामले ज्यादा देखने को मिल रहे हैं। पहले लोगों का ऐसा मानना था कि 60 वर्ष से ऊपर के बुजुर्ग ही इसकी चपेट में आते हैं, परन्तु अब ऐसा नहीं रह गया है। 30 से 40 साल के लोगों में भी इसका खतरा होता है। वैसे तो हार्ट अटैक कभी भी हो सकता है परन्तु जाड़े में ऐसे मरीजो का औसत दर ज्यादा बढ़ जाता है। इसका मुख्य कारण जाड़े में खून की नलियो का सिकुड़ना है। राजेंद्र आयुर्विज्ञान एवं प्रशिक्षण संस्थान , रांची के डॉक्टर संजय सिंह का कहना है कि जाड़े में खून की नलिया ज्यादा सिकुड़ती हैं। जब खून की नलिया सिकुड़ने लगेंगी तब रक्त का प्रवाह धीरे-धीरे कम होने लगेगा, जिससे हार्ट अटैक की आशंका बढ़ जाती है।

बचाव के उपाय – डॉक्टर संजय के अनुसार जब ठंड ज्यादा बढ़ जाए तो उससे बचने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। सुबह टहलने वाले लोग मौसम के अनुकूल अपने समय में बदलाव करें। ज्यादा सुबह न निकलें। ज्यादा दूरी तक न टहलें। जो लोग ब्लडप्रेशर, हार्ट, शुगर आदि के मरीज हैं वे डॉक्टर से जरूर सलाह लें।

खाने में क्या लें – मौसमी फल, सलाद एवं आंवले जरूर लें। सलाद में भी प्याज एवं टमाटर ज्यादा से ज्यादा लें।

लक्षण – जब अपने शरीर में अप्रत्याशित बदलाव महसूस करें। जैसे ज्यादा पसीना आना, घबराहट, चक्कर आना एवं सीने में दर्द महसूस होना। पेट खराब एवं उल्टी होना ठंड लगने के लक्षण हैं। जैसे ही इसका अहसास हो, डॉक्टर के पास तुरंत जाएं।

सर्दी-जुकाम-खासी को ऐसे दें शिकस्त

सर्दियो का मौसम आम तौर पर स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है, किंतु यदि आप कफ विकार से ग्रस्त है तो इससे आप सर्दियों के पूरे मौसम में जुकाम-खासी व सांस रोग से परेशान हो सकते है। प्रस्तुत है, इन तकलीफों से निजात पाने के उपाय

- ठंडा पानी या ठंडे पेय लेने के बजाय गुनगुना पानी पिएं। अदरक डालकर सब्जियों का सूप पिएं।
- तेज भूख लगने पर ही भोजन करें, क्योंकि कम भूख या भूख के बगैर भोजन लेने से हाजमा सही नहीं होगा और कफ बनेगा।
- गेहू के आटे में चौथाई या आधी मात्रा में चने का आटा मिलाकर रोटी बनाएं। यदि चावल खाना है, तो उसमें काली मिर्च, तेज पत्ता आदि गर्म मसाला मिलाएं।
- भोजन खूब चबाकर करें और भूख से थोड़ा कम खाएं।
- कब्ज न रहने दें। इसके लिए प्रातः गर्म पानी पीकर व्यायाम करने के बाद शौच जाएं।
- दिन में तीन से चार बार सरसों का या बादाम का तेल 4–5 बूंद नाक में डालकर कफ निकालें।
- नासिका क्षेत्र में मैग्नेट का साउथ पोल 5 मिनट तक घुमाने से साइनोसाइटिस में लाभ मिलता है।
- पीठ की ओर से गर्म पानी की थैली से सुबह शाम सेंक करने से फेफड़ों की सर्दी बहुत जल्दी दूर हो जाती है।

सावधानिया

- रात को बायीं करवट सोएं।
- कानों में ठंडी हवा का झोंका न लगे, इसके लिये कान में रुई लगाए रखें।
- अगर आप जलनेति करते है, तो उसके बाद विरेचन प्राणायाम करें।
- खुले पैर घास में न टहलें।
- ठंडे खाद्य व पेय पदार्थ ग्रहण न करें।

वेडिंग डाइट प्लान

फिट रहना हर किसी के लिए जरूरी है, लेकिन होने वाली दुल्हन के लिए अपनी सेहत और फिटनेस पर ध्यान देना अनिवार्य है। दौड़भाग, शादी की तैयारियां और तनाव के चलते डाइट पर कंट्रोल करना मुश्किल होता है। फोर्टिस हॉस्पिटल की चीफ डाइटीशियन किरण दलाल और क्लीनिकल न्यूट्रिशनिस्ट निधि सरीन बता रही हैं भावी दुल्हन अपनी डाइट का प्लान कैसे करें कि वजन नियंत्रित रहे....

आमतौर पर लड़कियों का वजन शादी से पहले तीन कारण से बढ़ता है- भागदौड़, तनाव और लगातार पार्टी। इसी तरह शादी के बाद वजन बढ़ने के तीन मुख्य कारण हैं- प्रेग्नेंसी, शादी के बाद परिवार, घर और अन्य जिम्मेदारियों में इतना व्यस्त हो जाना कि खानपान पर ध्यान न दे पाना, पति के साथ उनकी तरह ही पोर्शन लेना, जाने-अनजाने वे एक्स्ट्रा कैलोरी ले लेती हैं। एक बार फैट शरीर पर बढ़ने लगता है तो उसे रोकना काफी मुश्किल होता है। बेहतर होगा अगर पहले से ही खानपान की कुछ आदतों पर अमल किया जाए और डाइट प्लान बनाया जाए। अगर आप शादी से पहले और बाद में अतिरिक्त वजन को हटाना चाहती हैं तो यहां दी गई बातों पर गौर फरमाएं।

शादी से पहले

- अपने दिन की शुरुआत नीबू मिले गर्म पानी से करें। इसमें क्रश किए हुए पुदीने के पत्ते भी मिला सकती हैं।
- जब भूख लगे सूप या जूस पिएं।
- अगर आप कैलोरी में कटौती करना चाहती हैं तो सबसे पहले चीनी, आइसक्रीम, केक, पेस्ट्री और प्रोसेस्ड फूड को अपने आहार से हटाएं।
- रोजाना के हिसाब से अपना लक्ष्य बनाएं। प्रतिदिन आपको 1,600 कैलोरी मिलनी चाहिए, लेकिन इससे कम करने की कोशिश करें। यह ध्यान रखें कि दिनभर में आपको कम से कम तीन मील्स और दो स्नैक्स मसलन फल या रोस्टेड नट्स या फिर स्टीम्ड फर्मेंटेड फूड लेने हैं।
- दिन की शुरुआत के लिए ब्रेकफास्ट बहुत जरूरी है। इसमें मीठे से बचें। लो फैट मिल्क प्रोडक्ट्स को प्राथमिकता दें। एक-दो सर्विंग मल्टीग्रेन सीरियल, स्प्राउट्स या बींस और कटे हुए फल लें। इससे आपको ब्रेकफास्ट से लगभग 300 कैलोरी मिलेगी। बाकी कैलोरी आपको लंच और डिनर से मिलनी चाहिए।
- लंच/डिनर में होलग्रेन सीरियल, दालें या ग्रिल्ड फिश या चिकन के एक टुकड़े के साथ लो फैट प्रोबायोटिक दही, सलाद और एक बोल स्टीम्ड रंगीन सब्जियां लें।
- शादी से एक महीने पहले अचानक पांच किलो वजन घटाना भी ठीक नहीं है। अगर ऐसा चाहती हैं तो इसके लिए आपको शादी से छह महीने पहले अपने आहार पर ध्यान देना होगा। इसका सीधा असर आपके बाल और त्वचा पर पड़ेगा।
- अच्छी त्वचा के लिए गाजर, एप्रिकॉट, पीले और नारंगी रंग के फल व सब्जियां खाएं। पालक और अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों को प्राथमिकता दें। टमाटर खाएं, उसमें लाइकोपीन पाया जाता है।
- अखरोट खाएं, इसमें ओमेगा फैटी एसिड पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है, जो बालों को चमकदार और त्वचा को बेहतर बनाता है।
- दिनभर में चार-पांच कप ग्रीन टी पिएं।
- इस दौरान अल्कोहॉल व धूम्रपान से दूर रहें।
- सैलेड, सूप और फलों का सेवन करने से फैटी एसिड मिलेगा, जिससे आपको एनर्जी भी मिलेगी।
- त्वचा में पानी की कमी न होने दें। दिनभर में पर्याप्त पेय पदार्थ जैसे जूस, सूप, पानी खूब पिएं।

शादी के बाद

- जो कुछ भी खाएं धीरे-धीरे और खुश होकर खाएं। टीवी के सामने या बात करते हुए न खाएं। धीमी गति से खाने से आपको जल्दी ही पेट भरा हुआ महसूस होगा।
- ब्रेकफास्ट एक साथ करें। जिसमें एक बाउल फ्रूट्स, मुसली या फिर ओटमील हो।
- लंच में हरी सब्जियों वाला सूप जरूर लें। नॉन वेजेटेरियन हैं तो प्रॉन्स को प्राथमिकता दें।
- उस समय कतई न खाएं, जब आप तनाव या गुस्से में हों।
- ब्लैक कॉफी, जंक फूड, चाय से जहां तक हो सके दूर रहें। रिफाइंड प्रोडक्ट से बचें।
- पार्टनर के साथ एक्सरसाइज जरूर करें। फिजिकल एक्टिविटी बढ़ाने से दिल की सेहत अच्छी रहती है। कोलेस्ट्रॉल और ब्लडप्रेशर नियंत्रित रहता है। डिनर के बाद रोजाना एक घंटा टहलने का लक्ष्य बनाएं।
- एक-दूसरे के पोर्शन को मैच न करें, क्योंकि पुरुषों को दिनभर में अलग कैलोरी और स्त्रियों को भिन्न कैलोरी की जरूरत होती है। पुरुषों को स्त्रियों की अपेक्षा अधिक कैलोरी की जरूरत होती है।
- जो भी खाएं पौष्टिक हो, लेकिन खाने की मात्रा हमेशा ध्यान में रखें।
- सब कुछ खाएं, लेकिन सीमित मात्रा में ताकि आप फिट और स्वस्थ रहें। संतुलित डाइट लें। खाने पर नियंत्रण का यह मतलब नहीं कि आप एक्सरसाइज करना छोड़ दें। साथ-साथ यह भी जरूरी है।

डांस करके घटाइए वजन

डांस के दौरान हाथ-पैरों के साथ ही पूरे शरीर की एक्सरसाइज हो जाती है। डांस करने से शरीर का ब्लड सर्कुलेशन बहुत तेज होता है,साथ ही शरीर की मांसपेशियों पर भी काफी खिंचाव पड़ता है,जो स्वस्थ बनाए रखता है। मोटापे से ग्रसित वे लोग, जिन्हें योगा और जिम जाना अच्छा नहीं लगता है,डांस के द्वारा मोटापे पर नियंत्रण पा सकते हैं। जी हां,डांस करने से मनोरंजन तो होता ही है,साथ ही इससे पूरे शरीर की कसरत भी हो जाती है। यह खुद को फिट रखने का सबसे अच्छा तरीका है। इससे शरीर के हर एक अंग की अच्छी कसरत हो जाती है। हर रोज डांस करने से पूरा शरीर स्वस्थ रहता है। डांस का दिमाग पर भी अनुकूल असर पड़ता है। इससे शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी ठीक बना रहता है। जो लोग थोड़ी देर तक ही सही लेकिन नियमित डांस करते है,उनको मोटापे की समस्या नहीं होती और वे स्वस्थ बने रहते हैं। डांस फ्लोर पर कम से कम पांच मिनट डांस करने मात्र से शरीर की तीस कैलोरी ऊर्जा बर्न हो जाती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि जो लोग कम उम्र में ही डांस करना शुरू कर देते है,उन्हें कम तनाव होता है और उनकी सेहत फिट बनी रहती है।

एलोवेरा बनेगा किडनी का सुरक्षा कवच

वनस्पतियों में छिपे औषधीय गुणधर्म हजारों साल से जीवन को संजीवनी देते रहे हैं, लेकिन उनके अनुसंधान पर परिणामी काम नहीं हुआ। अंग्रेजी दवाओं की भेंट चढ़ती जिंदगी में फिर से जान फूंकने के लिए चिकित्सा जगत आयुर्वेद की शरण में खड़ा है। लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज के फार्माकोलोजी विभाग में गिलोय के बाद अब एलोवेरा पर चल रहे एक शोध में इसे किडनी रोगों पर अत्यंत लाभकारी पाया गया है। चरक संहिता में भी एलोवेरा को औषधीय गुणों से लबरेज बताया गया है, किंतु वैज्ञानिक शोध पर आधारित पुष्टि की कमी रही। फार्माकोलोजी विभाग की एमडी की छात्रा डॉ. शालिनी वीरानी ने चूहों पर किए गए एक शोध में पाया कि एलोवेरा के सेवन से एक माह में उनकी किडनी पूरी तरह ठीक हो गई।

महंगी डायलिसिस से मिलेगी निजात

किडनी रोगियों की संख्या बढ़ने से चिकित्सा के समक्ष एक कठिन चुनौती है। एलोपैथिक में किडनी रोगियों को डायलिसिस पर रखा जाता है, जो महंगा होने के साथ-साथ साइड इफेक्ट भी करता है। एलोवेरा से किडनी रोगों में चमत्कारिक सुधार के संकेत से अब विभाग ट्रायल का दूसरा चरण शुरू करेगा। बाद में इसके पेटेंट के लिए आवेदन किया जाएगा।

मन को जोड़ें सांसों से

मन को काबू में करने का मतलब है अपनी अनियंत्रित विचारशैली को नियंत्रित करना। मन को सांसों से जोड़िए। प्राणवायु से जुड़ते ही बेलगाम मन पर नियंत्रण करना आसान हो जाएगा। अपने विचारों को रोकने का प्रयास करें। विचार रुकते ही मन धीमा होगा, इसे फिर सांसों से जोड़ दें। मन का सांस से गहरा संबंध है। मन सारी इंद्रियों का स्वामी है और सांस मन का। इसलिए श्वास के नियंत्रण से हम चित्त को स्थिर करके आंतरिक शांति प्राप्त कर सकते हैं। जब भी बेचैनी हो, मन अशांत हो, तनाव हो, तो पद्मासन में बैठकर सांस भीतर खींचे, उसे थोड़ी देर भीतर ही रोकें, फिर धीरे-धीरे छोड़ दें। ऐसा प्रयोग दिन में दो-तीन बार करने से आप काफी सहज महसूस करेंगे।

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से हॉलीवुड तक पहुंचने के अपने संघर्ष पर चर्चा की

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा हाल ही में सालाना हार्वर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस में शिरकत करने पहुंचीं। यहां उन्होंने अपने देश और बॉलीवुड से हॉलीवुड तक पहुंचने के अपने सफर पर चर्चा की। उन्होंने अपने संघर्ष के बारे में बताया। साथ ही वे हॉलीवुड तक पहुंचीं, इसका क्रेडिट ऐश्वर्या राय और इरफान खान सरीखे सितारों को दिया। प्रियंका का कहना है कि इन सितारों ने हॉलीवुड के रास्ते खोले।

प्रियंका ने शेयर किया इमोशनल नोट

प्रियंका चोपड़ा ने हार्वर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए अपने करियर और हॉलीवुड तक के सफर का भी जिक्र किया। इस दौरान उन्होंने हॉलीवुड में रास्ता बनाने का क्रेडिट ऐश्वर्या राय, इरफान खान और मिंडी कालिंग को दिया। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट भी शेयर किया है। इसमें अपनी करियर जर्नी पर एक इमोशनल नोट लिखा है।

इन हस्तियों ने दूसरों के लिए रास्ते आसान बनाए

प्रियंका चोपड़ा ने यह स्वीकार किया कि किस तरह एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय, दिवंगत एक्टर इरफान खान और अमेरिकन एक्टर-कॉमेडियन मिंडी कालिंग के सफर ने हॉलीवुड में उनके अपने करियर में योगदान दिया। उन्होंने इन पर्सनैलिटीज को ट्रेलब्लेजर बताया, जिनकी कामयाबियों ने दूसरों के लिए रास्ते तैयार किए। उनके नक्शेकदम पर चलना मुमकिन बनाया।

प्रियंका ने जाहिर किया उत्साह

प्रियंका चोपड़ा ने साझा किए गए पोस्ट के साथ लिखा है, 'मेरे दिन की शुरुआत ऐसे हुई। मुझे अपनी सबसे करीबी दोस्तों और बिजनेस पार्टनर अंजुला आचार्य के साथ मशहूर हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में इंडिया वीक खत्म करने के लिए एक फायरसाइड कीनोट एड्रेस देना था। टॉपिक था 'जैसा इंडिया हम सोचते हैं'। यहां ऑडियंस में देखते हुए मेरे मन में बस एक ही ख्याल आया, 'तुम वही इंडिया हो, जिसकी मैंने कल्पना की थी'। प्रियंका चोपड़ा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी।

'लोका 2' पर कल्याणी प्रियदर्शन ने दिया अपडेट

पिछले साल मलयालम फिल्म 'लोका चैप्टर 1' ने दर्शकों को हैरान किया। फिल्म की कहानी वुमन सुपरहीरो चंद्रा पर थी। बॉक्स ऑफिस पर भी इसने कमाल का कलेक्शन किया। अब इसका दूसरा पार्ट भी बनने वाला है। फिल्म को लेकर लीड एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन ने अपडेट दिया है।

जल्द शुरू होगी शूटिंग

हाल ही में एक इवेंट में कल्याणी प्रियदर्शन शामिल हुईं। इस दौरान ही एक्ट्रेस ने 'लोका 2' को लेकर बात की। वह कहती हैं, 'फिल्म 'लोका 2' की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। उम्मीद है कि शूटिंग सितंबर से शुरू होगी। मैं फिल्म का हिस्सा हूं। आप फिल्म का इंतजार करें।'

क्या थी कहानी?

मलयालम फिल्म 'लोका' एक वुमन सुपरहीरो की कहानी थी। इसमें चंद्रा नाम की एक लड़की है, जिसमें पास कुछ सुपरपावर होती हैं। वह बेंगलुरु में रहने आती है और असहाय पुरुष और महिलाओं को मुश्किलों से बचाती है। वह उड़ सकती है, उसके पास लड़ने की असीम क्षमता, ताकत है। इस फिल्म का एक्शन, ड्रामा दर्शकों को पसंद आया है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छाई कमाई की थी।

फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर की छप्परफाड़ कमाई

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'लोका' का बजट 33 करोड़ रुपये है। इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर ग्रास 183.96 करोड़ रुपये कमाए थे। इस फिल्म को कई एक्ट्रेस से सराहा। इस पहली वुमन सुपरहीरो मूवी कहा।

एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश वारियर ने अजित कुमार के लिए लिखा खास नोट

मलयालम एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश वारियर ने हाल ही में तमिल सुपरस्टार अजित कुमार के लिए एक खास नोट शेयर किया है। फिल्म 'गुड बैड अगली' में उनके साथ काम कर चुकी प्रिया उन्हें चीयर करने पहुंची थीं। इसी की कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर कर उन्होंने अजित के लिए कुछ खास लिखा। प्रिया ने अबू धाबी के यास मरीना सर्किट से कुछ तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा, 'प्योर पैशन, डिसिप्लिन और निडर समर्पण... जिस तरह वह जिंदगी और रेसिंग दोनों में बेहतरीन बनने की कोशिश करते हैं, वह बेहद प्रेरित करने वाला है। असली महानता अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने, विनम्र रहने और अपने जुनून को कभी न छोड़ने में है। अजित सर, मुझे बुलाने के लिए धन्यवाद! आपके और आपकी शानदार टीम के साथ रहना बहुत खास लगा। हम आपके लिए चीयर कर रहे हैं।' बता दें, अजित कुमार इन दिनों अपनी रेसिंग टीम के साथ इंटरनेशनल कार रेसिंग प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे हैं। प्रिया से पहले तमिल स्टार शिवकार्तिकेयन भी अबू धाबी पहुंचकर अजित और उनकी टीम से मुलाकात कर चुके हैं।

इस फिल्म में नजर आएंगी प्रिया

एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश वारियर हाल ही में निर्देशक अखिल सथ्यान की फिल्म 'सर्वम माया' में कैमियो रोल में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ निविन पॉली और रिया शिबू भी अहम भूमिकाओं में थे। अब खबर है कि प्रिया जल्द ही हीस्ट थ्रिलर फिल्म '3 मंकीज' में दिखाई देंगी, जिसे डायरेक्टर जोड़ी अब्बास-मस्तान बना रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मल्टी-स्टारर फिल्म में अर्जुन रामपाल और रानी मुखर्जी समेत कई बड़े नाम शामिल हैं।

हॉरर-थ्रिलर हुई रजनीश दुग्गल सुपरनैचुरल की वापसी

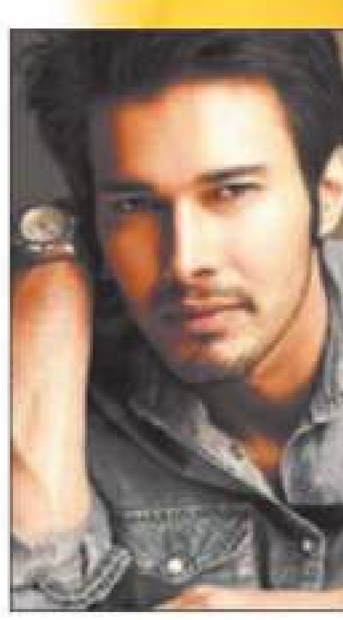

अपकमिंग बॉलीवुड हॉरर फिल्म का फर्स्ट-लुक पोस्टर आ गया है और इसे देखकर आपके रोंगटे जरूर खड़े हो जाएंगे। फिल्म को ज्योति राज गवाली प्रोड्यूस कर रही हैं। वहीं राज गवाली को-प्रोड्यूसर हैं और निर्देशन की कमान सौरभ चौबे ने संभाली है।

पोस्टर ने बढ़ाई धड़कनें

पोस्टर में एक पुरानी, आधी खुली लकड़ी की अलमारी से एक रहस्यमयी महिला बाहर आती दिखाई दे रही है। अलमारी के अंदर से निकलती लाल रोशनी उसके खून से सने सफेद गाउन को और डरावना बना रही है। चारों ओर धुआं, गहरे साए और खौफ का माहौल, पूरा सीन किसी डरावने सपने जैसा लगता है। लाल रंग में लिखा फिल्म का टाइटल 'द वॉर्डरोब' अंधेरे बैकग्राउंड पर और भी डरावना एहसास दे रहा है।

कैनेडी को लेकर सनी लियोनी के दिल में बैठा डर, अभिनेत्री ने तोड़ी चुप्पी

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर बड़े नामों से जुड़ा प्रोजेक्ट कलाकारों के लिए एक सपने जैसा होता है। ऐसा ही अनुभव अभिनेत्री सनी लियोनी ने साझा किया। अपनी अपकमिंग स्ट्रीमिंग फिल्म 'कैनेडी' को लेकर सनी लियोनी ने बताया कि इसका हिस्सा बनने पर उन्हें आखिरी दिन तक यकीन नहीं हो रहा था। उन्हें हमेशा रिप्लेस होने का डर रहा। सनी लियोनी इन दिनों अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी 'कैनेडी' की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म को 2023 में कान फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था। इसके अलावा, फिल्म ने कई इंटरनेशनल फेस्टिवल्स में सराहना प्राप्त की है। सनी ने कहा, ''जब मुझे इस फिल्म का ऑफर मिला, तो मैं काफी हैरान थी। मुझे भरोसा ही नहीं था कि मैं इस फिल्म का हिस्सा बन गई हूं। ट्रायल्स, वर्कशॉप्स और मीटिंग्स सब कुछ होने के बावजूद, मेरे मन में यह डर बना रहा कि कहीं आखिरी समय पर मुझे फिल्म से रिप्लेस न कर दिया जाए।''

उन्होंने कहा, ''एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में चीजें पल भर में बदल जाती हैं। मैंने कई बार ऐसा देखा है कि सब कुछ तय होने के बाद भी कलाकार बदल दिए जाते हैं। इसी वजह से मुझे तब तक चैन नहीं मिला, जब तक मैंने सेट पर पहुंचकर कैमरे के सामने शॉट नहीं दिया। पहला सीन शूट होने और फिर अगला सीन शुरू होने के बाद मुझे यकीन हुआ कि अब शायद उन्हें रिप्लेस नहीं किया जाएगा।'' सनी लियोनी ने कहा, ''पहला शॉट ओके होने के बाद मेरे मन में एक अलग ही सुकून था। मुझे लगा कि मैंने अपना काम ठीक से किया है और शायद यही वजह है कि टीम अब मुझ पर भरोसा कर रही है।''

फिल्म 'कैनेडी' में सनी लियोनी चार्ली नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। अपने किरदार के एक खास सीन का जिक्र करते हुए सनी ने बताया कि यह सीन एक होटल रूम में शूट हुआ है, जहां मेरा किरदार चार्ली एक पुलिस ऑफिसर का इंतजार करती है। वह डरी हुई है, परेशान है और वहां रहना नहीं चाहती, लेकिन उसे पता है कि आगे क्या होने वाला है। इस सीन में बाथरूम से बाहर आकर चेहरे पर नकली मुस्कान लाना, उनके लिए भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण रहा। सनी ने कहा, ''यह सीन आम जिंदगी से जुड़ा हुआ है। कई बार हम सब भी ऐसे हालात से गुजरते हैं, जहां अंदर से टूटे हुए होते हैं, लेकिन बाहर से मुस्कुराना पड़ता है। यही वजह है कि यह सीन मेरे लिए बेहद खास है।''

अनुराग कश्यप ने 'निशांची' को बताया 'सिनर्स' से बेहतर

निर्माता-निर्देशक व अभिनेता अनुराग कश्यप इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कैनेडी' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच अनुराग कश्यप ने अपनी पिछली फिल्म 'निशांची' को बनाने पर गर्व जताते हुए इसके स्पेशल इफेक्ट्स को हॉलीवुड फिल्म 'सिनर्स' से भी बेहतर बताया है। 'निशांची' दो भागों में बंटी एक क्राइम ड्रामा है, जिसमें कानपुर में रहने वाले जुड़वां भाइयों बबलू और डब्लू की कहानी है।

अनुराग ने स्पेशल इफेक्ट्स के लिए की रेड चिलीज की तारीफ

बातचीत के दौरान अनुराग ने कहा कि अन्य फिल्म निर्माताओं के साथ काम करते हुए, मैं काम करने की एक नई शैली देख रहा हूं। यह शैली आ रही है और दक्षिण में हर जगह देखने को मिल रही है। वे वहीं पर शूटिंग और एडिटिंग करते हैं। वे एक दिन में एक ही सीन शूट करते हैं और शॉट्स नहीं लेते। मेरे लिए स्पेशल इफेक्ट्स के साथ 'निशांची' के दोनों भाग, जिनमें अभिनेता ने दो अलग-अलग तरह की दोहरी भूमिका निभाई है - जिस पर मुझे बहुत गर्व है। स्पेशल इफेक्ट्स के मामले में सिल्वेस्टर और रेड चिलीज ने जो उपलब्धि हासिल की है, वो वाकई कमाल है। मैं गर्व से कह सकता हूं कि यह 'सिनर्स' से भी बेहतर है। वे सचमुच दो अलग-अलग लोग हैं और हमने दो महीने के अंतराल पर शूटिंग की। ऐसा नहीं था कि आप कपड़े बदलकर आ गए हों। यह सब वास्तविक था।

ऑस्कर में 'सिनर्स' ने हासिल किए रिकॉर्ड नॉमिनेशन

हॉलीवुड फिल्म 'सिनर्स' में माइकल बी जॉर्डन ने दोहरी भूमिका निभाई है, जिसमें उन्होंने जुड़वां भाइयों एलिजा स्मोक मूर और एलियास स्टैक मूर का किरदार निभाया है। इस फिल्म में अपने अभिनय के लिए अभिनेता को अपना पहला ऑस्कर नामांकन मिला। रयान कूगलर द्वारा निर्देशित 'सिनर्स' ने 98वें ऑस्कर पुरस्कार समारोह में रिकॉर्ड तोड़ 16 नामांकन हासिल करके इतिहास रच दिया, जो किसी एक फिल्म के लिए अब तक का सबसे अधिक नामांकन है।

ऐसी है 'निशांची' की कहानी

अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित 'निशांची' पिछले साल दो भागों में रिलीज हुई थी। इस क्राइम ड्रामा की कहानी कानपुर में रहने वाले दो भाइयों बबलू और डब्लू के ऊपर आधारित है। फिल्म का पहला पार्ट सिनेमाघरों में रिलीज हुआ था, जिसे क्रिटिक्स से तो अच्छा रिस्पॉन्स मिला, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। इसके बाद दूसरा पार्ट मेकर्स ने सीधे ओटीटी पर रिलीज किया था। इस फिल्म में ऐश्वर्य ठाकरे दोहरी भूमिका में नजर आए हैं।

20 फरवरी को रिलीज हुई है 'कैनेडी'

अनुराग कश्यप इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कैनेडी' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। यह फिल्म 20 फरवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हुई है। इससे पहले फिल्म का प्रीमियर 2023 में कान फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। जहां इसे काफी सराहना मिली थी। इसके अलावा भी कई फिल्म फेस्टिवल में फिल्म को काफी सराहा गया है। और इसे सात मिनट तक स्टैंडिंग ओवेशन मिला था। मेलबर्न इंडियन 'कैनेडी' में राहुल भट्ट और सनी लियोन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

ब्रीफ न्यूज

डीईओ द्वारा किया गया बोर्ड परीक्षा केंद्रो का निरीक्षण

अशोकनगर। जिला शिक्षा अधिकारी चंद्रशेखर सिसोदिया द्वारा मंगलवार को जिले में संचालित हाईस्कूल परीक्षा हेतु प्रश्न पत्र गणित का निरीक्षण किया गया। उन्होंने परीक्षा केंद्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्राणपुर, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चंदेरी, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चंदेरी, सरस्वती विद्या मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल चंदेरी, शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चंदेरी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पिपरई, महावीर हायर सेकेंडरी स्कूल पिपरई (मुंगावली) पहुंचकर किया गया । निरीक्षण के दौरान सभी केंद्रो पर मूलभूत सुविधाएं एवं व्यवस्थाएं सही पाई गई और परीक्षा विधिवत शांतिपूर्ण ढंग से संचालित पाई गई, किसी भी परीक्षा केंद्र पर कोई नकल प्रकरण नहीं बना।

आंगनवाडी केन्द्रों पर मंगल दिवस पर हुआ गतिविधियों का आयोजन

अशोकनगर। कलेक्टर साकेत मालवीय के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास के अंतर्गत मंगल दिवस का आयोजन चतुर्थ मंगल दिवस बाल चौपाल अन्तर्गत प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिले में अशोकनगर शहर में वार्ड 22 केंद्र 75, वार्ड 11 केंद्र 20 अशोकनगर ग्रामीण में सेक्टर नारायणपुर में केंद्र कोलुआ, सेक्टर सेमराहट में गता सोनेरा शाढौरा सेक्टर में सेमरी लोहाबाद,रातीखेड़ा सेक्टर अंतर्गत शंकरपुर अशोकनगर सेक्टर में टकनेरी ईसागढ़ में कदवाया, महिदपुर,मनहेटी, रावसर, चंदेरी के बाकलपुर, डोंगर आंगनबाड़ी केंद्रों पर बाल चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों के शारीरिक मानसिक व बौद्धिक विकास को केंद्रित कर गतिविधियों का आयोजन किया गया। छोटे समूह बड़े समूह की गतिविधि, बच्चों के माता-पिता के समक्ष माह फरवरी 26 के दौरान बच्चों द्वारा सीखी गई गतिविधियां, कहानी व मनोरंजन कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। माता-पिता अपने बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति और कहानी सुनकर रोमांचित हुए। उन्होंने स्वयं भी अपने विचार व्यक्त किये कि बच्चे किस तरह घर जाकर आंगनवाड़ी दीदी की सिखाई कहानी को सुनते हैं। बच्चों के पोषण स्थिति को वजन लंबाई उम्र के अनुसार विकास को केंद्रित भी साझा किया गया।

भगवान कारागार में जन्म लेकर भी भक्तों को बंधनों से मुक्त कर देते है

भाईयों में प्रेम स्नेहा त्याग तपस्या का भाव जगाती हैः पंडित राजेश शर्मा

रामायण जी हमें संयुक्त परिवार का सूत्र बताती है

नन्द घर आनन्द भयो जय कन्हैया लाल की हाथी घोड़ा पालकी जय हो नन्द लाल की

सत्ता सुधार ■ सीहोर

रामायण जी हमें संयुक्त परिवार में जीना सिखाती है। भाईयों में प्रेम स्नेहा त्याग तपस्या का भाव जगाती है और भागवत गीता हमें भगवान की भक्ति के साथ मरना सिखती है। संयुक्त परिवार के लाभ अगर समझना है तो रामायाण महाग्रंथ को पढ़ना चाहिए और सरलता से आत्मकल्याण के साथ मरना सीखना है तो भागवत गीता पढ़ना चाहिए उक्त यद्गार सोमवार को मोर गार्डन में आयोजित कथा में सुनाते हुए पंडित राजेश शर्मा ने व्यक्त किए। श्रद्धालुओं के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण का जन्मउत्सव मनाया गया। यजमान अनिल

सक्सेना और परिजनों ने गीताजी की आरती की और समस्त देवी देवताओं की विश्व कल्याण के लिए स्तुति की। पंडित राजेश शर्मा ने रामचरित्रमानस सुनाते हुए कहा कि राम जी के बाद कैकेयी के पुत्र भरत तथा सुमित्रा के दो पुत्र लक्ष्मण और शत्रुघ्न का जन्म हुआ। यद्यपि जन्म का दृश्य नारायण की लीला था लेकिन उनका शरीर माया से नहीं बल्कि दिव्य गुणों से युक्त था जिसे साक्षात् विष्णु का अवतार माना जाता है। लेकिन भागवत ने भी उनको दिव्य और आदर्श स्वरूप को धर्म का रक्षक बताया गया है। उन्होने कहा कि भगवान कृष्ण का जन्म द्वापर युग में भाद्रपद माह के कृष्णपक्ष की अष्टमी को मथुरा के कारागार में माता देवकी और वासुदेव के यहाँ हुआ था। अत्याचारी राजा कंस की बहन का विवाह वासुदेव के साथ सम्पन्न हुआ था। और विवाह के पश्चात् आकाशवाणी हुई कि राजा कंस अपनी बहन देवकी की आठवीं संतान द्वारा मारा जाएगा। राजा कंस ने देवकी-वासुदेव को कारागार में डाल दिया था भगवान ने कारागार में जन्म लेने के बाद भी वासूदेव और भक्तों को बंधनों से मुक्त किया। देवकी ने अपनी आठवीं संतान को कृष्ण के रूप में जन्म दिया और कृष्ण के जन्म के समय सभी प्रहरी निश्चेतना अवस्था में हो गए और देवकी वासुदेव की हाथ की हथकड़ी पैर की बेडियाँ खुल गई। वासुदेव को कृष्ण को टोकरी में रखकर रातों रात ही यमुना पार कर गोकुल में नन्द बाबा और यशोदा माता के घर छोड़ दिया। कंस ने पूतना को मायावी रूप धर कर गोकुल जाने को कहा और नन्द बाबा के यहाँ जन्मे शिशु को दुग्धपान कराने को कहा। पूतना जैसे ही नन्द महल पहुँची, श्री कृष्ण झूले में झूलते ही पूतना ने कृष्ण को दुग्धपान कराया। इसी तरह कृष्ण का जन्म हुआ और कंस को अपने अत्याचारों से अवगत कराया और इस प्रकार धूमधाम से सभी श्रोतागण नाचते गाते धूमधाम मचाते नन्द घर आनन्द भयो जय कन्हैया लाल की हाथी घोड़ा पालकी जय हो नन्द लाल की के थिरकते नजर आए।

प्रशिक्षण कार्यकर्ता के व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया, विचारों की मजबूती के लिए आवश्यक

भारतीय जनता पार्टी सीहोर की पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की जिलास्तरीय कार्यशाला क्रिसेंट रिसोर्ट में संपन्न हुई

सत्ता सुधार ■ सीहोर

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश मंत्री राजेंद्र सिंह राजपूत, भोपाल सांसद आलोक शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, भाजपा जिला प्रभारी विकास विरानी, सीहोर विधायक सुदेश राय, आष्टा विधायक गोपाल इंजीनियर ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का शुभारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के चित्रों पर माल्यार्पण व द्वीप प्रज्वलन करने के साथ किया। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत सीहोर मण्डल अध्यक्ष सुदीप प्रजापति द्वारा किया गया। इसके पश्चात कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रदेश मंत्री राजेंद्र सिंह राजपूत ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण न केवल हमारे व्यक्तिगत जीवन में सुधार लाता है, बल्कि यह हमें नये दृष्टिकोण और सोच के आयाम भी प्रदान करता है। यह हमें अपने गुणों को पहचानने और उन्हें निखारने का महत्वपूर्ण अवसर देता है। हमारी सफलता हमारे कार्यकर्ताओं के समर्पण और मेहनत पर निर्भर करती है। भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण और अनुशासन ने ही भाजपा को सबसे बड़ी और अजय पार्टी बनाया है। कार्यकर्ताओं का कार्यकर्ता भाव के कारण भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बना है। भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यकर्ता के

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया है। विचारों की मजबूती के लिए प्रशिक्षण आवश्यक है। प्रशिक्षण की धुरी व आत्म अनुशासन है, इसे हम सभी को पालन करना है।

भाजपा जिला प्रभारी विकास विरानी ने कहा कि मध्यप्रदेश का पार्टी संगठन आदर्श संगठन है। प्रशिक्षण महाअभियान में भी मध्यप्रदेश को देश में आदर्श राज्य बनाना है। प्रशिक्षण महाअभियान कार्यशाला के मुख्य वक्ता राजेंद्र सिंह राजपूत ने कहा कि प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही सशक्त संगठन और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होता है। प्रशिक्षण कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा, नई दिशा और नई कार्यकुशलता प्रदान करता है। वर्ष 2026 भी संगठनात्मक प्रशिक्षण गतिविधियों से परिपूर्ण रहेगा। भाजपा जिला प्रभारी विकास विरानी ने प्रशिक्षण महाअभियान विषय पर पीपीटी के माध्यम से व भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी प्रितेश राठौर प्रजेंटेशन के जरिए पंच परिवर्तन व नवाचारों को लेकर प्रजेंटेशन के जरिए जानकारी दी। कार्यशाला का संचालन जिला उपाध्यक्ष धारासिंह पटेल ने किया एवं आभार जिला महामंत्री जितेन्द्र गौड़ ने व्यक्त किया।

मुख्य वक्ता राजेंद्र सिंह राजपूत ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का नाम हमारे लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। यह प्रशिक्षण हमारे जीवन के हर पहलू में सुधार और विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण हमारे व्यक्तिगत जीवन पर भी गहरा प्रभाव डालता है। जब हम पार्टी के कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, तो हमें नये दृष्टिकोण मिलते हैं, जो हमारी सोच और निर्णय लेने की क्षमता को बेहतर बनाते हैं। इससे हमारी राय को घर और समाज में भी गंभीरता से लिया जाता है, क्योंकि हम सोच-समझकर, अनुभव से फैसले लेते हैं। हमारे भीतर परमात्मा ने अपार क्षमता दी है, और इसे हम कठिन परिश्रम और सही मार्गदर्शन से जागृत कर सकते हैं। यह प्रशिक्षण हमें अपने अंदर के गुणों को पहचानने और उन्हें निखारने का अवसर देता है। इससे हम जीवन के हर क्षेत्र में प्रगति कर सकते हैं और अपने लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। यह प्रशिक्षण न केवल एक प्रक्रिया है, बल्कि एक प्रेरणादायक और सुखद अनुभव है, जो हमें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि बुद्धि से विवेक और विवेक से ज्ञान की ओर बढ़ने की प्रक्रिया हमें अपनी वास्तविक क्षमता को पहचानने और उसे निखारने का अवसर देती है। हमारे अंदर सभी प्रकार की योग्यता और क्षमता है, जो हमें हर चुनौती का सामना करने और उसे पार करने की शक्ति प्रदान करती है। अगर हम अपने समय का मूल्यांकन करें, तो हम देख सकते हैं कि 1951 में जनसंघ के गठन से लेकर आज तक हमारी यात्रा में कितने पड़ाव आए हैं। यह समय हमारे लिए वास्तव में स्वर्णिम काल है। आज हम विशेषकर भारत सरकार की पहलों के माध्यम से हर दिन नए कदम उठाते हुए आगे बढ़ रहे हैं।

नपाध्यक्ष नीरज मनोरिया ने किया औचक निरीक्षण

जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

नगर की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने और आमजन को मिल रही सुविधाओं का जायजा लेने के लिए मंगलवार को नगरपालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया ने नगरपालिका कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय के विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली को देखा और वहां मौजूद नागरिकों से सीधे संवाद किया। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष ने कार्यालय में खड़े हितग्राहियों के पास जाकर उनसे आत्मीयता से बात की। उन्होंने पूछा कि वे किस कार्य के लिए आए हैं और उन्हें वहां कितनी देर से प्रतीक्षा करनी पड़ रही है।हितग्राहियों की समस्याओं को सुनने के बाद उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को तलब किया।

अधिकारियों को सख्त निर्देशः नगरपालिका अध्यक्ष ने अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जो भी हितग्राही या नागरिक अपनी समस्या लेकर आता है, उसका संभव हो तो तुरंत मौके पर ही निराकरण कर उसे संतुष्ट करके भेजा जाए। जिससे आम नागरिकों और हितग्राहियों को अपने काम के लिए अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। नगरपालिका कार्यालय से कोई भी नागरिक निराश होकर वापस नहीं जाना चाहिए।

इनका कहना है

नगरपालिका का मुख्य उद्देश्य जनसेवा है। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को बिना किसी देरी और परेशानी के मिले।

नीरज मनोरिया, अध्यक्ष नगरपालिका अशोकनगर

सांसद ने किया सवा करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का भूमि पूजन

हमारे नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर विकास के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं-सांसद आलोक शर्मा

सत्ता सुधार ■ सीहोर

शहर के स्मार्ट सिटी की तर्ज पर विकसित करने के लिए अब तक अरबों के कार्य नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने किए है, नगर पालिका के विकास कार्यों में सहयोग करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। यह शहर की प्रगति और बेहतर जीवन स्तर के लिए आवश्यक है।

हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा का एक ही मंत्र है सबका साथ-सबका विकास इस मूल मंत्र को सार्थक कर

रहे नपाध्यक्ष श्री राठौर। उक्त विचार सोमवार को शहर के मंडी क्षेत्र में सवा करोड़ के विकास कार्य का भूमि पूजन के दौरान सांसद आलोक शर्मा ने कहे। भूमि पूजन का आयोजन सोमवार की शाम को आयोजित किया गया था। इस मौके पर सांसद श्री शर्मा के अलावा भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, विधायक सुदेश राय, भाजपा जिला प्रभारी विकास विरानी, नगर पालिका उपाध्यक्ष विपिन सास्ता, दिलीप राठौर, मुकेश मेवाड़ा, प्रदीप गौतम, कमलेश राठौर के अलावा बड़ी संख्या में अन्य पार्षदगण और क्षेत्रवासी शामिल थे।

संत गाडगे रजक कल्याण समिति ने मनाई 150वीं जन्म जयंती

सत्ता सुधार ■ सीहोर

स्वच्छता के जनक संत गाडगे महाराज की जन्म जयंती उत्साह और उमंग के साथ मनाई गई। महाराज जी की 150 वी जयंती पर रजक समाज ने श्यामपुर रोड मंडी में कार्यक्रम का आयोजन किया। जहां पर समाजजनों ने संत गाडगे महाराज के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर और पुष्प माला अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान समाज के वरिष्ठजन पुरण लाल मालवीय, जमना प्रसाद मालवीय इमरत लाल मालवीय, मुकेश बड़ोदिया ने संत श्री की जीवनी पर प्रकाश डाला कहा कि श्री संत गाडगे महाराज महाराष्ट्र के एक प्रसिद्ध संत, समाज सुधारक और उद्धारक थे। उनका जीवन विशेष रूप से गरीबों, पिछड़े वर्गों, और समाज के हाशिए पर रहने वाले लोगों के लिए समर्पित था। वे अपने समय के सबसे प्रभावशाली समाज सुधारकों में से एक माने जाते हैं। उनका उद्देश्य समाज में फैली कुरीतियों, अंधविश्वास, और छुआछूत के खिलाफ जागरूकता फैलाना था। संत गाडगे महाराज का जन्म 23 फरवरी 1876 को हुआ था, उनका जीवन बहुत साधारण और सादा था। वे किसी विशेष आश्रम या मठ के स्थान पर नहीं रहते थे। उनका प्रमुख कार्य समाज सुधार और लोगों को शिक्षा देना था। वे हमेशा गंदे कपड़े पहनते थे और किसी भी भौतिक सुख-सुविधा से दूर रहते थे। उनका मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों का

उद्धार था। कार्यक्रम के दौरान श्याम मालवीय, अनिल मालवीय, गोविंद मालवीय, गिरधारी मालवीय, संदीप मालवीय, राकेश मालवीय, शुभम मालवीय, सोनू मालवीय, अमन रजक, धर्मेंद्र मालवीय, राहुल मालवीय, प्रकाश मालवीय, विनोद मालवीय, रितिक मालवीय, प्रिंस मालवीय सहित समाजजन उपस्थित थे।

आष्टा में भी हुए कार्यक्रमः आष्टा नगर में संत गाडगे बाबा का 150 जन्म दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सकल समाज के अध्यक्ष पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कैलाश परमार, समाज के अध्यक्ष बाबूलाल बिलोर, उपाध्यक्ष कैलाश बंजरिया, समाज के वरिष्ठजन देवी प्रसाद करोरिया, रमेश बिल्लोरे, संतोष मकरैया, डॉक्टर शंकर लाल मकरैया, सुरेश बिल्लौरे सहित अन्य सामाजिक बंधु और महिलाएं उपस्थित रही।

समस्याओं को समक्ष में सुनकर समय सीमा में निराकरण के निर्देश मौके पर उपस्थित जिला अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में 96 आवेदन प्राप्त हुए

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्याएं, 96 आवेदन प्राप्त

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में कलेक्टर साकेत मालवीय ने कलेक्ट्रेट के जनसुनवाई कक्ष में आवेदकों की समस्याओं को समक्ष में सुनकर समय सीमा में निराकरण के निर्देश मौके पर उपस्थित जिला अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में 96 आवेदन प्राप्त हुए।

आवेदकों को मौके पर ही दिलाई नक्शे की नकल

जनसुनवाई में कलेक्टर को ग्राम भातपुर निवासी आवेदक गुलजारी लाल द्वारा आवेदन देते हुए नक्शे की नकल दिलाये जाने की गुहार लगाई। आवेदक के आवेदन पर त्वरित संज्ञान लेते हुए मौके पर ही आवेदक को नक्शे की नकल दिलाई

गई।जनसुनवाई में ग्राम बामोरी निवासी रमेश लोधी द्वारा भूमि पर से कब्जा हटवाये जाने,पिपरई निवासी बैनी प्रसाद ओझा द्वारा प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किये जाने,ग्राम पिपरेसरा निवासी लल्लू प्रजापति द्वारा भट्टा एवं मटका बनाने हेतु भूमि आरक्षित कराये जाने,ग्राम गोपालपुर निवासी कन्हैयाराम द्वारा बैंक से लोन दिलाये जाने,अशोकनगर निवासी श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा भूमि का पट्टा दिलाये जाने,ग्राम झीला निवासी कृष्णाबाई अहिरवार द्वारा समग्र आईडी में नाम जोडे एवं राशन दिलाये जाने,शाढौरा निवासी रामवीर रघुवंशी द्वारा अतिक्रमण हटवाये जाने,ग्राम धुर्रा निवासी देवेन्द्र केवट द्वारा पुत्र की मृत्यु पर आर्थिक सहायता रशि दिलाये जाने,ग्राम टकनेरी निवासी रामकुंवर अहिरवार द्वारा पति की मृत्यु पर आर्थिक सहायता राशि दिलाये जाने, ग्राम गढला निवासी रतिराम कुशवाह द्वारा बी.पी.एल कार्ड बनवाये जाने,पिपरई निवासी सुग्रीव राय द्वारा भूमि की जांच कराये जाने संबंधी समस्या मूलक आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन, संयुक्त कलेक्टर आर.बी.सिण्डोस्कर, ब्रजबिहारी लाल श्रीवास्तव सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे।

अतिक्रमण हटाने हेतु क्यूआरटी दल गठित

अशोकनगर। कलेक्टर साकेत मालवीय के निर्देशानुसार अनुभाग अशोकनगर अंतर्गत अतिक्रमण हटाने हेतु अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शुभ्रता त्रिपाठी द्वारा दल गठित किया गया है। जारी आदेशानुसार तहसील अशोकनगर के नगरीय क्षेत्र के लिए तहसीलदार अशोकनगर (दल प्रभारी), मुख्य नगरपालिका अधिकारी अशोकनगर संबंधित राजस्व निरीक्षक, संबंधित पटवारी होगें। तहसील अशोकनगर वृत्त-अशोकनगर अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र हेतु तहसीलदार अशोकनगर (दल प्रभारी), मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अशोकनगर, संबंधित राजस्व निरीक्षक, संबंधित पटवारी, सचिव ग्राम पंचायत, संबंधित ग्राम कोटवार होगें। तहसील अशोकनगर वृत्त-कचनार के लिए ग्रामीण क्षेत्र हेतु नायब तहसीलदार वृत्त-कचनार (दल प्रभारी), मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अशोकनगर, संबंधित राजस्व निरीक्षक, संबंधित पटवारी या सचिव ग्राम पंचायत, संबंधित ग्राम कोटवार होगें। तहसील अशोकनगर वृत्त-राजपुर ग्रामीण क्षेत्र हेतु नायब तहसीलदार वृत्त-राजपुर (दल प्रभारी), मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अशोकनगर, संबंधित राजस्व निरीक्षक, संबंधित वीट प्रभारी (वन विभाग), संबंधित पटवारी अथवा सचिव ग्राम पंचायत, संबंधित ग्राम कोटवार होगें। तहसील शाढौरा अंतर्गत नगरीय क्षेत्र हेतु तहसीलदार शाढौरा (दल प्रभारी), मुख्य नगरपालिका अधिकारी शाढौरा, संबंधित राजस्व निरीक्षक, संबंधित पटवारी होगें।

ब्रीफ न्यूज

ऐपल ने भारत में पीएलआई योजना के तहत 2.5 लाख से अधिक नौकरियां दीं

नई दिल्ली। क्यूपर्टिन मुख्यालय वाली एप्पल इंक ने पिछले पांच वर्षों में भारत में 2,50,000 से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियां पैदा की हैं। यह तेजी से बढ़ती संख्या मोबाइल-फोन विनिर्माण के लिए 2021 में शुरू हुई उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के कारण संभव हुई। खास बात यह है कि इन नौकरियों में 70 प्रतिशत से अधिक महिलाएं शामिल हैं, जिनमें कई की उम्र 19-24 वर्ष है और यह उनका पहला रोजगार अवसर है। आईफोन के दो मुख्य वेंडर, टाटा समूह और फॉक्सकॉन ने मिलकर लगभग 1,40,000 प्रत्यक्ष नौकरियां प्रदान की हैं, जो योजना के तहत प्रतिज्ञात 1,18,290 नौकरियों से अधिक है। इसके अतिरिक्त 1,10,000 नौकरियां अन्य भारतीय, विदेशी और संयुक्त उद्यम कंपनियों द्वारा दी गई हैं, जो मुख्य रूप से एमएसएमई क्षेत्र से जुड़ी हैं और आईफोन के संबंधित उपकरणों का उत्पादन करती हैं। इन कंपनियों का नेटवर्क भारत के उत्तर प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, गुजरात, झारखंड, तमिलनाडु और कर्नाटक तक फैला हुआ है। ये कंपनियां मुख्य रूप से आईफोन असेंबली प्लांट को उपकरण और पुर्जे उपलब्ध कराती हैं, जबकि कुछ कंपनियां जैसे जाबिल और एक्वस सीधे ऐपल की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में योगदान देती हैं। टाटा समूह के तीन आईफोन प्लांट लगभग 72,000 लोगों को रोजगार दे रहे हैं, वहीं फॉक्सकॉन के दो कारखानों में 70,000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। पीएलआई योजना के प्रभाव से मोबाइल निर्माण में औसत मासिक वेतन 11,000 से बढ़कर 18,000-20,000 रुपए हो गया। अकेले ऐपल और इसके सहयोगी नेटवर्क में अनुमानित 7,50,000 अप्रत्यक्ष नौकरियां उत्पन्न हुई हैं। स्मार्टफोन निर्यात 2025 में 30 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें आईफोन की हिस्सेदारी 23 अरब डॉलर रही।

भारत का आईटी उद्योग एआई के तेजी से उभरने के कारण कठिन दौर में

नई दिल्ली। भारत के 283 अरब डॉलर के आईटी सेवा उद्योग को एआई के तेजी से उभरने के कारण कठिन दौर का सामना करना पड़ रहा है। इस साल निफ्टी आईटी सूचकांक लगभग 14 फीसदी गिर चुका है, जबकि निफ्टी 50 में गिरावट केवल 2 फीसदी रही। एंथ्रोपिक जैसे कंपनियों के एआई टूल्स ने पारंपरिक एप्लिकेशन सर्विस मॉडल पर दबाव डाला। 2025-27 में एजेंटिक एआई और अन्य एआई नवाचार आईटी सेवाओं में बदलाव लाएंगे। 2027-30 तक उन्नत इंजीनियरिंग डोमेन जैसे बायोइंजीनियरिंग, रोबोटिक्स, सस्टेनेबल एनर्जी और मोबिलिटी पर तेजी आएगी। 2030 के बाद इमर्सिव, क्वांटम और स्पेस टेक्नोलॉजी वैश्विक बदलाव की अगली लहर में योगदान देंगी। नैसकॉम और मैकिंसे की रिपोर्ट के अनुसार ये 13 प्रमुख टेक्नोलॉजी 2030 तक 25-45 लाख करोड़ डॉलर की आर्थिक वैल्यू जोड़ सकती हैं। आईटी कंपनियों को दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाते हुए नई तकनीकों में निवेश और स्किल अपडेट करना होगा।

लगभग 40 फीसदी पद संविदा या लचीले आधार पर होंगे

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन 1,500 एक्सपर्ट्स की करेगा नियुक्ति

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) अब केवल कारखानों के निरीक्षण तक सीमित नहीं रहेगा। संगठन ने 1,500 वैज्ञानिक और विशेषज्ञों को नियुक्त करने की योजना बनाई है। ये विशेषज्ञ क्लिनिकल रिसर्च, बायोलॉजिक्स, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग और नियामकीय प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में काम करेंगे। इनमें से लगभग 40 फीसदी पद संविदा या लचीले आधार पर होंगे। इस कदम का उद्देश्य दवा मंजूरी और निगरानी प्रक्रिया को वैज्ञानिक, तेज़ और प्रभावी बनाना है। सीडीएससीओ ने जोखिम-आधारित निरीक्षण प्रक्रिया को तेज कर दिया है। निरीक्षण में उत्पाद की जोखिम स्थिति, पिछली अनुपालन स्थिति और खुफिया सूचनाओं को ध्यान में रखा जाता है। 2022 के अंत से अब तक 1,250 विनिर्माण इकाइयों का ऑडिट किया जा चुका है। स्टाफ की कमी के कारण अब निरीक्षण में अधिसूचित थर्ड-पार्टी एजेंसियों को शामिल किया जाएगा। इससे निगरानी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनेगी। कफ सिरप निर्माण क्षेत्र बार-बार गुणवत्ता समस्याओं का केंद्र रहा है। देश में 1,300 कफ सिरप निर्माता हैं, जिनमें से लगभग 1,100 इकाइयों का निरीक्षण हो चुका है। गंभीर कमियों वाली इकाइयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और कुछ को बंद करने का निर्णय लिया गया। सीडीएससीओ का उद्देश्य आंतरिक वैज्ञानिक क्षमता बढ़ाकर निर्णय स्थिरता और मंजूरी की गति बढ़ाना है। जोखिम-आधारित और थर्ड-पार्टी ऑडिट से निगरानी प्रणाली अधिक विश्वसनीय और प्रभावी बनेगी।

भारत जर्मनी और कनाडा के साथ खनिज सहयोग समझौतों को दे सकता है मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली मंत्रिमंडल बैठक में भारत अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को मजबूत करने के लिए जर्मनी और कनाडा के साथ महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में संयुक्त आशय घोषणा को मंजूरी देने पर विचार कर रहा है। जर्मनी के साथ प्रस्तावित समझौते का मुख्य फोकस संयुक्त अन्वेषण, सतत खनन, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण होगा। यह भारत को लिथियम, कोबाल्ट, निकल और अन्य दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करेगा। भारत और कनाडा के बीच भी इसी तरह का समझौता प्रस्तावित है। इससे ऊर्जा सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा बदलाव के लिए आवश्यक संसाधनों में भारत की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। यह कदम महत्वपूर्ण खनिज मिशन और "खनन एवं खनिज संशोधन अधिनियम के तहत हाल की नीलामी के अनुरूप है।

बेंगलुरु में खुला अमेजन का एशिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑफिस

12 मंजिला, 11 लाख वर्ग फुट का आधुनिक परिसर, एक साथ 7,000 कर्मचारी काम करेंगे

एजेंसी ■ बेंगलुरु

अमेरिकी ई-कॉमर्स दिग्गज एमेजान ने बेंगलुरु में अपना एशिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑफिस खोलने की घोषणा की। नया परिसर 12 मंजिला और 11 लाख वर्ग फुट में फैला हुआ है। यह केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मात्र 15 किलोमीटर दूर स्थित है और इसमें भारत में 7,000 से अधिक कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल और सहयोगी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। अमेजन ने भारत में अब तक 40 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है और 2030 तक अतिरिक्त 35 अरब डॉलर निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। कर्नाटक के लघु एवं मध्यम उद्योग एवं अवसंरचना विकास मंत्री एम.बी. पाटिल ने उद्घाटन के दौरान कहा कि इस निवेश से उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियां पैदा होंगी, स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत होगा और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को समर्थन मिलेगा। नए परिसर को टीम सहयोग, लचीलापन, सीखने और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कर्मचारियों के लिए बास्केटबॉल और पिकलबॉल कोर्ट, एम्फीथिएटर, हरे-भरे लॉन और सामुदायिक बाहरी क्षेत्र जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। कैफेटेरिया दो मंजिलों पर फैला है और इसमें वैश्विक व्यंजनों की विस्तृत श्रृंखला परोसी जाती है। इस परियोजना में जिम्मेदार सामग्री स्रोत, कार्यालय संपत्तियों का पुनः उपयोग और उच्च दक्षता वाली प्रणालियाँ शामिल हैं, जिनका उद्देश्य कार्बन उत्सर्जन को कम करना है। यह पहल अमेज़न की दीर्घकालिक सतत विकास रणनीति का हिस्सा है। अमेज़न इंडिया के एक अ?धिकारी के अनुसार, बेंगलुरु लंबे समय से कंपनी की तकनीकी और व्यावसायिक टीमों का घर रहा है और आज भी यह नवाचार और प्रतिभा का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। नया ऑफिस कंपनी के भारत में निरंतर निवेश और विस्तार का प्रतीक है।

पीएम सूर्य घर योजना 30 लाख घरों में रूफटॉप सौर इकाई स्थापित

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत फरवरी 2024 से अब तक देशभर में 30 लाख से अधिक घरों की छतों पर सौर ऊर्जा इकाई लगाई जा चुकी है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह जानकारी दी। जोशी ने बताया कि जब एक करोड़ घरों में रूफटॉप सौर संयंत्र स्थापित हो जाएंगे, तो अनुमानित 1,000 अरब यूनिट नवीकरणीय बिजली का उत्पादन संभव होगा। इन इकाइयों के 25 साल के जीवनकाल में लगभग 72 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आने का अनुमान है। मंत्री ने कहा कि यह योजना घरेलू बिजली बिल कम करने के साथ-साथ देश की ऊर्जा सुरक्षा को भी मजबूत करेगी। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरित परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

मोक्सी पावर ने तमिलनाडु में 558 मेगावाट बिजली आपूर्ति का ठेका हासिल किया

बिजली आपूर्ति 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगी

नई दिल्ली। अदाणी पावर की सहायक कंपनी मोक्सी पावर को त?मिलनाडु पावर ??डिस्ट्रीब्यूशन से पांच वर्षों के लिए 558 मेगावाट बिजली आपूर्ति का ठेका मिला है। कंपनी ने बोली में 5.910 रुपये प्रति यूनिट का सबसे प्रतिस्पर्धी शुल्क प्रस्तावित कर ठेका जीता। यह आपूर्ति 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगी। मोक्सी पावर तमिलनाडु के तूतीकोरिन में 1,200 मेगावाट क्षमता का संयंत्र संचालित करता है। अदाणी पावर भारत की सबसे बड़ी निजी बिजली उत्पादक कंपनी है, जिसकी कुल उत्पादन क्षमता 18.15 गीगावाट है। संयंत्र की दोनों इकाइयों के पास बिजली आपूर्ति समझौते हैं, जिससे संचालन और राजस्व में स्थिरता बनी रहती है। अदाणी पावर की परिचालन क्षमता का 95 फीसदी से अधिक हिस्सा मध्यम से दीर्घकालिक अनुबंधों के तहत सुरक्षित है। कंपनी का लक्ष्य अगले वर्ष तक सभी परिचालित और जल्द चालू होने वाले संयंत्रों के लिए लगभग 100 फीसदी पीपीए हासिल करना है। यह रणनीति अल्पकालिक बाजार अस्थिरता के जोखिम को कम करती है और दीर्घकालिक राजस्व की स्पष्टता प्रदान करती है। इस ठेके से तमिलनाडु के उपभोक्ताओं को विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाली बिजली उपलब्ध होगी। ग्रिड की स्थिरता मजबूत होगी और घरों, उद्योगों एवं व्यवसायों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी। प्रतिस्पर्धी शुल्क पर बिजली उपलब्ध होने से उपभोक्ताओं को किफायती और भरोसेमंद ऊर्जा का लाभ मिलेगा।

एनएमपी 2.0 का 16.72 लाख करोड़ मुद्रीकरण जुटाने का लक्ष्य

योजना के तहत 2,000 से अधिक संपत्तियों में निजी भागीदारी लाई जाएगी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी 2.0) के दूसरे चरण का अनावरण करते हुए वित्त वर्ष 2026 से 2030 के बीच 16.72 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य घोषित किया। इस योजना का उद्देश्य केंद्र सरकार के मंत्रालयों और सार्वजनिक उपक्रमों की उत्पादक संपत्तियों के मुद्रीकरण के माध्यम से पूंजी जुटाना है। सरकार का कहना है कि इससे नई अवसंरचना परियोजनाओं और पूंजीगत व्यय के लिए संसाधन उपलब्ध होंगे, बिना राजकोषीय बोझ बढ़ाए। नीति आयोग के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी के अनुसार एनएमपी 2.0 में राजमार्ग, बिजली, बंदरगाह और रेलवे जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं। योजना के तहत 2,000 से अधिक संपत्तियों में निजी भागीदारी लाई जाएगी। कुल लक्ष्य का एक-चौथाई से अधिक हिस्सा राजमार्ग क्षेत्र से आने की उम्मीद है, जबकि बंदरगाह, कोयला और खनिज क्षेत्रों से भी महत्वपूर्ण योगदान संभावित है। इस चरण में पहली बार पांच वर्षों के दौरान 5.8 लाख करोड़ रुपये के निजी निवेश का अनुमान जोड़ा गया है। वित्त वर्ष 2026 में 2.49 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, हालांकि वास्तविक प्राप्ति करीब 2 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। योजना में अस्थायी संपत्ति हस्तांतरण, सूचीबद्ध कंपनियों में हिस्सेदारी का विनिवेश और नकद प्रवाह का प्रतिभूतिकरण जैसे उपाय शामिल हैं।

बायजूज़ अरबों डॉलर के वैल्यूएशन से कानूनी और वित्तीय संकट तक

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख एड-टेक कंपनी बायजूज़ कभी 22 अरब डॉलर (लगभग 1.98 लाख करोड़ रुपये) के वैल्यूएशन तक पहुंची थी। कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन शिक्षा की बढ़ती मांग ने कंपनी को तेजी से बढ़ने का अवसर दिया। अधिग्रहण और ब्रांडिंग में भारी निवेश किया। महामारी के बाद फंडिंग सस्ती नहीं रही और निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ। ऑनलाइन शिक्षा की मांग में गिरावट और बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने कंपनी की आय को प्रभावित किया। नवंबर 2021 में लिया गया 1.2 अरब डॉलर का टर्म लोन बायजूज़ के लिए चुनौती बन गया। तिमाही ब्याज भुगतान में चूक के बाद विदेशी लेंडर्स ने अमेरिका में मुकदमा दायर किया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के तहत कंपनी के दफ्तरों पर छापे मारे और लगभग 9,362 करोड़ रुपए के कथित उल्लंघन का नोटिस जारी किया।

सोने में नरमी, चांदी में तेजी, घरेलू और वैश्विक बाजार में मिलाजुला रुख

सोना 551 रुपए गिरकर 1,61,047 पर, चांदी 4,20,048 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली। घरेलू वायदा बाजार में मंगलवार को सोने के दामों में नरमी जबकि चांदी में तेजी देखने को मिल रही है। मल्टी कमो?डिटी एक्सचेंज आफ इं?डिया (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 829 रुपये की गिरावट के साथ 1,60,769 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,61,598 रुपये था। इस समय यह 551 रुपये की कमजोरी के साथ 1,61,047 रुपये पर कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान सोना 1,61,171 रुपये के उच्च स्तर तक गया, जबकि 1,60,615 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस वर्ष अब तक सोना 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच चुका है। वहीं चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 1,888 रुपये की तेजी के साथ 2,67,221 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,65,333 रुपये था। ?फिलहाल यह 672 रुपये की बढ़त के साथ 2,66,005 रुपये पर कारोबार कर रहा था। सत्र के दौरान चांदी ने 2,67,500 रुपये का उच्च और 2,64,327 रुपये का निचला स्तर दर्ज किया। इस साल चांदी 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच चुकी है। वैश्विक स्तर पर भी शुरुआत मजबूती के साथ हुई, लेकिन बाद में सोने में दबाव दिखा। कॉमेक्स पर सोना 5,247.50 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 5,225.60 डॉलर था। बाद में यह 35.20 डॉलर गिरकर 5,190.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा। इस वर्ष सोना 5,586.20 डॉलर प्रति औंस तक जा चुका है। वहीं कॉमेक्स पर चांदी 88.04 डॉलर पर खुली और 0.56 डॉलर की तेजी के साथ 87.13 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती नजर आई। इस साल चांदी 121.79 डॉलर के उच्च स्तर को छू चुकी है।

योजना | 31.86 लाख निष्क्रिय खातों को बंद करने की बड़ी योजना

ईपीएफओ निष्क्रिय खातों में फंसे 30.52 करोड़ जल्द लौटाएगी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 7.11 लाख निष्क्रिय खातों में फंसे 30.52 करोड़ रुपये जल्द खाताधारकों या उनके कानूनी वारिसों को लौटाने का फैसला किया है। यह पहल 31.86 लाख निष्क्रिय खातों को बंद करने की बड़ी योजना का हिस्सा है। मंत्रालय के अनुसार, इनमें कुछ खाते 20 साल से पुराने हैं और पिछले तीन साल से इनमें कोई लेनदेन नहीं हुआ है। श्रम मंत्रालय ने इस योजना के तहत पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसमें ऐसे खातों को चुना गया है जिनमें 0 से 1,000 रुपये तक की राशि है और जो आधार से जुड़े हैं। ईपीएफओ सीधे इन खातों में पैसे ट्रांसफर करेगा। पायलट प्रोजेक्ट सफल होने पर बाकी निष्क्रिय खातों में भी इसी तरह राशि लौटाई जाएगी। निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए पीएफ एक अनिवार्य सरकारी योजना है। इसमें कर्मचारी अपने मूल वेतन का 12 फीसदी योगदान करते हैं, जबकि नियोक्ता भी उतना ही योगदान करता है। यदि किसी खाते में तीन साल तक कोई लेनदेन नहीं होता तो उसे निष्क्रिय घोषित किया जाता है। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईपीएफओ सदस्य अपना पैसा आसानी से निकाल सकें। हालांकि, छोटे-छोटे निष्क्रिय खातों में फंसी राशि प्रशासनिक जिम्मेदारियों और वित्तीय जवाबदेही में चुनौती पैदा करती है। हजारों करोड़ रुपये ऐसे निष्क्रिय खातों में फंसे हुए हैं क्योंकि लोग कम राशि निकालने के लिए आने-जाने की झंझट से बचते हैं। पायलट प्रोजेक्ट के सफल होने पर, ईपीएफओ धीरे-धीरे बाकी निष्क्रिय खातों में भी यह प्रक्रिया लागू करेगा। इससे खाताधारकों का पैसा सुरक्षित तरीके से लौटाया जाएगा और निष्क्रिय खातों का बोझ भी कम होगा।

कल्याणी स्टील्स समेत तीन इकाइयों ने सेबी विवाद सुलझाया

नई दिल्ली। कल्याणी स्टील्स लिमिटेड, बीएफ यूटिलिटीज और दीप्ति आर पुराणिक पर कथित रूप से सेबी नियमों का उल्लंघन करने के आरोप थे। ये उल्लंघन मुख्य रूप से सूचना छिपाने और संबंधित पक्षों के बीच लेनदेन से जुड़े थे। नियामक ने इन इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की थी। इन तीनों ने नियामक समाधान का प्रस्ताव रखा और इसके बाद संयुक्त रूप से 4.12 करोड़ रुपए का भुगतान कर मामला सुलझा लिया गया। महत्वपूर्ण बात यह है कि इन इकाइयों ने आरोपों को न तो स्वीकार किया और न ही अस्वीकार किया। इसका मतलब यह है कि भुगतान केवल विवाद समाप्त करने के लिए किया गया, और किसी तरह की दोषसिद्धि नहीं हुई।

एशिया-प्रशांत में दिल्ली आईजीआई की बड़ी छलांग

चांगी और इंचियोन हवाई अड्डा को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआई) ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों की सूची में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। विमानन डेटा प्लेटफॉर्म ओएजी के अनुसार वर्ष 2025 में आईजीआई 4.61 करोड़ सीट क्षमता के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। वर्ष 2019 में यह एयरपोर्ट नौवें स्थान पर था। कोविड महामारी के बाद हवाई यात्रा की मांग में आई तेजी ने इसकी रैंकिंग को नई ऊंचाई दी है। भारत में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। देश की प्रमुख एयरलाइन इं?डिगो ने बड़े पैमाने पर विमानों और मार्गों का विस्तार किया, जिससे दिल्ली एयरपोर्ट की कुल सीट क्षमता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई। बढ़ती कनेक्टिविटी और बेहतर संचालन ने आईजीआई को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत स्थिति दिलाई है। पिछले छह वर्षों में दिल्ली ने कई प्रतिष्ठित एशियाई हवाई अड्डों को पीछे छोड़ दिया है। इनमें सुवर्णभूमि हवाई अड्डा (3.94 करोड़ सीट), चांगी हवाई अड्डा (4.25 करोड़ सीट) और इंचियोन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (4.34 करोड़ सीट) शामिल हैं।

ब्रीफ न्यूज

तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार ने संभाला पदभार

जौरा। कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ द्वारा हाल ही में राजस्व अधिकारियों की पद स्थापना में किए गए फे र बदल के बाद जौरा में पदस्थ किए गए तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार द्वारा अपना-अपना पदभार ग्रहण किया गया। तहसीलदार बालकृष्ण मिश्रा ने मंगलवार को तहसील कार्यालय में अपना पदभार ग्रहण किया। वहीं पोरसा से जौरा तहसील में स्थानांतरित नायब तहसीलदार केके शर्मा व नायब तहसीलदार प्रमोद सिंह तोमर ने भी अपना पदभार ग्रहण किया।

जिला पंचायत सीईओ ने हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

मुरैना। माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार मंगलवार, 24 फरवरी 2026 को आयोजित हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा (गणित विषय) के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव ने मुरैना स्थित पाँच परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नारायण स्कूल, एमजीएम स्कूल, इम्मानुअल स्कूल, शिवशक्ति स्कूल तथा यूनिक्यू स्कूल, मुरैना का औचक निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा व्यवस्थाएँ स्वतंत्र, निष्पक्ष, सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण रूप से संचालित पाई गई।

विद्युत आपूर्ति रहेगी बंद

जौरा। अति आवश्यक मेंटेनेंस कार्य के चलते 25 फरवरी को सिटी फीडर की विद्युत आपूर्ति प्रातः 6 बजे से दोपहर 11 बजे तक बंद रहेगी। इसी प्रकार 26 फरवरी 2026 को जेल फीडर की विद्युत आपूर्ति सुबह 6 से दोपहर 11बजे तक बंद रहेगी रेलवे फाटक फीडर की विद्युत सप्लाई 27 फरवरी को प्रातः 6 बजे से दोपहर 11 बजे तक बंद रहेगी एवं 28 फरवरी को नवोदय फीडर की विद्युत आपूर्ति सुबह 6 बजे से दोपहर 11 बजे तक बंद रहेगी। अधिकारियों का कहना है कि समय आवश्यकता अनुसार घटाया एवं बढ़ाया भी जा सकता है।

हाईस्कूल गणित परीक्षा में एक नकल प्रकरण दर्ज, दो फर्जी परीक्षार्थी पकड़े

मुरैना। जिला शिक्षा अधिकारी बी.एस. इंदौलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि हाईस्कूल की इस परीक्षा में कुल 29,315 परीक्षार्थियों में से 28,302 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 1,013 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान कुल 3 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें अशासकीय शांति निकेतन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अंबाह में एक नकल प्रकरण पाया गया। इसके अतिरिक्त शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंबाह में दो फर्जी परीक्षार्थी पकड़े गए। जानकारी के अनुसार शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अंबाह में राजु गुर्जर निवासी ग्राम मलवसई, अंश चौहान के स्थान पर परीक्षा देने आया था, जबकि अरुण पुत्र मदन सिंह निवासी फतेहाबाद जिला आगरा अजय के स्थान पर परीक्षा दे रहा था। दोनों छात्रों को तहसीलदार अंबाह भरतेंदु सिद्धार्थ गौतम ने पकड़कर थाना भेजा। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

लूट के अपराधी ने साथियों के साथ थाने के गेट पर किया हंगामा, पुलिस पर बोला हमला, हुआ लाठी चार्ज, दो पुलिस कर्मी घायल

पोरसा थाना प्रभारी की रिपोर्ट पर से एक दर्जन नामजद सहित आधा सैकड़ा से अधिक लोगों पर मामला दर्ज

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले के पोरसा थाना क्षेत्र के अंतर्गत सोमवार की शाम गोरमी रोड पर पुरानी रंजिश के चलते गोविंद शर्मा पर बाइक पर सवार दो आरोपियों ने कट्टे से फायर कर दिया, जिसके बाद पोरसा थाना प्रभारी ने दोनों पक्षों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उन्हें बंद कर दिया। इसी बीच लूट के मामले में आरोपी गोली चलाने वालों की पैरवी करने पहुंचा, तो थाना प्रभारी द्वारा उन्हें वापस कर दिया गया। इसके पश्चात मंगलवार की सुबह 10:00 बजे लूट के मामले में आरोपी विष्णु तोमर अपने आधा सैकड़ा से अधिक साथियों के साथ थाने के गेट पर प्रदर्शन करने लगा और प्रमुख मार्ग को जाम कर दिया। पुलिस के समझाने पर आरोपियों ने पुलिस पर हमला बोला तो सुरक्षा के लिए पुलिस ने भी लाठी चार्ज कर दिया। इस दौरान दो पुलिस आरक्षक घायल हो गए। पोरसा पुलिस ने थाना प्रभारी की रिपोर्ट पर से विष्णु तोमर सहित एक दर्जन नामजद आरोपियों के विभिन्न धाराओं के तहत गंभीर आपराधिक मामला दर्ज किया है। पोरसा थाना प्रभारी दिनेश सिंह कुशवाह ने बताया कि सोमवार की शाम 5 बजे के लगभग फरियादी गोविन्द पुत्र राकेश शर्मा निवासी लालपुरा पर पुरानी रंजिश के चलते आरोपी बंटू तोमर निवासी मढ़ोखर, उमेश राजावत मांधाता पुरा द्वारा गोरमी वायपास रोड पोरसा पर अचानक हवाई फायर कर दहशत फै ला दी। घटना के बाद थाना प्रभारी द्वारा दोनों पक्षों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें निरुद्ध कर दिया ताकि कोई गंभीर घटना घटित ना हो। लूट के मामले में आरोपी विष्णु तोमर निवासी छत्तरपुरा अपने अन्य कई साथियों के साथ आया था, जो फायरिंग करने वाले पक्ष का समर्थन कर रहा था, तब थाना प्रभारी द्वारा समझाकर रवाना किया गया। मंगलवार की सुबह 10.00 बजे विष्णु सिंह पुत्र शिव तोमर पुत्र राजेन्द्र सिंह तोमर, शिवकुमार पुत्र ब्रजराज सिंह तोमर, राहुल सिंह, टिंकू तोमर, श्रीकृष्ण पुत्र भान सिंह तोमर, होतम सिंह उर्फ होम सिंह निवासी लालपुरा, राहुल जाटव उर्फ राहुल खन्ना निवासी खरगपुरा, अंकुश तोमर निवासी बडी कोंथर, राजीव पुत्र रामभोग तोमर निवासी मढोखर, रघुने तोमर निवासी सींगपुरा अपने अन्य 40-50 साथियों के साथ थाने के गेट के सामने आम रोड पर अचानक बैठकर घेर लिया। आरोपी विष्णु तोमर ने बगैर किसी सक्षम अधिकारी की अनुमति तथा बिना किसी पूर्व सूचना के रोड पर आकर नारेबाजी करना आरम्भ कर दी। टी आई तथा तहसीलदार नवीन भारद्वाज अन्य फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।

उक्त लोगों को समझाने की कोशिश की व बताया कि वर्तमान में हायरसेकेण्ड्री व हाईस्कूल की परीक्षा चल रही है। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश हैं कि बिना पूर्व सूचना एवं अनुमति के चक्काजाम नहीं कर सकते हैं तथा यातायात अवरुध्द नहीं कर सकते हैं। वर्तमान में पेपरों के प्रश्न पत्र तथा कपियों को जमा करने शिक्षकगण थाने पर आते हैं, जिनकी सुरक्षा की दृष्टी से सुरक्षित आवागमन आवश्यक है। बार बार समझाने के बाद भी नहीं माने और माँ बहिन की गंदी-गंदी गालियां देते हुए नारेबाजी करने लगे तथा रोड जाम कर दिया, जिससे आम जनता को आने जाने में असुविधा उत्पन्न होने लगी। थाने के रास्ते को भी जाम कर दिया, जिससे शासकीय कार्य भी प्रभावित होने लगा। उक्त लोगों द्वारा एक राय होकर पुलिस पर हमला किया, जिसमें आरक्षक सीताराम एवं सतीश घायल हो गए। पुलिस ने आरोपीगण के विरुद्ध धारा 126(2), 191(2), 190, 132, 296(बी), 121(1) बीएनएस की धाराओं के तहत अपराध पंजीबध्द किया है।

इनका कहना है......

सोमवार को गौरमी रोड पर पुरानी रंजिश के चलते गोविंद शर्मा पर बाइक पर सवार दो द्वारा कट्टे से फायर कर हत्या का प्रयास किया। सभी के अपराधिक रिकॉर्ड है। गोली चलाने वाले आरोपियों का विष्णु तोमर समर्थन कर रहा था। समय थाना प्रभारी ने उसे समझाया वह नहीं माना, बिना किसी अनुमति के थाने के गेट पर आधा सैकड़ा से अधिक लोगों के साथ नारेबाजी कर पुलिस पर हमला कर दिया और सड़क पर जाम लगा दिया। सभी आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

–रवि भदोरिया, एसडीओपी, अंबाह

जाति प्रमाण पत्र के नाम पर रिश्वत लेते लोकायुक्त ने राजस्व अधिकारी को रंगे हाथ पकड़ा

सत्ता सुधार ■ मुरैना

व्हीआईपी रोड स्थित नई तहसील कार्यालय में मंगलवार की सुबह लोकायुक्त टीम ने मात्र 2000 रूपए की रिश्वत लेते हुए राजस्व अधिकारी राकेश जैन को रंगे हाथ पकड़ लिया। लोकायुक्त की कार्रवाई पूरे कार्यालय में आग की तरह फैल गई और वहां सन्नाटा खिंच गया। राकेश जैन पर पूर्व में भी तमाम अनियमितताओं के आरोप लगते रहे हैं और तहसील कार्यालय के राजस्व अधिकारी व पटवारी तमाम कार्यवाहियों के बावजूद भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबे हुए हैं। उक्त राजस्व अधिकारी से प्रताड़ित कई लोगों ने आज कार्रवाई पर खुशियां भी जाहिर की हैं और भ्रष्टाचार को लेकर चर्चाओं का बाजार भी गर्म है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोपियापुरा निवासी शिकायतकर्ता संतोष सिंह कुशवाह की शिकायत पर

लोकायुक्त टीम ने मंगलवार की सुबह कार्रवाई करते हुए राजस्व निरीक्षक (आरआई) राकेश जैन को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया। बताया जाता है कि जाति प्रमाण पत्र बनाने के नाम पर कुल 2000 रुपये की मांग की गई थी। आरोप है कि 19 फरवरी 2026 को आरोपी द्वारा 500-500 रुपये दो बार दिए जा चुके थे। आज शेष 1000 रुपये लेते समय लोकायुक्त टीम ने ट्रैप कार्रवाई करते हुए आरोपी को रंगे हाथ दबोच लिया। बताया जा रहा है कि वर्तमान में नवीन तहसील कार्यालय में लोकायुक्त द्वारा आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मामले में आगे की जांच जारी है। जिला मुख्यालय सहित सभी तहसीलों में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है, राजस्व अधिकारी एवं पटवारी छोटे-छोटे कार्यों के लिए गरीबों किसानों से मोटी रिश्वत मांग रहे हैं, लोग अपने काम के लिए भ्रष्ट अधिकारी-कर्मचारियों से रिश्वत का समझौता कर रहे हैं लेकिन जिले के मुखिया द्वारा भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कोई कारगर कदम अभी तक नहीं उठाए गए हैं। मुरैना जिले में राजस्व अधिकारी एवं पटवारी द्वारा रिश्वत लिए जाने का यह कोई पहला मामला नहीं है। पूर्व में भी कई अधिकारी-कर्मचारी रिश्वत लेते पकड़े गए हैं। यह भ्रष्ट लोग गरीबों, किसानों व आमजन का खून चूस रहे हैं।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा शुरू

सत्ता सुधार ■ झुंडपुरा

कस्बे के पास सिमरौदा गांव में कलशयात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा शुरू हुई। भागवत कथा के पूर्व गांव से विशाल कलशयात्रा एवं शोभायात्रा निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। कलश यात्रा में परीक्षत वासुदेव प्रसाद मुकट बिहारी दांतरे श्रीमद्भागवत पुराण को सिर पर रखकर चले रहे थे, साथ में कन्याएं, महिलाएं बड़ी संख्या में कलश रखकर चल रही थी। पीछे कथावाचक श्री रामहर्षण कुंज पीठाधीश्वर स्वामी आयोध्यादास जी महाराज अयोध्या धाम गाड़ी में सवार थे। कलश यात्रा ब्राह्मण गली से बस स्टैंड तिराहे होकर विभिन्न मार्गों से होकर कथा स्थल नव निर्मित नवीन मन्दिर पहुंची। कथा स्थल पर स्वामी अयोध्यादास जी महाराज ने विधि विधान पूजन कर कथा का

शुभारंभ किया।

स्वामी अयोध्यादास जी महाराज ने कहा कि हमें अपने जीवन को सफल बनाने के लिए कथा का श्रवण अवश्य करना चाहिए। कथा मे मिले ज्ञान को हम अगर अपने जीवन में उतारेंगे तो हमारा जीवन अवश्य सफल हो जायेगा। प्रभु का गुणगान करने से हमारे जीवन में आये कष्ट दूर हो जाते है तथा भगवत कृपा प्राप्त होती हैं। इस अवसर पर परीक्षत बासुदेव प्रसाद मुकट बिहारी दांतरे, पण्डित रामदयाल, सियाराम, वासुदेव प्रसाद, जगदीश प्रसाद, राधेश्याम, मुकुट बिहारी, रामकुमार, गिर्राज, प्रवीण, आशु, सोनू, राधेश्याम, रामकुमार शर्मा, गोकुल देव, प्रवीण, आशु, सोनू, प्रदीप शास्त्री, मोनू शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ड्यूटी कर लौट रहे दो कोटवारों की सड़क हादसे में मौत, अग्रिम स्कूल के पास दर्दनाक घटना

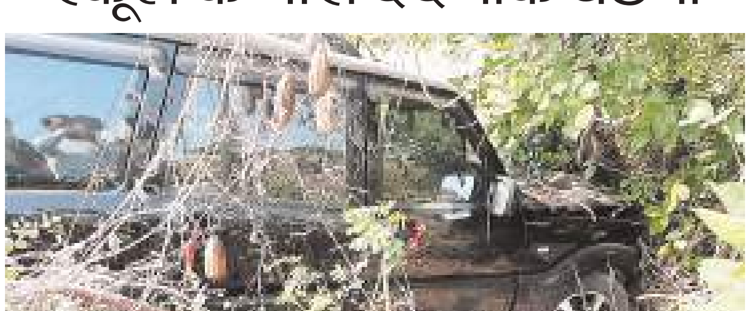

सत्ता सुधार ■ मुरैना

अंबाह नगर से करीब 3 किलोमीटर दूर व्यस्त मुरैना रोड स्थित अग्रिम स्कूल के पास मंगलवार को एक भीषण सड़क हादसे में दो कोटवारों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान रंजीत पुत्र श्यामलाल श्रीवास, कोटवार ग्राम लहर (25) तथा हरिचंद पिता श्यामलाल माहौर कोटवार ग्राम दिमनी (24) के रूप में हुई है। दोनों स्थायी कर्मचारी थे और संदीपनी विद्यालय नवीन भवन साधुपुरा से परीक्षा ड्यूटी कर लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार दोनों युवक एक ही बाइक पर सवार थे, तभी पुलिस लिखी बोलेरो वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक वाहन में चार लोग सवार थे, जिनमें से तीन मौके से भाग गए, जबकि एक व्यक्ति को डायल 112 पुलिस अपने साथ ले गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि वाहन चालक ने शराब पी रखी थी और गाड़ी में शराब भी रखी हुई थी। गवाहों ने यह भी बताया कि हादसे के बाद गाड़ी पहले अनलॉक थी, लेकिन बाद में उसे लॉक कर दिया गया। घटना से आक्रोशित नागरिकों ने कुछ समय के लिए सड़क जाम कर विरोध जताया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर

जनसुनवाई में चम्बल आयुक्त ने 12 आवेदकों की समस्याएँ सुनीं

सत्ता सुधार ■ मुरैना

चम्बल संभागीय मुख्यालय स्थित चम्बल भवन में मंगलवार, 24 फरवरी 2026 को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत चम्बल संभाग आयुक्त सुरेश कुमार ने कुल 12 आवेदकों की विभिन्न समस्याओं को सुना।जनसुनवाई के दौरान उपस्थित आवेदकों ने अपनी-अपनी समस्याएँ आयुक्त के समक्ष विस्तार से प्रस्तुत कीं। प्राप्त आवेदनों में मुख्यतः राजस्व, पुलिस एवं भूमि विवाद से संबंधित प्रकरण शामिल रहे। आयुक्त सुरेश कुमार ने सभी आवेदनों को संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ सुनते हुए प्रत्येक प्रकरण की संक्षिप्त जानकारी प्राप्त की। उन्होंने आवेदकों को आश्वस्त किया कि सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण नियमानुसार, पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से तथा समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाएगा।

जिला मुख्यालय पर आयोजित जनसुनवाई में 267 आवेदनों पर हुई सुनवाई

सत्ता सुधार ■ मुरैना

कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ ने जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट कार्यालय, मुरैना में आयोजित जनसुनवाई के दौरान 267 आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। जनसुनवाई में कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन को ध्यानपूर्वक पढ़ते हुए तत्काल मोबाइल के माध्यम से उसकी फोटो लेकर संबंधित निराकरण अधिकारी को आवेदक की उपस्थिति में ही प्रेषित किया। मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में मुख्यतः राजस्व, भूमि विवाद, छात्रवृत्ति, अतिथि शिक्षक, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय, पेंशन, स्वच्छता, अतिक्रमण, सिंचाई विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदनों को चिन्हित करते हुए उन्हें पोर्टल के माध्यम से संबंधित विभागों को भेजने के निर्देश ई-गवर्नेंस शाखा को दिए। साथ ही अनेक प्रकरणों को टीएल में दर्ज करने हेतु भी अधिकारियों को निर्देशित किया। जनसुनवाई के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव, अपर कलेक्टर अश्विनी कुमार रावत सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अटल प्रोग्रेस वे सड़क परियोजना का एलाइनमेंट बदला, किसान आंदोलन ने मनाया जीत का जश्न

सत्ता सुधार ■ सबलगढ़

अटल प्रोग्रेस वे सड़क परियोजना रद्द करने या उसका एलाइनमेंट बदलकर पुराने एलाइनमेंट पर निकालने की मांग को लेकर किसान गत चार वर्षों से आंदोलन कर रहे थे। श्योपुर कलां से लेकर भिंड तक सैकड़ों विरोध कार्रवाई आयोजित की गई। ज्ञापन, धरना प्रदर्शन, सत्याग्रह, सभाएं, ग्राम सभाएं, किसान सम्मेलन आदि कार्यवाहियां आयोजित करने सहित भोपाल में विधानसभा पर भी आंदोलन किया गया। अब दिल्ली की तैयारी किसान कर रहे थे, तब तक मध्य प्रदेश सरकार ने मीटिंग करके, अटल

प्रोग्रेस वे सड़क परियोजना को एलाइनमेंट बदलकर पुराने एलाइनमेंट से निकालने और इंडस्ट्रियल कॉरिडोर नहीं बनाने का निर्णय लिया है। यह जानकारी लोक निर्माण मंत्री द्वारा विधानसभा में दी गई है। विधानसभा के पटल पर जानकारी प्रस्तुत होते ही किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई। गांव-गांव में खुशियां मनाई गई। आज सैकड़ों की संख्या में किसान ,महिला पुरुष मध्य प्रदेश किसान सभा के सबलगढ़ कार्यालय पर एकत्रित हुए। मीटिंग का आयोजन किया और तहसील चौराहे पर खुशी का इजहार करते हुए जीत का जश्न मनाया। इस मौके पर सभी ने किसान सभा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक तिवारी का भव्य स्वागत किया। किसानों की जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए नारेबाजी की। आगामी दिनों में ट्रेड डील से लेकर अन्य नीतिगत मामलों पर और स्थानीय समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। किसानों से एकजुट होने और संघर्ष करने का आह्वान किया। इस मौके पर किसान सभा के जिला महासचिव नरेश गोस्वामी, तहसील अध्यक्ष मानसिंह जादौन, संघर्ष समिति के अध्यक्ष राकेश शुक्ला, आदि सहित विभिन्न गांव के किसानों ने संबोधित किया। आगामी समय में मध्य प्रदेश किसान सभा की ओर से विजय जत्था निकालकर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। किसानों ने इस दौरान यह भी कहा है कि एलाइनमेंट बदलने से जिन किसानों की जमीन जाएगी। उन्हें बाजार मूल्य से चार गुना मुआवजा के लिए हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

शिविर लगाकर समाधान योजना अन्तर्गत बकाया जमा

सत्ता सुधार ■ झुंडपुरा

सब स्टेशन चिन्नौनी अन्तर्गत लोगों की विद्युत संबंधी समस्याओं के निवारण तथा समाधान योजना का उपभोक्ताओं को लाभ दिलाने के लिए, विद्युत वितरण कम्पनी उप महाप्रबंधक आर के मौर्य तथा निर्देशन में सहायक यंत्री सुमित वर्मा के नेतृत्व में कस्बे के चिन्नौनी में शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें विद्युत उपभोक्ताओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया व अपनी समस्याओं से विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया और समस्याओं के निराकरण का अनुरोध किया।

सहायक यंत्री ने बताया कि

शासन के निर्देशानुसार समाधान योजना चलाई जा रही है जिसमें विद्युत उपभोक्ताओं अधिभार में शत-प्रतिशत छूट दी जा रही है। शिविर में लोगों को समाधान योजना के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई और इसका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर लोगों ने कर्मचारियों के समझाने पर बकाया बिल जमा किया, जिसमें मुख्य रूप से राम अवतार रावत और रामपाल यादव की मुख्य भूमिका रही। लोगों ने तीन दिन से सप्लाई बंद होने की शिकायत कर्मचारियों ने समाधान योजना अन्तर्गत बकाया राशि जमा करने पर ट्रांसफार्मर से सप्लाई सुचारू ढंग से शुरू कर दी। शिविर में लगभग एक लाख रुपए से अधिक बकाया राशि जमा कराई गई।

ब्रीफ न्यूज

जागरूकता कार्यक्रम 27 फरवरी को

हरदा। भारत सरकार, एमएसएमई मंत्रालय, एमएसएमई विकास कार्यालय इंदौर के द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों के लिए एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 27 फरवरी को किया जाएगा। महाप्रबन्धक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सुश्री मेघा सुमन ने बताया कि यह जागरूकता कार्यक्रम 27 फरवरी को होटल रुद्राक्ष पैलेस हरदा में सुबह 10.30 बजे से किया जाएगा। उन्होने बताया कि कार्यक्रम में पीएम विश्वकर्मा स्कीम में रजिस्टर्ड लाभार्थी सीधे उपस्थित होकर भाग ले सकते हैं। इसके लिए पीएम विश्वकर्मा आईडी कार्ड लाना अनिवार्य होगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की गारंटी में जन-संवाद अभियान

हरदा। भारत सरकार द्वारा ग्रामीण परिवारों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लागू किए गए विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका की गारंटी मिशन अधिनियम, 2025 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु हरदा जिले में व्यापक आई.ई.सी. कार्यक्रम का आगाज होने जा रहा है।

हंडिया में स्क्रीनिंग शिविर 25 फरवरी को

हरदा। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम अन्तर्गत संचालित सभी पेंशन योजनाओं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के तहत सभी पात्र हितग्राहियों की पेंशन फार्म तैयार कर पेंशन स्वीकृत करने एवं उच्च न्यायालय के आदेश अनुसार दिव्यांग बच्चों के दिव्यांग प्रमाण पत्र तैयार करने हेतु जिले में स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया जाएगा। उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग कमलेश सिंह ने बताया कि शिविरों में सामाजिक न्याय विभाग, स्वास्थ विभाग, शिक्षा विभाग, एवं महिला बाल विकास, सभी जनपदों व नगरीय निकायों को शत प्रतिशत स्क्रीनिंग हेतु जिम्मेदारी दी गई है। उप संचालक श्री सिंह ने बताया कि शासन द्वारा जिले में निर्धारित दिनांक एवं स्थान तय किए गए है, जिसकी जिम्मेदारी सर्व संबंधित विभागों को सौपी गई है। उन्होने बताया कि 25 फरवरी को ग्राम पंचायत हंडिया में प्रातः 11 बजे से शिविर आयोजित होगा। इसी प्रकार 27 फरवरी को ग्राम पंचायत रहटगांव, 09 मार्च को ग्राम पंचायत गोराखाल, 11 मार्च को ग्राम पंचायत चारूवा तथा 13 मार्च को ग्राम पंचायत सोडलपुर में स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किये जायेंगे।

210 ग्राम पंचायतों में पहुँचा कृषि रथ

हरदा। म.प्र. शासन, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा प्रदेश में वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। म.प्र. शासन एवं कलेक्टर सिद्धार्थ जैन के निर्देशन में हरदा जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायतों में कृषि रथ का संचालन 11 जनवरी से 11 फरवरी तक किया गया। उप संचालक कृषि जे.एल. कास्दे ने बताया कि जिले के विकासखंडो में संचालित कृषि रथों द्वारा 210 ग्रामपंचायतों में भ्रमण किया गया। इस दौरान 6720 कृषक तथा 630 जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में विभागीय अधिकारी कर्मचारियों व वैज्ञानिको ने किसानों को विस्तृत जानकारी दी।

पंचनामा के 5 दिन बाद भी कोई कार्यवाही नहीं होने से उठ रहे तरह-तरह के सवाल

सत्ता सुधार ■ हरदा

जिले की बूंदडा पंचायत में 5-6 दिन पहले जामुन के हरे-भरे पेड़ कटवाने का मामला प्रकाश में आया था। जिसका खुलासा होने पर वन विभाग की टीम ने पंचनामा बनाया और ट्रैक्टर, ट्राली, मशीन, वजन मशीन आदि के जप्ती किये बिना चली गई। पूछताछ के दौरान बताया कि इस मामले में राजस्व विभाग कार्यवाही करेगा।

सरपंचपति का यह कृत्य गैर कानूनी और पर्यावरण के लिए घातक है। मधुमक्खी के छत्ते का हवाला देकर बामुरे के पेड़ की जगह हरे-भरे जामुन के फलदार वृक्ष को बेरहमी से यह कहकर कटवाया की वन विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारियों से अनुमति ली गई है। सत्ता सुधार की टीम ने जब पड़ताल की तो पता चला कि कोई अनुमति नहीं है। सरपंच को मिले पद एवं अधिकार का दुरुपयोग करते हुए सरपंचपति द्वारा पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर कानून का उल्लंघन किया जा रहा है फिर भी कोई देखने व सुनने वाला नहीं है।

हाथ धरे बैठी गांधारी की निभा रही भूमिका -चौहान : डी.एस. चौहान प्रेस क्लब जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि यदि कार्यवाही नहीं करनी थी तो वन विभाग ने पंचनामा क्यों बनाया पंचनामा बनाने के बाद वन विभाग की टीम कार्यवाही से पीछे क्यों हट गई कहीं इसमें भारी राजनीतिक दबाव या फिर लेन-देन का चक्कर है। मामला चाहे जो हो किंतु ग्रामीण अंचल में इसको लेकर तनाव और आक्रोश का माहौल है। पंचनामा बनाकर लकड़ी को जप्त नहीं किया गया है। होली का त्यौहार नजदीक है। हरे-भरे पेड़ काटने वाले होली में लकड़ी जलाकर नामो निशान मिटाने के फिराक में है और वन विभाग, राजस्व विभाग की टीम हाथ पर हाथ धरे बैठी गांधारी की भूमिका निभा रही है।

आरा मशीन और वैरियल की जांच में खानापूर्ति- खोरे

ग्रामीण अंचल से आम, जामुन, नीम, सागौन के हरे-भरे वृक्ष काटकर ट्रैक्टर ट्राली से वैरियल होते हुए आरा मशीन ले जाई जाती है। जांच पड़ताल के नाम पर खानापूर्ति की जाती है। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के पूर्व जिलाध्यक्ष रामनिवास खोरे ने आरोप लगाया कि सांठगांठ करके हरे-भरे पेड़ों को काटा जा रहा है। आरा मशीन में मौजूद लकड़ी कहां से आई, किसने खरीदा, कब बेचा गया और कितनी लकड़ी आदि की जांच की जाये और वैरियल के कैमरे की भी जांच की जाय तो सब कुछ आईने की तरह स्पष्ट हो सकता है। छोटा आम आदमी होता है तो फौरन कार्यवाही होती है। बड़ा और पहुंच वाला आदमी होता है कार्यवाही से सभी पीछे हट जाते हैं और सारे कायदे कानून धरे के धरे रह जाते हैं। सरपंचपति मामले में कहीं कुछ ऐसा तो नहीं हुआ, मामला चाहे जो हो किंतु कार्यवाही नहीं होने से ऐसे सवाल खड़े हो रहे हैं।

क्या कहते जवाबदार

बूंदडा पंचायत में बामुरे के पेड़ की जगह हरे-भरे फलदार जामुन के पेड़ काटने के मामले की जांच पड़ताल करवाई जायेगी, तत्पश्चात दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी।

श्रीमती ज्योति मुडिया, वन मंडलाधिकारी, हरदा।

वृक्षारोपण अभियान की पोल खुली - पालिवाल

शासन प्रशासन द्वारा जहां एक और वृक्षारोपण पर हर वर्ष लाखों रुपये खर्च होते हैं। पौधों की खरीदारी और लगाने का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू किया जाता है। पेड़ लगाओ अभियान पिछले कई वर्षों से चल रहा है। शासन प्रशासन के साथ स्वयंसेवी संगठन भी इस कार्य में लगे हैं। इतने पर भी जिन पेड़ों को वर्षों की मेहनत के बाद तैयार किया जाता है उन पेड़ों को चंद स्वार्थों की पूर्ति के लिए बड़ी बेरहमी से काट दिया जाता है। समाजसेवी दिलीप पालिवाल ने आरोप लगाया कि हरे-भरे फलदार वृक्ष काटना अपराध है। इस अपराध को किया गया 5-6 दिन का समय व्यतीत हो गया फिर भी न तो लकड़ी जप्त की गई और न ही पेड़ काटने के लिए उपयोग किये गए अन्य संसाधन। कहीं इसमें सबकी मिली भगत तो नहीं है।

किसानों को मिल रही सोलर पंप की सौगात

हरदा। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पी.एम.कुसुम योजना का घटक-ब प्रदेश में प्रधानमंत्री कृषक सूर्य मित्र योजना के नाम से संचालित है। प्रभारी जिला अक्षय ऊर्जा अधिकारी नरेन्द्र जैन ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत जिसके अंतर्गत हरदा जिले के किसानों के लिए सिंचाई की सुविधा और भी आसान हो रही है। योजना के तहत किसान अंशदान केवल 10 प्रतिशत, केंद्र सरकार का अनुदान 30 प्रतिशत तथा बैंक ऋण शेष 60 प्रतिशत है। योजना के तहत ऋण की गारंटी मध्यप्रदेश शासन द्वारा दी जा रही है। ऋण प्रक्रिया को आसान बनाने हेतु सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को नोडल बैंक नियुक्त किया गया है। योजना का लाभ लेने की प्रक्रिया, जिले में अब तक की प्रगति 31 दिसंबर 2025 तक जिले में 361 आवेदनों के वर्क ऑर्डर जारी किए जा चुके हैं।

आज हरदा प्रवास पर आएंगे सैनिक कल्याण संचालक

हरदा। संचालक सैनिक कल्याण मप्र भोपाल ब्रिगेडियर श्री अरुण नायर, सेना मेडल 24 एवं 25 फरवरी को नर्मदापुरम व हरदा के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों से सीधा संवाद करेंगे। कार्यक्रम संबंधी अधिक जानकारी के लिये कार्यालय के दूरभाष क्रमांक 07574-254465 एवं कल्याण संयोजक के मोबाइल नम्बर 9454504891 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

लगातार चोरियों से दहशत में टिमरनी, महिलाओं ने दी आंदोलन की चेतावनी

लगभग 20 लाख रुपये से अधिक की चोरी होने की घटना ने लोगों को झकझोर कर रख दिया

सत्ता सुधार ■ टिमरनी

नगर में पिछले तीन महीनों से लगातार हो रही चोरियों की घटनाओं से आमजन में भय और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार इस दौरान नगर के विभिन्न आवासीय एवं व्यावसायिक स्थानों पर एक दर्जन से अधिक बड़ी चोरियां हो चुकी हैं आज टिमरनी नगर की वार्ड क्रमांक 3 की महिलाओं ने पुलिस अधीक्षक टिमरनी के नाम नगर निरीक्षक मुकेश गोड़ को ज्ञापन सोपा जिसमे विशेष रूप से वार्ड क्रमांक 03 में तीन बड़ी चोरी की घटनाएं सामने आई हैं। हाल ही में काकोडिया परिवार के यहां लगभग 20 लाख रुपये से अधिक की चोरी होने की घटना ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। नागरिकों का कहना है कि अब तक किसी भी बड़ी चोरी का खुलासा नहीं हो सका है, जिससे लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है। समय मुख्य रूप से पलक उपरीत रचना यादव रेखा यादव राजश्री तिवारी गायत्री बाई प्रेम बाई ज्योति यादव दीक्षा उपरीत सरिता मरावे उमा बाई सहित वार्ड की महिलाएं मौजूद थी। चायत अशोकनगर, संबंधित राजस्व निरीक्षक, संबंधित पटवारी, सचिव ग्राम पंचायत, संबंधित ग्राम कोटवार होगें। तहसील अशोकनगर वृत्त-कचनार के लिए ग्रामीण क्षेत्र हेतु नायब तहसीलदार वृत्त-कचनार (दल प्रभारी), मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अशोकनगर, संबंधित राजस्व निरीक्षक, संबंधित पटवारी या सचिव ग्राम पंचायत, संबंधित ग्राम कोटवार होगें। तहसील अशोकनगर वृत्त-राजपुर ग्रामीण क्षेत्र हेतु नायब तहसीलदार वृत्त-राजपुर (दल प्रभारी), मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अशोकनगर, संबंधित राजस्व निरीक्षक, संबंधित वीट प्रभारी (वन विभाग), संबंधित पटवारी अथवा सचिव ग्राम पंचायत, संबंधित ग्राम कोटवार होगें। तहसील शाढौरा अंतर्गत नगरीय क्षेत्र हेतु तहसीलदार शाढौरा (दल प्रभारी), मुख्य नगरपालिका अधिकारी शाढौरा, संबंधित राजस्व निरीक्षक, संबंधित पटवारी होगें। तहसील शाढौरा वृत्त-शाढौरा ग्रामीण क्षेत्र के लिए तहसीलदार शाढौरा (दल प्रभारी), मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अशोकनगर, संबंधित राजस्व निरीक्षक,संबंधित पटवारी/सचिव ग्राम पंचायत संबंधित ग्राम कोटवार होगें। तहसील शाढौरा वृत्त-बरखेडानई ग्रामीण क्षेत्र हेतु तहसीलदार शाढौरा (दल प्रभारी), मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अशोकनगर, संबंधित राजस्व निरीक्षक, संबंधित पटवारी अथवा सचिव ग्राम पंचायत संबंधित, ग्राम कोटवार होगें। तहसील शाढौरा वृत्त-जलालपुर ग्रामीण क्षेत्र हेतु नायब तहसीलदार वृत्त-जलालपुर (दल प्रभारी), मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अशोकनगर, संबंधित राजस्व निरीक्षक,संबंधित पटवारी अथवा सचिव ग्राम पंचायत संबंधित ग्राम कोटवार होगें।

साली के मोबाइल पर वाइस मैसेज भेजकर पत्नी को दिया तलाक

तीन तलाक मामलें में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

सत्ता सुधार ■ जबलपुर

ससुराल की प्रताड़ना से तंग आकर मायके में रह रही एक महिला के पति ने अपनी साली के मोबाइल पर वाइस मैसेज तीन बार तलाक, तलाक भेज दिया अब महिला की रिपोर्ट पर पुलिस ने पति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है7 पुलिस के मुताबिक शादी के 10 साल बाद रिश्तों में आई दरार के बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। अधारताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार अधारताल निवासी फरहीन अली ने एक लिखित शिकायत की, जिसमें कहा है कि उसका विवाह वर्ष 2010 में मुस्लिम रीति रिवाज से भानतलैया हनुमानताल निवासी वाहिद अली के साथ हुआ था। उसके 2 बच्चे हैं। शादी के कुछ समय बाद से पति वाहिद अली, ससुर नजर अली, सास सुल्ताना बानो, ननद शमा खान, नुशरत खान देवर जावेद अली द्वारा घरेलू बातों को लेकर उसके शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे थे। पति की मारपीट से परेशान होकर वह लगभग तीन माह से मायके में रही थी। 16 जनवरी को पति वाहिद ने फोन करके बोला कि ससुराल आ जाओ तो वह ससुराल भानतलैया आ गयी, पति द्वारा उसे लगातार परेशान किया गया था। महिला ने पुलिस को बताया कि घर में काम करने का बहाना करके उसे मायके छोड़ दिया और बच्चों को अपने पास रख लिया। उसने पति को फोन लगाकर ससुराल जाने के लिये कहा तो पति ने फोन पर गाली गलोज कर एवं तलाक देने की धमकी दी और 16 फरवरी को पति ने उसकी बहन के मोबाइल पर रात लगभग 10 बजे वायस मैसेज करके कहा कि, मैं वाहिद अली अपने होशो हवाश में फरहीन को तलाक देता हूँ, कहते हुये तीन तलाक दे दिया था।

शराबी पति ने पत्नी को उठाकर पटका

जबलपुर। कुंडम थाना अतंर्गत पिपरिया लखनवारा में एक शराबी पति ने अपनी पत्नी के साथ मारपीट उसे जमीन पर पटक दिया7 बताया गया है कि उसका शराबी पति घरेलू बातों को लेकर आए दिन शारीरिक व मानसिक रुप से उसे प्रताड़ित करता है। कुण्डम पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिपरिया लखनवारा निवासी 48 वर्षीय मीरा बाई विश्वकर्मा से गत रात लगभग 11.12 बजे शराब के नशे में घरेलू बातों को लेकर गालीगलौज व मारपीट की और उसे उठाकर जमीन पर पटक दिया, जिससे उसके सिर एवं हाथ पैरों में चोटें आ गई है। पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 85 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

जबलपुर स्टेशन पर यात्री की अटकी श्वांसो को मिला आक्सीजन का सहारा

सत्ता सुधार ■ जबलपुर

जबलपुर रेलवे स्टेशन पर रेल कर्मचारियों की तत्परता से एक यात्री की जान बची। उसकी श्वांसे रुक रही थी, लिहाजा उसे ऑक्सीजन सिलेण्डर मुहैया कराया गया। दरअसल मंगलवार को 139 रेल मदद सेवा के माध्यम से सूचना मिली कि प्राप्त हुई की ट्रेन संख्या 12165 में यात्रा कर रहे यात्री सतीश कुमार, उम्र 41 वर्ष, जिनका पीएनआर 8444926443 है और वे कोच एस-8, सीट संख्या 41 पर यात्रा कर रहे हैं, को यात्रा के दौरान श्वांस लेने में गंभीर कठिनाई हो रही है एवं उन्हें तत्काल ऑक्सीजन सिलेंडर की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही उप स्टेशन प्रबंधक आशीष चड्ढा एवं राजू द्वारा मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए बिना किसी विलंब के दवा बाजार स्थित अनन्या क्लिनिक से संपर्क स्थापित किया गया।

रहटगांव ग्राम पंचायत के घोटाले की पुनः शुरू हुई जांच

सत्ता सुधार ■ हरदा/रहटगांव

ग्राम पंचायत रहटगांव में मंगलवार को फिर से तीन सदस्य जांच टीम पहुंची जांच करने पहुंची जिसमें 15 बिंदुओं की जांच 5 घंटे चली जिसमें आवेदक सदानंद कनेरिया एवं विजय रामटेक द्वारा अपने कथन अंकित करवाए गए ग्राम पंचायत में सरपंच सचिव रामशंकर चौहान सहायक सचिव भूरमल सोलंकी उपस्थित रहे एवं पूर्व सचिव रामकृष्ण कुशवाहा सूचना देने के बाद भी अनुपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत रहटगांव में वर्ष 1982, 83 से 2025 तक हुए भ्रष्टाचार की जांच प्रारंभ हुई है जिसमें मुख्यतः बाजार दुकानों की अमानत राशि का गवन, टैक्स चोरी, फर्जी आवंटन, मनमर्जी से दुकानों का साइज बढ़ाना, फर्जी मजदूरी मस्टरोल भरना एवं फर्जी बिलो के भुगतान संबंधी 15 बिंदुओं पर जांच होना है पिछले कई वर्षों से लगातार ग्राम पंचायत रहटगांव की शिकायतें सामने आ रही है जिसको लेकर अब प्रशासन सख्त है भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुछ दिन पूर्व ग्राम पंचायत रहटगांव के सभी मेंबरों द्वारा भी सरपंच सचिव पर भ्रष्टाचार लगाए गए हैं एवं जिला कलेक्टर को भ्रष्टाचार की शिकायत की गई है । जिसको लेकर भी जांच होना बाकी है।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी नागरिकों की समस्याएं

सत्ता सुधार ■ हरदा

मंगलवार को जिला पंचायत् में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में आए नागरिकों की कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने समस्याएं सुनी और उपस्थित अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर सतीश राय, जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रवीण इवने, एसडीएम खिरकिया सुश्री शिवांगी बघेल सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में श्रीमती सलोनी साहू ने कलेक्टर को आवेदन देकर पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की,ग्राम पिडगांव के किसानों ने आवेदन देकर खेत में जाने के रास्ते पर पुलिया बनवाने की मांग की, आउटसोर्स डाटा एन्ट्री ऑपरेटर्स ने तीन माह का लंबित वेतन तथा एरियर भुगतान कराने की मांग की, आदित्य सिंह ने ग्राम गोंदागांव स्थित अपनी जमीन के सीमांकन की पुष्टी कराकर रिकार्ड दुरूस्त कराने के संबंध में आवेदन दिया, उषा बाई ने आवेदन देकर पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने तथा खाद्यान्न पर्ची दिलाने के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर संबंधित विभाग के अधिकारी को पात्रतानुसार समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये।

बिजली बिल में 30 फीसदी तक की कमी

सत्ता सुधार ■ हरदा

गर्मी में बिजली की खपत बढ़ने से बिजली बिल अधिक आता है, लेकिन कुछ तरीके अपना कर बिजली बिल में कमी की जा सकती है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि एक शोध से यह साबित हुआ है कि एसी का तापमान 26 डिग्री पर सेट करने से बिजली बिल में 30 प्रतिशत तक कमी हो सकती है। शोध के अनुसार, प्रत्येक डिग्री तापमान में वृद्धि के परिणामस्वरूप स्प्लिट एसी की ऊर्जा खपत में 6 प्रतिशत की कमी आती है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि आप थर्मोस्टेट को 26 डिग्री सेल्सियस पर सेट करते हैं और टाइमर को 2 घंटे के लिए सेट करते हैं और साथ में सीलिंग फैन चला देते हैं, तो यह आमतौर पर अच्छी नींद के लिए आरामदायक तापमान बनाए रखता है। इसलिए समझदारी से काम लेते हुए एसी को 26 डिग्री पर सेट करें तथा सीलिंग फैन एक या दो पाइंट पर जरूर चलाएं, ऐसा करने से बिजली बिल में कमी आ सकती है।

ब्रीफ न्यूज

पुरानी जनपद के पास 19 वर्षीय महिला ने आत्महत्या की

खुरई (सागर)। शहर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले पुराना जनपद क्षेत्र में एक 19 वर्षीय महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतिका की पहचान आरती पति रोहित आदिवासी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, घटना के समय महिला घर पर अकेली थी। उसी समय उसने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। मृतिका का एक बच्चा भी है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

परिजनों ने बताया कि महिला पिछले कुछ समय से किसी व्यक्ति द्वारा परेशान किए जाने के कारण मानसिक तनाव में थी, जिसकी शिकायत पहले भी पुलिस में की गई थी। पुलिस का कहना है कि वे इस मामले के सभी पहलुओं और पिछली शिकायतों से जुड़े दस्तावेजों की से जांच कर रहे हैं।

शिव महापुराण का ज्ञान जीवन को सही दिशा देने वाला हैः राजयोगिनी बीके नीलम दीदी

खुरई (सागर)। श्री शिव महापुराण ज्ञान महायज्ञ कथा की शुरुआत मंगलवार को मंगल कलश यात्रा के साथ हुई। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर कलश धारण कर शामिल हुई। कलश यात्रा बस स्टैंड से शुरू हुई जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कथा स्थल महाकाली मंदिर प्रांगण टीन शेड पहुंची। कथा 2 मार्च तक रोजाना दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। मंगल कलश यात्रा का जगह जगह जोरदार स्वागत किया गया। ब्रह्माकुमारीज़ के तत्वावधान में चल रही कथा के शुभारंभ पर प्रवचनकर्ता राजयोगिनी बीके नीलम दीदी ने पहले दिन श्रीशिव महापुराण कथा के श्रवण का महत्व सुनाते हुए कहा कि शिव महापुराण कथा की महिमा अपरंपार है। यह सिर्फ एक कथा नहीं बल्कि आत्मा को परमात्मा शिव से जोड़ने का माध्यम, मंगल मिलन कराने वाला दिव्य ज्ञान है। जब व्यक्ति श्रद्धा, एकाग्रता और शुद्ध भाव से कथा सुनता है, तो उसके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है। साथ ही पुण्योदय होने लगता है। कथा सुनना तभी फलदायी होता है जब श्रृद्धालु स्वयं को आत्मा समझकर परमात्मा की वाणी को ग्रहण करते हैं। शिव महापुराण का ज्ञान जीवन को सही दिशा देने वाला है।

आरटीओ सागर में सीएम हेल्पलाइन शिकायत निवारण एवं जनसुनवाई शिविर आयोजित

सागर। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में सीएम हेल्पलाइन शिकायत निवारण एवं जनसुनवाई शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करना था।आयोजित शिविर में सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के शिकायतकर्ताओं को कार्यालय में आमंत्रित कर उनकी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित 08 शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया तथा कुल 14 शिकायतों को संतुष्टि के साथ बंद कराया गया।जो शिकायतकर्ता किसी कारणवश शिविर में उपस्थित नहीं हो सके, उनकी शिकायतों का भी निराकरण कर दूरभाष के माध्यम से उन्हें सूचित किया गया। यह शिविर दोपहर 12 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित किया गया।

कलेक्टर की जनसुनवाई में उमड़ा जनसैलाब, कलेक्टर के न आने से छाई निराशा

कार्यक्रम में बदलाव से लौटा प्रशासनिक अमला, कार्यक्रम को लेकर नहीं दिखी रूचि

सत्ता सुधार ■ देवरी (सागर)

संदीप जीआर के निर्देश पर जिले में नवाचार के रूप में प्रत्येक विकासखंड स्तर पर जनसुनवाई आयोजित की जा रही है। इसका उद्देश्य यह है कि ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए जिला मुख्यालय सागर के चक्कर न लगाने पड़ें और स्थानीय स्तर पर ही शिकायतों का त्वरित निराकरण हो सके।इसी क्रम में देवरी विकासखंड में जनसुनवाई का आयोजन किया गया था, जिसमें कलेक्टर संदीप जी आर के उपस्थित रहने की जानकारी दी गई थी। कलेक्टर के आने की सूचना मिलते ही नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायतें लेकर जनसुनवाई स्थल पर पहुंच गए। देखते ही देखते शिकायतों का अंबार लग गया और परिसर में जनसैलाब उमड़ पड़ा।

हालांकि, निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कलेक्टर के न पहुंचने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों में निराशा छा गई। कई आवेदकों का कहना था कि यदि कलेक्टर स्वयं उपस्थित रहते तो समस्याओं का मौके पर ही समाधान संभव हो पाता। उनका मानना था कि अब शिकायतें केवल औपचारिकता बनकर रह जाएंगी और एक-दो मामलों में कार्रवाई के बाद शेष प्रकरण लंबित रह सकते हैं।

कलेक्टर के न आने की सूचना के बाद जिले के अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी लौटने लगे, जिससे कार्यक्रम का प्रभाव फीका पड़ गया। उपस्थित लोगों ने प्रशासन से अपेक्षा जताई कि भविष्य में जनसुनवाई की पूर्व सूचना और कार्यक्रम की स्पष्टता सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन की आशाओं को ठेस न पहुंचे।

जनसुनवाई में उमड़ी भीड़ यह दर्शाती है कि देवरी नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की जनता प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर है और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उच्च स्तर पर सुनवाई चाहती है।

कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देश पर देवरी में आयोजित विशेष जनसुनवाई में 300 से अधिक व्यक्तियों के समस्याओं का मौके पर ही अधिकारियों के माध्यम से निराकरण कराया। अपर कलेक्टर अविनाश रावत ने बताया कि आज देवरी में आयोजित विशेष जनसुनवाई में आमजनों के 300 से अधिक अवेदनों को सुना गया। उन्होंने बताया कि सरकार की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को दिलाने एवं जिलेवासियों को उनकी समस्याओं एवं शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देश पर देवरी में आयोजित विकासखण्ड स्तरीय जनसुनवाई में विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए आमजन से आवेदन प्राप्त किए।

मातृभाषाओं के संरक्षण से संस्कृति का संरक्षण होगा : प्रो. मिश्रा

राजकीय विश्वविद्यालय में मनाया गया 'अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस'

सत्ता सुधार ■ सागर

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में रानी अवन्तीबाई लोधी विश्वविद्यालय, सागर के हिन्दी विभाग द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती, रानी अवन्तीबाई लोधी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलगुरू प्रो. विनोद कुमार मिश्रा ने मातृभाषा के महत्व को बताते हुए विभिन्न उदाहरण प्रस्तुत किये । उन्होंने कहा कि किसी भी संस्कृति की पहचान उसकी मातृभाषा से होती है। उन्होंने कवि की मनः स्थिति की चर्चा की तथा नर्मदा परिक्रमा के दौरान स्वरचित कविता का पाठ किया।उन्होंने कहा कि सभी भाषाओं में समन्वय होना चाहिए क्योंकि समन्वय संघर्ष को ख़त्म करता है।हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व करना चाहिए और अपनी मातृभाषा में लेखन कार्य भी करना चाहिए।मातृभाषाओं के संरक्षण से ही संस्कृति का संरक्षण हो सकता है जैसे महत्वपूर्ण विचार साझा किये। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. शक्ति जैन ने कहा कि सभी दिवस महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं उसी तरह भाषाओं में मातृभाषा दिवस भी महत्वपूर्ण है।हमें अपनी मातृभाषा के साथ-साथ मातृसंस्था से भी प्रेम करना चाहिए।क्योंकि मातृभाषा और मातृसंस्था हमें संस्कारित और आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती है।साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत शासन द्वारा विश्वविद्यालय को मणिपुरी भाषा को बढ़ावा देने और पाठ्यक्रम संचालित करने का अवसर प्राप्त हुआ है जिससे अंतरभाषिक समन्वय स्थापित होगा। मुख्य वक्ता के रूप में हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. मिथलेश शरण चौबे ने कहा कि आज का दिन लुप्त होती भाषाओं को स्मरण करने का दिन है। भाषाई अस्मिता के लिए पूरी दुनिया में संघर्ष हुआ है और आज भी हो रहा है। हमें अपनी भाषा के प्रति बोध होना चाहिए और दूसरी भाषाओं का सम्मान भी करना चाहिए। शिक्षण संस्थानों में मातृभाषा के प्रयोग पर बल दिया जाना चाहिए । संसार की सभी भाषाओं का संरक्षण किया जाना चाहिए।कोई भी भाषा एक पक्षीय नहीं होती बल्कि मनुष्य की सम्पूर्ण रूप से अभिव्यक्ति का माध्यम होती है। इस अवसर पर काव्यपाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान-महेश मेहरा, द्वितीय स्थान-स्वस्ति जैन, तृतीय स्थान-शौर्यकमल एवं प्रोत्साहन पुरस्कार-नैनसी पटेल को प्रदान किया गया।

स्वच्छता के जनक संत शिरोमणि गाडगे जी महाराज की जन्म जयंती पर निकली गई विशाल शोभा यात्रा

सागर। रहली स्वच्छता के जनक और घर घर शिक्षा की अलख जगाने वाले महाराष्ट्र में जन्मे संत गाडगे बाबा जी महाराज की जन्म जयंती बड़े धूम धाम से मनाई गई जिसमें रहली के मुख्य मार्गो से विशाल शोभा यात्रा निकली गई साथ अटल सेतु के पास स्थित संत गाडगे धर्मशाला में जन्म जयंती कार्यक्रम का विशाल आयोजन किया गया। महाराष्ट्र के एक महान समाज सुधारक, कीर्तनकार और स्वच्छता के प्रतीक थे। उनका मूल नाम 'देबूजी झिंगराजी जानोरकर' था, जिन्होंने अपना पूरा जीवन गरीबों, दलितों की सेवा और अंधविश्वास के खिलाफ संघर्ष में लगा दिया। वे फटे कपड़ों में कीर्तन करते हुए गाँवों में सफाई करते थे और चंदा लेकर उन्होंने शिक्षा व धर्मशालाओं के लिए अनेकों स्कूल,अस्पताल बनवाए । उन्होंने स्वच्छता अभियान भारत बर्ष में सर्वप्रथम प्रारंभ किया था इसलिए उन्हें स्वच्छता के जनक कहते है वे अपने जीवनकाल हाथ में झाडू लेकर चलते थे और सार्वजनिक स्थलों की सफाई करते थे, लोगों को स्वच्छता की जानकारी देकर स्वच्छता को प्रेरित करते थे।

दक्षिण सागर वनमंडल में शाखकर्तन कार्य को लेकर बैठक आयोजित

तेंदूपत्ता संग्रहण की गुणवत्ता सुधार पर जोर, 21,220 मानक बोरा का लक्ष्य निर्धारित

सत्ता सुधार ■ सागर

रिपुदमन सिंह भदौरिया, वन संरक्षक, वन वृत्त सागर के मार्गदर्शन एवं वरूण यादव, वनमंडल अधिकारी, दक्षिण सागर के निर्देशन में वनमंडल दक्षिण सागर के सिरोजा काष्ठागार में शाखकर्तन कार्य संबंधी बैठक आयोजित की गई।बैठक में भारतीय वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी, उपवनमंडल अधिकारी, वन परिक्षेत्र अधिकारी तथा जिला लघु वनोपज यूनियन, दक्षिण सागर के अंतर्गत संचालित 23 प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समितियों के प्रबंधक, पोषक अधिकारी एवं क्रेतागण उपस्थित रहे।उपवनमंडल अधिकारी दक्षिण सागर श्रीमती विनीता जाटव ने बैठक के दौरान म.प्र. राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ, भोपाल से प्राप्त निर्देशों के अनुसार शाखकर्तन कार्य की विधि का स्थल पर जाकर प्रदर्शन किया तथा उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देशों से अवगत कराया।

वनमंडल अधिकारी वरूण यादव ने बताया कि शाखकर्तन कार्य तेंदूपत्ता संग्रहण सीजन का प्रथम चरण है। इसे सही तरीके से किए जाने पर तेंदूपत्ता की गुणवत्ता में सुधार होता है और संग्राहकों को अधिक लाभ प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि संग्रहण काल के प्रथम चरण–शाखकर्तन–पर विशेष ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। शासन द्वारा भी इस कार्य को गंभीरता से लिया गया है, अतः सभी का दायित्व है कि इसे निष्ठापूर्वक संपादित किया जाए।

संघ मुख्यालय द्वारा इस वर्ष तेंदूपत्ता संग्रहण हेतु जिला यूनियन दक्षिण सागर को 21,220 मानक बोरा का लक्ष्य प्रदान किया गया है। जिला यूनियन दक्षिण सागर अंतर्गत 10 मार्च 2026 से 20 मार्च 2026 तक शाखकर्तन कार्य संपादित किया जाएगा।

बीना में नवविवाहिता का फंदे पर मिला शव

परिजन बोले-मायके जाने से मना करने पर किया सुसाइड

सत्ता सुधार ■ बीना (सागर)

बीना विधानसभा के रामसागर गांव में एक नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मंगलवार दोपहर को उसका शव बीना सिविल अस्पताल लाया गया। यह घटना भानगढ़ थाना क्षेत्र की कंजिया पुलिस चौकी के अंतर्गत हुई।मृतका की पहचान दीक्षा पति गोविंद अहिरवार (20) निवासी रामसागर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दीक्षा ने अपने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर फांसी लगा ली। घटना के समय घर के अन्य सदस्य खेत में काम कर रहे थे। जब वे लौटे और दरवाजा अंदर से बंद पाया, तो उसे तोड़कर देखा गया, जहां दीक्षा का शव पंखे से लटका मिला।दीक्षा अहिरवार की शादी पिछले साल 9 जून को हुई थी। बताया जा रहा है कि वह लंबे समय से अपने मायके जाने की जिद कर रही थी, लेकिन ससुराल पक्ष के लोग उसे जाने से मना कर रहे थे। आशंका है कि इसी वजह से उसने यह कदम उठाया।घटना की सूचना मिलते ही कंजिया पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को फंदे से उतारा और मंगलवार दोपहर को पोस्टमार्टम के लिए बीना सिविल अस्पताल भेजा। नवविवाहिता का मामला होने के कारण नायब तहसीलदार हेमराज मेहर को भी मौके पर बुलाया गया।डॉक्टरों के एक पैनल द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराया गया, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस बीच, नवविवाहिता के मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना और हत्या का आरोप लगाया है।बीना के नायब तहसीलदार हेमराज मेहर ने बताया कि नवविवाहिता का मामला होने के कारण वे मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि आत्महत्या का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।कंजिया चौकी प्रभारी एएसआई कमलेश धुर्वे ने जानकारी दी कि मायके पक्ष द्वारा ससुराल पक्ष पर लगाए गए आरोपों की जांच की जाएगी।

सावधान... बीना प्रवेश पर होगा आपका सड़कों के गड्ढों से सामना

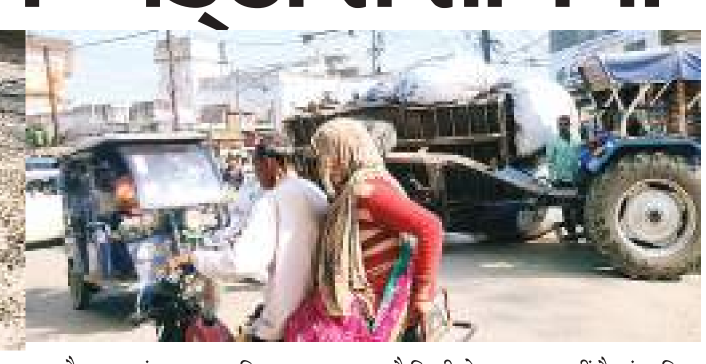

मैन रोडो का कब होगा सुधार, लोग हो रहे परेशान, क्या प्रशासन ध्यान देगी

राकेश सेन ■ बीना (सागर)

शहर में फ्लाई ऐस के भारी वाहनों से वैसे ही आम जनता परेशान है, उस पर शहर की एवं ग्रामीण अंचलों की रोड इतनी बद से बदतर हैं कि लोगों का निकलना दूबर हो गया है। जगह-जगह सड़कों पर गड्ढों से लोग परेशान हैं किंतु ना तो प्रशासन को चिंता है और ना ही चुने हुए जनप्रतिनिधियों को जनता परेशान होती है तो होती रहे यह हाल है बीना विधानसभा क्षेत्र की सड़कों का शहर में विशेष रूप से झांसी फाटक स्थित फ्लाईओवर ब्रिज के गड्ढों से इतने परेशान हैं कि यदि गाड़ी एक गड्ढे से संभालो तो दूसरे गड्ढे में जा गिरतीं, हर पांच से 10 फीट के बीच गड्ढे ही गड्ढे।

गांधी चौराहा जहां पर झांसी फ्लाईओवर ब्रिज एवं रेलवे स्टेशन लिंक ओवर ब्रिज की स्थिति किसी से छुपी नहीं आए दिन एक्सीडेंटों को देखा जा सकता है। स्टेशन रोड विशेष रूप से स्वतंत्रता सेनानी भागीरथ बिलगैया स्कूल के सामने हिचकुले खाते गड्ढों से कोई नहीं बच सकता आए दिन वाहनों के पंचर एवं उस जगह पर गाड़ियों के एक्सीडेंट आम बात हो गई।सर्वोदय चौराहा जहां पर नगर पालिका द्वारा कुछ दिन पूर्व नाली चौक होने से पाइप बदल गया किंतु जिस तरह से पाइप बदलने के पश्चात उस पर इंजीनियर द्वारा निर्माण कार्य कराया गया जोड़ पर सीमेंट उखाड़ने से गेफ होने से आज दिन वहां पंचर हो रहे।उसी जगह पर सोमवार को भूसे की ट्राली पलट गई गनीमत कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई। उसके पश्चात भी प्रशासन के अधिकारी गण सोए हुए हैं।अंबेडकर तिराहा से तहसील, न्यायालय गर्ल्स कॉलेज कन्या माध्यमिक विद्यालय एवं विधायक निवास कार्यालय पहुंचने के लिए किस तरह परेशानियों का सामना करना पड़ता है किसी से छुपा हुआ नहीं है अंडर ब्रिज में पानी हमेशा ही भरा रहता है ऐसे में उन लोगों से पूछो जो पैदल या दो पहिया वाहन निकलती है एवं छात्र-छात्राएं जो अपनी जान जोखमि में डालकर रेल्वे लाइन पार करते हुए पहुंचते हैं और अंडर ब्रिज के गंदे पानी का सामना करना पड़ता है। बीना मैं आस्था का प्रतीक कटरा मंदिर, देव रघुनाथ बड़ामंदिर, विशेष कर पेड़ से मंदिर तक सड़क का अता-पता ही नहीं गंदगी का आलम उस पर आस्था के प्रति भक्तों को कीचड़ में से निकलकर जाना पड़ता है ऐसी स्थितियां होने के बावजूद भी क्षेत्र के जनप्रतिनिधि क्यों मौन है ?

जवाब मजरा-टोला सड़क, मंडी विकास और सहकारिता मामलों पर सरकार से मांगा जवाब

प्रदीप लारिया ने विधानसभा में मुखरता से उठाए जनहित के मुद्दे

सत्ता सुधार ■ सागर

मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दौरान नरयावली विधायक इंजीनियर प्रदीप लारिया ने अपने क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण जनहित मुद्दों को सदन में प्रमुखता से उठाया। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास, किसान कल्याण एवं कृषि विकास तथा सहकारिता विभाग से संबंधित विषयों पर सरकार से जवाब मांगा।

विधायक लारिया ने राहतगढ़ एवं सागर विकासखंड की ग्राम पंचायतों के मजरों और टोलों को 'मुख्यमंत्री मजरा टोला सड़क योजना' के अंतर्गत मुख्य मार्गो से जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विभाग से पूछा कि अब तक कितने सड़क मार्गों के प्राक्कलन तैयार किए गए हैं, प्राप्त प्रस्तावों की वर्तमान स्थिति क्या है तथा स्वीकृति कब तक

प्रदान की जाएगी।उन्होंने कहा कि इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं में बड़ी राहत मिलेगी।

सहकारिता विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्न

सहकारिता क्षेत्र से जुड़े मुद्दे पर विधायक लारिया ने प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति, नरयावली के संदर्भ में 1 जनवरी 2016 की पंजी पर की गई कार्रवाई की जानकारी मांगी। साथ ही अक्टूबर 2025 में विभाग द्वारा जारी किसी आदेश या कार्रवाई का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है, जिससे किसानों का विश्वास बना रहे।विधायक ने कहा कि वे अपने क्षेत्र की जनता की समस्याओं को निरंतर सदन में उठाते रहेंगे और विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए सरकार से ठोस कार्रवाई की अपेक्षा करते हैं।

कृषि उपज मंडी सागर में निर्माण कार्यों का ब्योरा मांगाः किसान हितों का मुद्दा उठाते हुए विधायक ने सागर मंडी में वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 के दौरान स्वीकृत निर्माण कार्यों की जानकारी मांगी। उन्होंने कार्यवार नाम, लागत, पूर्ण एवं निर्माणाधीन कार्यों की स्थिति तथा लंबित कार्यों में विलंब के कारणों पर स्पष्ट उत्तर देने की मांग की। उन्होंने कहा कि मंडी में अधोसंरचना मजबूत होने से किसानों को बेहतर सुविधाएं और पारदर्शी व्यवस्था मिलेगी।

तक्षशिला स्कूल के सात दिवसीय एनएसएस विशेष शिविर का ग्राम हनौता में शुभारंभ

खुरई (सागर)। तक्षशिला हायर सेकेंडरी स्कूल खुरई द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का ग्राम हनौता में शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रथम दिवस दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जहाँ स्वयंसेवकों को एनएसएस के उद्देश्यों, अनुशासन और समाज सेवा में इसकी भूमिका के बारे में विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को एनएसएस डायरी और बैच वितरित किए गए। संस्था प्रभारी लाखन सिंह ने अपने शुभकामना संदेश में विद्यार्थियों को सेवा और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते हुए एनएसएस को

व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम बताया। कार्यक्रम अधिकारी अंजु दुबे के निर्देशन में आयोजित इस शिविर के पहले दिन स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वयंसेवकों ने गांव की गलियों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई कर ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।बालक कार्यक्रम अधिकारी नीलेश मोघे ने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास होता है। इस अवसर पर आनंद बौद्ध, दीपक नामदेव, लखनलाल पाल, स्वाति नायक विवेक असाटी, जयंती पांडे, रानी कुशवाहा सहित समस्त शिक्षक स्टाफ उपस्थित रहा।

ब्रीफ न्यूज

महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट में एक बार फिर आमने-सामने होंगी भारत-पाकिस्तान टीमें

लंदन। भारत और पाकिस्तान के बीच के बार फिर मुकाबला देखने को मिलेगा। इस बार ये मुकाबला महिला क्रिकेट टीमों के बीच होगा। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इस साल 12 जून से 5 जुलाई तक होने वाले महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट के लिए कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इस बार इस टूर्नामेंट में कुल 12 टीमें भाग लेंगी। इन टीमों को 6-6 के दो समूहों में रखा गया है। इसमें भारत और पाकिस्तान दोनो ही ग्रुप-1 में है, जिससे प्रशंसकों को इनके बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। ईसीबी के अनुसार भारत और पाकिस्तान मैच 14 जून को खेला जाएगा। वहीं इंग्लैंड का सामना 12 जून को पहले मैच में श्रीलंकाई टीम से होगा। इसमें ग्रुप-1 में भारत और पाकिस्तान के अलावा ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश और नीदरलैंड्स है। वहीं ग्रुप-2 में वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, आयरलैंड और स्कॉटलैंड है।

बीसीएल में खेलते नजर आयेंगे धवन

मुम्बई। हाल में आयरलैंड की सोफी शाइन से दूसरी शादी करने वाले पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन अब बिग क्रिकेट लीग (बीसीएल) के दूसरे सत्र में खेलते नजर आएंगे। धवन बीसएल के दूसरे सत्र में 'यूपी ब्रिज स्टार्स' की ओर से खेलेंगे। धवन जैसे अनुभवी क्रिकेटर का लाभ टीम के युवाओं को मिलेगा। इससे पहले इसे लीग के पहले सत्र में भी धवन ने अच्छा प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया था। बिग क्रिकेट लीग का आयोजन ग्रेटर नोएडा के खेल परिसर में होगा। ये टूर्नामेंट 11 मार्च से शुरु होगा और इसका खिताबी मुकाबला 22 मार्च को खेला जाएगा। यूपी ब्रिज स्टार्स प्रबंधन को उम्मीद है कि धवन की कप्तानी में टीम बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज करेगी। उनके रहने से से युवा खिलाड़ियों को भी सीखने का काफी अवसर मिलेगा। बीसएल एक ऐसा टूर्नामेंट हैं।

फार्म से बाहर चल रहे खिलाड़ियों को बनाये रखने का खतरा नहीं उठाया जा सकता है

अभिषेक, तिलक और रिंकू पर लटक रही तलवार

एजेंसी ■ अहमदाबाद

भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच टेन डोइशे और सितांशु का कहना है सुपर-8 के अगले मैचों के लिए टीम की फिर से समीक्षा करते हुए बदलाव किये जायंगे। ऐसे में तय है कि अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और रिंकू सिंह की जगह खतरे में हैं। इन तीनो में से किसी एक का बाहर जाना तय है। ये तीनो ही अब तक इस टूर्नामेंट में असफल रहे हैं। इसके अलावा टीम प्रबंधन शीर्ष क्रम में अधिक बाएं हाथ के बल्लेबाजों को उतारे जाने की रणनीति पर भी फिर विचार करेगा। दक्षिण अफ्रीका से पहले ही मुकाबले में भारतीय टीम की हार के बाद से ही उसके लिए अब बचे हुए दोनो मैच बड़े अंतर से जीतना जरुरी है। इसलिए फार्म से बाहर चल रहे खिलाड़ियों को बनाये रखने का खतरा नहीं उठाया जा सकता है। अभिषेक अब तक चार मैचों में 15 रन जबकि तिलक वर्मा पांच मैचों में 107 रन ही बना पाये हैं। इसके अलावा रिंकू भी फिनिशर की भूमिका में विफल रहे हैं। वह 29 गेंदों में 82.75 की स्ट्राइक रेट से केवल 24 रन ही बना पाये हैं। कोटक ने कहा, अगर मुख्य कोच और टीम प्रबंधन को लगता है कि हमें कुछ बदलाव करने हैं तो हम करेंगे। अब इस पर विचार हो रहा है कि अगर हमें बदलाव करना है तो वह क्या होगा और कैसे होगा। अब हम ऐसे स्थान पर पहुंच गए हैं कि हमें कुछ भी बादलाव करते समय कई बातों का ध्यान रखना होगा। वहीं डोइशे ने माना है कि टीम में बैकअप में विशेषज्ञ बल्लेबाजों की की है। उन्होंने कहा, या तो आप उन्हीं खिलाड़ियों को चुनते हैं जो आपको लगता है कि पिछले डेढ साल में अच्छा खेल रहे हैं, भले ही अभी रन नहीं बना पा रहे हैं। या फिर बदलाव करके संजू सैमसन को लाते हैं जो शानदार खिलाड़ी है और उनके आने से शीर्षक्रम में दायें और बाएं का संयोजन लाभकारी रहेगा। उन्होंने कहा, अगले दो अहम मैचों से पहले सैमसन को शामिल करने के बारे में विचार होगा। साथ ही कहा कि अभिषेक और तिलक का फॉर्म चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, ये दोनो ही अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पाये हैं। वहीं अभिषेक को सलाह दिये जाने को लेकर कोटक ने कहा, बल्लेबाजी कोच होने के कारण मेरा मानना है कि उसे जरूरत से ज्यादा सलाह देने की जरुरत नहीं है। उसके दिमाग को ठीक से काम करने दें। लगातार सलाह से मानसिक दबाव पड़ता है जिससे बल्लेबाज का मनोबल गिरता है। उसे अपने अनुसार खेलने देना ही बेहतर रहेगा।

टी20 विश्व कप के सुपर-8 में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज करने उतरेगी श्रीलंका

शाम सात बजे शुरू होगा मैच

एजेंसी ■ कोलंबो

मेजबान श्रीलंकाई टीम बुधवार को अपने दूसरे सुपर-8 मैच में बुधवार को न्यूजीलैंड का मुकाबला करेगी। श्रीलंकाई टीम को अपने पहले ही मुकाबले में इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब अगर वह न्यूजीलैंड से हारती है तो टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। मेजबान श्रीलंकाई टीम के बल्लेबाज अपने पहले मैच में असफल रहे थे, ऐसे में उसे अगर कीवी टीम से जीतना है तो स्पिनरों के खिलाफ अपने प्रदर्शन को सुधारना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंकाई 147 रनों का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पाए थे। श्रीलंका की पिचें बल्लेबाजी के लिए कठिन मानी जाती हैं। इसके अलावा इन मैदानों पर बड़े शॉट खेलना भी कठिन होता है। सुपर आठ के पहले मैच में श्रीलंका के बल्लेबाज गलत शॉट खेलकर अपना विकेट गंवाते दिखे थे और उसकी टीम को अपनी इन गलतियों से सबक लेना होगा। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने टीम के खराब प्रदर्शन पर कहा, 'यह एक टी20 मैच है, इसलिए जाहिर है कि आप अधिक से अधिक रन बनाने की कोशिश करते हैं पर

जब गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आ रही होती है, तो कहना आसान है पर रन बनान कठिन है। पथुम निसांका ने बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है जबकि बाएं हाथ के स्पिनर दुनिथ वेलालेज ने भी अच्छी गेंदबाजी की है। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड और पाकिस्तान का मुकाबला बारिश से नहीं हो पाया था। जिससे दोनो को ही एक-एक अंक मिला है। कीवी टीम के पास भी कप्तान मिचेल सेंटनर सहित अच्छे स्पिनर हैं जो श्रीलंका के बल्लेबाजों की परीक्षा लेंगे। दोनों टीम सुपर आठ में पहली जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन और टिम सीफर्ट की जोड़ी ने लीग चरण के दौरान जबरदस्त बल्लेबाजी की है। इसके अलावा रचिन रविंद्र भी कनाडा के खिलाफ अर्धशतक लगाकर फॉर्म में आ गये हैं। ऐसे में श्रीलंकाई गेंदबाजों के लिए कीवी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना आसान नहीं रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

श्रीलंका: दासुन शनाका (कप्तान), पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस, कामिंडु मेंडिस, कुसल जेनिथ परेरा, चैरिथ असलांका, जेनिथ लियानागे, पवन रथनायके, वानिंदु हसरंगा, डुनिथ वेललागे, महीश थीक्षाना, दुशमंथा चमीरा, मथीशा पथिराना, ईशान मलिंगा।

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डैरिल मिशेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट, इश सोढ़ी, कोल मैककॉन्ची।

अभिषेक को लंबी पारी खेलने धैर्य रखना होगा : आमिर

एजेंसी ■ लाहौर

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को लंबी पारी खेलने के लिए धैर्य रखकर खेलने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि अभिषेक के पास जबरदस्त प्रतिभा है अब ये उनपर निर्भर करता है कि वह अपने कौशल का उपयोग किस तरह करते हैं। आमिर ने कुछ समय पहले अभिषेक को स्लॉगर कहा था। अब अपने इस बयान को लेकर इस गेंदबाज का कहना है कि उनका इरादा इस बल्लेबाज का मजाक उड़ाना नहीं था। वह केवल उसके तकनीकी पक्ष की कमजोरी पर बता कर रहे थे। आमिर ने कहा कि उनका इरादा इस युवा बल्लेबाज को काम आंकना नहीं था, बल्कि वह तकनीकी पहलुओं पर बात कर रहे थे। उन्होंने साथ ही कहा कि कुछ समय पहले आमिर ने कहा था कि अभिषेक एक स्लॉगर हैं जिनके पास दबाव के हालातों में बेहतर गेंदबाज़ी का सामना करने के लिए पर्याप्त रक्षात्मक तकनीक नहीं है। इस टिप्पणी के बाद से ही सोशल मीडिया पर आमिर की आलोचना शुरु हो गयी थी। कई प्रशंसकों और पूर्व खिलाड़ियों ने इसे गैरजरुरी टिप्पणी बताया था। वहीं आमिर ने अब साफ किया है कि उन्होंने ये शब्द केवल तकनीकी कमी के लिए उपयोग किया था। हार के बाद आई नई प्रतिक्रियाआमिर ने कहा, मैं एक गेंदबाज के नजरिए से उनकी तकनीक का आंकलन कर रहा था।

लीवरपूल में इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल में मैनचेस्टर यूनाइटेड और एवरटन के बीच मैच में खेलते हुए खिलाड़ी

भारतीय टीम को नेट रन रेट बढ़ाने जिम्बाब्वे पर चाहिये होगी 150 रनों की जीत

एजेंसी ■ चेन्नई

भारतीय क्रिकेट टीम को टी20 विश्वकप के सुपर-8 के सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अब बचे हुए दोनो मैचों में जीत के साथ ही रन रेट का भी ध्यान रखना होगा। भारतीय टीम अभी रन रेट के मामले में सबसे पीछे है। जहां दक्षिण अफ्रीका का नेट रन रेट प्लस 3.8 है पर वेस्टइंडीज की टीम ने सुपर-8 के अपने मुकाबे में जिम्बाब्वे को हराकर दूसरे नंबर पर खिसका दिया है। वेस्टइंडीज का नेट रन रेट प्लस 5.350 हो गया है। ऐसे में भारतीय टीम को अब अपना नेट रन रेट आगे करने के लिए जिम्बाब्वे पर करीब 150 रनों की बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। तभी भारतीय टीम रन रेट के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंचेगी। जो कि बहुत मुश्किल लग रहा है। टीम इंडिया का रन रेट अभी निगेटिव में है जिसे पॉजिटिव करने के लिए उसे जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए कम से कम 77 रनों की जीत हासिल करनी होगी। भारतीय टीम अंक तालिका में अभी भी तीसरे स्थान पर है, क्योंकि भारतीय टीम का नेट रन रेट माइनस में 3.800 का है। वहीं जिम्बाब्वे का -5.350 है। ऐसे में भारतीय टीम को दूसरे स्थान पर पहुंचना है तो उसे जिम्बाब्वे को 150 से ज्यादा रनों से हराना होगा। ज असंभव सा है। भारतीय टीम अभी तक केवल दो बार 150 या इससे ज्यादा रनों से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जीती है। एक बार उसने न्यूजीलैंड को 168 रनों के विशाल अंतर से हराया हुआ है, जबकि इंग्लैंड को 150 रनों से हराया था पर विश्वकप में ऐसा एक बार भी नहीं हुआ है।

धोनी ऐसी बाइक चलाते दिखे जो भारत में लांच ही नहीं हुई थी

रांची। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी बाइक?स के काफी शौकीन हैं। रांची की सड़कों पर भी वह कई बार बाइक चलाते दिखते हैं। उनके पास एक से बढ़कर एक बाइकें हैं। जिसमें डुकाटी, कावासाकी, हार्ले–डेविडसन, यामाहा के अलावा कई विंटेज और हाई–परफॉर्मेंस बाइक्स भी हैं। वहीं अब धोनी एक वीडियो में ऐसी बाइक चलाते दिखें हैं जो भारत में कभी लांच ही नहीं हुई थी। ये यामहा की एसआर400 है। यह पुराने जमाने की ऐसी बाइक है जो भारत में कुछ ही लोगों के पास हैं। ये क्लासिक रेट्रो–स्टाइल मोटरसाइकिल साल 1970 की यूनिवर्सल जापानी मोटरसाइकिल्स से प्रेरित होकर 1978 में बनायी गयी थी पर 2021 में इसे बनाना बंद कर दिया गया। इसका कारण है कि यह पुरानी टेक्नोलॉजी वाली बाइक थी और प्रदूषण के नये मानकों पर खरी नहीं उतरी। यह बाइक कस्टमाइज़ेशन के कारण काफी लोकप्रिय हुई है। इससे भारत में कभी भी आधिकारिक रुप से लांच नहीं किया गया केवल ये आयात की गयी है। ये एक मोटरसाइकिल नहीं, बल्कि दोपहिया वाहनों की दुनिया में एक 'टाइम मशीन' की तरह है।

उन्हें धैर्य रखकर बल्लेबाजी करनी चाहिये

गावस्कर ने तिलक के खेलने के अंदाज पर नाराजगी जताई

एजेंसी ■ मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कप्तान सुनील गावस्कर ने सुपर-8 के पहले ही मैच में खराब प्रदर्शन के लिए बल्लेबाज तिलक वर्मा पर निशाना साधा है। गावस्कर ने तिलक के खेलने के अंदाज पर भी सवाल उठाये। उन्होंने कहा कि दबाव के हालातों में उन्हें टिककर एक छोर संभाने रखना था पर उन्होंने ऐसा गावस्कर ने तिलक के रवैये के साथ ही उनके शॉट चयन को भी ठीक नहीं बताया। उन्होंने कहा कि जब तिलक क्रीज पर आए। उस समय कठिन हालात थे पर उन्होंने टिककर खेलने की जगह पर पहली ही गेंद से शॉट खेलने का प्रयास किया हो सही नहीं था। मार्को जेनसन की गेंद पर वह काफी बाहर निकलकर खेलने के प्रयास में अपना विकेट गंवा बैठे। गावस्कर ने कहा कि उस समय टीम को साझेदारी की जरूरत थी, न कि जल्दबाजी की। गावस्कर ने कहा कि

शुरुआत में एक विकेट गिरने के बाद जो भी बल्लेबाज आता है उसे अपने को जमने का अवसर देना चाहिये। उन्होंने कहा, आप 15 रन प्रति ओवर का पीछा नहीं कर रहे थे। थोड़ा समय लेकर खेल सकते थे। दूसरे छोर पर अभिषेक शर्मा रन नहीं बना रहे थे इसलिए जिम्मेदारी तिलक पर थी कि वह पारी को संभालें। गावस्कर के मुताबिक पावरप्ले में 55/1 का स्कोर मजबूत आधार बन सकता था, लेकिन जल्दबाजी में विकेट गंवाने से टीम दबाव में आ गई। इस टूर्नामेंट में अब क तिलक का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। वह पांच मैचों में उन्होंने 21.40 की औसत और 118.88 के स्ट्राइक रेट से 107 रन बना पाये हैं। हालांकि ग्रुप स्तर पर उन्होंने कुछ अच्छी पारियां खेलीं पर वे भी उनके खेले के अनुरुप नहीं रहीं जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनका रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। इस मैच से पहले उन्होंने अफ्रीकी टीम के खिलाफ 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 70.85 की औसत और 163.15 के स्ट्राइक रेट से 496 रन बनाए थे। इस पूर्व कप्तान के अनुसार इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का शीर्ष क्रम अबतक संघर्ष करता दिखा है। ऐसे में नंबर तीन बल्लेबाज की भूमिका अहम होती है। साथ ही कहा कि टीम को बड़े मंच पर अनुभवी और जिम्मेदार बल्लेबाजी की जरूरत है। अब भारतीय टीम गावस्कर की इन बातों पर कितना अमल करती है ये आगे के मुकाबलों में सामने आयेगा।

वाराणसी। महाशिवरात्रि पर शिव विवाह की रस्म के बाद रंगभरी एकादशी तक बाबा और माता गौरा के गौना के लोकाचार की परंपरा निभाई जाएगी। बाबा की पालकी यात्रा निकाली जाएगी। माता की गौना की रस्में मंगलवार से शुरू हो गई हैं।

लड्डूमार होली शुरू! बरसाना में दुल्हन की तरह सजी सखियां

अबीर की मटकी-लड्डू लेकर पहुंचीं, किया डांस

होली देखने और खेलने के लिए 10 लाख श्रद्धालु बरसाना पहुंचे

सत्ता सुधार ■ मथुरा

मथुरा के बरसाना में होली का रंग उत्सव शुरू हो गया है। मंगलवार को राधारानी (लाडलीजी) मंदिर में लड्डूमार होली खेली गई। इससे पहले समाज गायन हुआ। सुबह से ही भक्त गुलाल उड़ाकर जश्न मनाया। मंदिर परिसर में रंग-अबीर उड़ा। महिलाएं और बच्चे भजन पर नृत्य कर रहे। दोपहर में बरसाना की सखियां दुल्हन की तरह सज-धजकर सिर पर अबीर की मटकी और लड्डू लेकर नंदबाबा मंदिर पहुंचीं। सखियों ने नृत्य किया और फाग गीत गाए। नंदबाबा मंदिर में कान्हा की ओर से होली खेलने का निमंत्रण स्वीकार किया गया। लड्डू लुटाए गए। लड्डूमार होली के लिए बरसाना, वृंदावन, मथुरा, गोवर्धन और नंदगांव में करीब 100 क्विंटल लड्डू तैयार किए गए थे। जिन्हें मंदिर की छत पर बनी सफेद छतरी से लुटाया गया। लड्डूमार होली देखने और खेलने के लिए 10 लाख श्रद्धालु बरसाना पहुंचे। जिनमें विदेशी सैलानी भी शामिल हैं। शगुन के लड्डू लाडलीजी मंदिर की रसोई में बनाए गए हैं। रंग के लिए टेसू के फूलों का उपयोग किया गया है, जिसके लिए मप्र, राजस्थान और हरियाणा से 1 हजार क्विंटल फूल मंगवाए गए।

दीप प्रज्वलन के साथ रंगारंग आगाज

बरसाना में रंगोत्सव का मंत्री लक्ष्मी ने किया 'श्रीगणेश'

सत्ता सुधार ■ मथुरा

बरसाना में विश्व प्रसिद्ध लड्डू होली और लट्ठमार होली से पहले बरसाना में रंगोत्सव 2026 का औपचारिक शुभारंभ हो गया। श्रीराधा बिहारी इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित भव्य कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन कर होली महोत्सव की तैयारियों का विधिवत आगाज किया गया। कार्यक्रम के जरिए प्रशासन ने साफ संदेश दिया कि इस बार रंगोत्सव को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और भव्य बनाने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ गन्ना विकास एवं चीनी मिलें मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने दीप प्रज्जवलन कर किया। उन्होंने कहा कि बरसाना की होली ब्रज की आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है, जिसे देखने के लिए देश विदेश से श्रद्धालु पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा विशेष तैयारियां की गई हैं। श्री राधा बिहारी इंटर कॉलेज का मैदान रंगोत्सव की तैयारियों का केंद्र बना नजर आया, जहां दीप प्रज्जवलन के साथ ही होली आयोजन की शुरुआत का संदेश दिया गया। अधिकारियों ने व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर इंतजाम सुनिश्चित करने की बात कही। कार्यक्रम में गन्ना विकास एवं चीनी मिलें मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्र, मंडलायुक्त नगेन्द्र प्रताप, पुलिस उपमहानिरीक्षक शैलेश कुमार पांडेय, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार तथा ब्रज तीर्थ विकास परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सूरज पटेल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पिता को मारकर शव के टुकड़े नीले ड्रम में छिपाया

लखनऊ। लखनऊ में वर्धमान पैथोलॉजी लैब के मालिक मानवेंद्र सिंह की उनके 21 साल के इकलौते बेटे अक्षत ने गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को आरी से काटकर टुकड़े नीले ड्रम में भर दिए। सिर को काटकर कार में रखा और घरसे 21 किमी दूर फेंक आया। अक्षत ने अपनी बहन के सामने घटना को अंजाम दिया। उसे धमकी दी कि किसी को बताया तो उसे भी मार डालेगा। पिता का सिर फेंकने के बाद आरोपी घर लौटा और कार की सफाई की। तीन दिन बाद सोमवार को वह थाने पहुंचा और गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने जब पूछताछ शुरू की तो बेटा घबराया नजर आया। शक होने पर सख्ती से पूछताछ की गई, तब उसने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस उसे लेकर मौके पर पहुंची और शव के टुकड़े बरामद किए, लेकिन सिर नहीं मिला। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसके पिता चाहते थे कि वह नीट क्वालीफाई करके एमबीबीएस करे। वह इस बात पर अड़ा था कि एमबीबीएस के लिए उस पर जबरदस्ती न की जाए। वह पिता से कहता था कि पैथोलॉजी लैब की जगह लॉन या रेस्टोरेंट खोला जाए, जो ज्यादा अच्छा बिजनेस रहेगा।

मेरठ में परिवार के छह लोग घर में जिंदा जले

मृतकों में जुड़वां बेटियों समेत 5 बच्चे, एक साथ उठा जनाजा

पड़ोसियों ने फंसे पांच लोगों को सीढ़ी लगाकर बाहर निकाला

चार बेटे नमाज पढ़ने बाहर गए थे, एक प्रयागराज गया हुआ था

सत्ता सुधार ■ मेरठ

मेरठ में कपड़ा कारोबारी के परिवार के छह लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। इनमें जुड़वां बेटियों समेत पांच बच्चे हैं। कारोबारी पिता सोमवार देर शाम नमाज पढ़ने गए थे, तभी तीन मंजिला मकान में भीषण आग लग गई। उस वक्त घर में महिलाएं, बच्चों समेत 12 लोग थे। ग्राउंड फ्लोर में लगी आग इतनी तेजी से फैली कि किसी को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। सभी लपटों के बीच अंदर फंस गए। पड़ोसियों ने तुरंत फर्स्ट फ्लोर में फंसे 5 लोगों को सीढ़ी लगाकर बाहर निकाल लिया। लेकिन, सेकंड फ्लोर में एक महिला और 5 बच्चे फंस गए। आग-धुआं देखकर महिला डर गई, उसने बचने के लिए सभी बच्चों के साथ खुद को कमरे में बंद कर लिया। थोड़ी देर में पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। आग के बीच सेकंड फ्लोर तक पहुंचने को कोई रास्ता नहीं मिला तो पड़ोसी की दीवार तोड़ी गई। लेकिन, इतनी देर में महिला और 5 बच्चों की मौत हो गई। हादसे में कपड़ा कारोबारी आसिम की पत्नी रुखसार (30), जुड़वा बेटियां अनाबिया, इनायत (6 माह) अकदस (3 साल) और भाई फारुक के दो बच्चे महविश (12), हम्माद (4 साल) की मौत हो गई। मंगलवार की सुबह घर से एक साथ जनाजा उठा। नौचंदी में स्थिति बाले मियां कब्रिस्तान में सभी को सुपुर्द-ए-खाक किया गया। लिसाड़ीगेट थानाक्षेत्र में सुराही वाली मस्जिद में गली नंबर-1 किदवई नगर की है। तीन मंजिला मकान में इकबाल अहमद का परिवार रहता था। इकबाल कपड़े तैयार कराते हैं। ऑर्डर पर और दूसरे शहरों में लगने वाली एग्जिबिशन में उन्हें सेल करते हैं। परिवार में उनके 5 बेटे हैं। देर शाम जब हादसा हुआ, उस वक्त इकबाल अहमद और उनके 4 बेटे नमाज पढ़ने बाहर गए थे, जबकि एक बेटा प्रयागराज गया हुआ था।

मां ने बच्चों संग खुद को कमरे में बंद किया

पड़ोसियों ने धुआं उठता देखा तो चिल्लाकर परिवार को बताया। परिवार उस वक्त ऊपर की दो फ्लोर में था। जब तक उन्हें आग का पता चलता तब तक आग पूरे ग्राउंड फ्लोर को चपेट में ले चुकी थी। सीढ़ियों में भी आग फैल गई थी। फर्स्ट फ्लोर में उस वक्त 3 महिलाएं और 3 बच्चे यानी 6 लोग थे। इनमें अरशद और फारुख की पत्नियां और मां अमीर बानो और इनके बच्चे थे। पड़ोसियों ने जैसे-तैसे सीढ़ी लगाकर इन सभी को बाहर निकाला। सेकंड फ्लोर में आसिम की पत्नी रुखसार और 5 बच्चे थे। उसने नीचे भागने की कोशिश की, लेकिन सीढ़ी में आग देखकर डर गई। उसने कमरा बंद कर लिया।

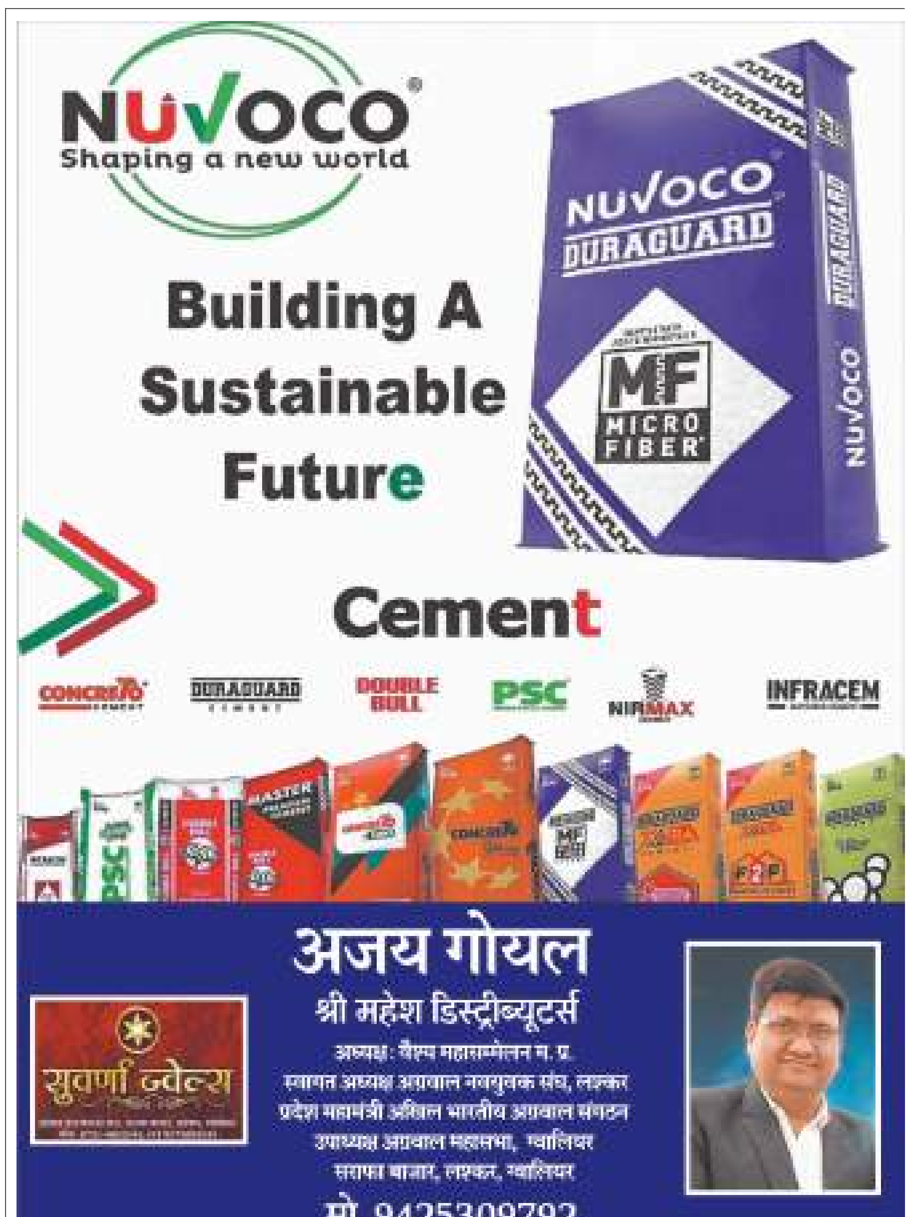

गिरफ्तारी का डर! अब शंकराचार्य जमानत के लिए पहुंचे हाईकोर्ट

- मुश्किल में अविमुक्तेश्वरानंद! सरकारी वकील को भेजा नोटिस
- यह एफआईआर प्रयागराज के झूंसी पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई

सत्ता सुधार ■ प्रयागराज

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मंगलवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका दायर की। उन पर नाबालिग बच्चों के यौन उत्पीड़न और अन्य अपराधों का आरोप है। यह एफआईआर प्रयागराज के झूंसी पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है। एफआईआर में स्वामी सरस्वती और उनके शिष्य मुकुंदानंद ब्रह्मचारी को नामजद किया गया है। उन पर पिछले एक साल में दो व्यक्तियों, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है, के यौन शोषण का आरोप है। शिकायतकर्ताओं में आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज और दो अन्य व्यक्ति शामिल हैं। उन्होंने गुरुकुल और माघ मेला जैसी धार्मिक सभाओं में यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। यह कार्रवाई शनिवार को प्रयागराज के विशेष न्यायाधीशके आदेश के बाद हुई। एफआईआर पॉक्सो अधिनियम और बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज की गई है। शिकायत में दो से तीन अज्ञात व्यक्तियों के नाम भी शामिल हैं। आरोप है कि आरोपी धार्मिक गुरु बनकर नाबालिग और एक अन्य युवक का बार-बार यौन उत्पीड़न करते थे।

डिप्टी सीएम पाठक का राहुल गांधी पर हमला, बोले-दंगे करवाना चाहते हैं मोहब्बत की दुकान चलाने वाले

लखनऊ। यूपी के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि मोहब्बत की दुकान चलाने का दावा करने वाले देश में दंगे करवाना चाहते हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी देश को नीचा दिखाना चाहते हैं। कांग्रेस के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टारगेट करना अब एक फैशन बन गया है। दिल्ली में हुई एआई समिट में दुनिया भर से प्रतिनिधि आए थे। कांग्रेस के लोगों का नग्न होकर प्रदर्शन करना देश को शर्मसार करने वाला है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी एआई को देश के कोने-कोने में फैलाना चाहते हैं। यही उनका विजन है जबकि कांग्रेस और राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार पर हर दिन आरोप लगाते रहते हैं। राहुल गांधी का मकसद झूठ बोलकर देश को नीचा दिखाना है। वो विदेशी प्रोपोगैंडा फैला रहे हैं।

सुविधा 3.3 किलोमीटर विस्तार का प्रस्ताव, 757 करोड़ रुपए की लागत बढ़ेगी

राष्ट्र प्रेरणा स्थल तक बढ़ेगी लखनऊ मेट्रो, भेजा प्रस्ताव

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

लखनऊ विकास प्राधिकरण ने चारबाग से बसंतकुंज स्थित दुबग्गा चौराहे तक प्रस्तावित लखनऊ मेट्रो के दूसरे चरण को आगे बढ़ाकर राष्ट्र प्रेरणा स्थल तक ले जाने का प्रस्ताव भेजा है। प्राधिकरण ने इस संबंध में मेट्रो प्रबंधन को औपचारिक पत्राचार किया है। तर्क दिया गया है कि प्रेरणा स्थल पर लगातार बढ़ रही भीड़ को देखते हुए मेट्रो कनेक्टिविटी जरूरी है। बसंतकुंज योजना में करीब 65 एकड़ में बने राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण 25 दिसंबर को प्रधानमंत्री ने किया था। परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री की 65 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमाएं स्थापित हैं। साथ ही म्यूजियम भी बनाया गया है। यहां प्रतिदिन दो से तीन हजार लोग पहुंच रहे हैं। आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। इसी क्षेत्र को ध्यान में रखकर ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण किया गया है, जिसका विस्तार नैमिष नगर योजना तक किया जा रहा है। मेट्रो विस्तार होने से दुबग्गा, बसंतकुंज और आसपास की बड़ी आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। अमीनाबाद और चारबाग जैसे प्रमुख इलाकों से भी प्रेरणा स्थल तक पहुंच आसान हो जाएगी।

अब 14.46 किमी होगा रूट

मेट्रो के प्रस्तावित द्वितीय चरण में चारबाग से दुबग्गा चौराहे तक 11.165 किमी लंबा कॉरिडोर प्रस्तावित है। इसमें कुल 12 स्टेशन होंगे। 7 भूमिगत और 5 एलिवेटेड। राष्ट्र प्रेरणा स्थल तक विस्तार को मंजूरी मिलती है तो रूट में 3.3 किमी की बढ़ोतरी होगी और एक नया स्टेशन जुड़ेगा। इसके बाद पूरा कॉरिडोर 14.46 किमी का हो जाएगा।

757 करोड़ बढ़ेगी लागत

पहले से तय 11.165 किमी परियोजना पर 5801.05 करोड़ रुपए का अनुमानित खर्च है। प्रेरणा स्थल तक विस्तार होने पर करीब 757.20 करोड़ रुपए अतिरिक्त खर्च आएगा। मेट्रो विस्तार के इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिए प्रदेश कैबिनेट में रखा जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक गोपाल श्रीवास्तव के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, बाराघाटा इंडस्ट्रीयल एरिया प्लाट नं. 12ए झांसी रोड़ ग्वालियर से मुद्रित एवं गाँधी नगर, बस स्टैंड के पास, भिण्ड से प्रकाशित। संपादक - गोपाल श्रीवास्तव। मोबाईल न. 9893126900, 7869966100, भोपाल ऑफिस-0755-4002626, 4939910, आरएनआई नं. एमपीएचआईएन/2008/28334 विधिक सलाहकार श्री राजेंद्र जैन, एडवोकेट। शिकायत एवं सुझाव हेतु संपर्क करें-6261052058, ई मेल- sattasudhar@gmail.com* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।